Vol.23, Issue 11 | Annual Subscription ₹480

सितंबर 2024

@NewsRotary /RotaryNewsIndia

रोटरी समाचार

भारत

www.rotarynewsonline.org

Rotary

Rotary
District 3212

THE MAGIC OF ROTARY

Project Kalam

"Dreams convert into thoughts and thoughts convert into actions."

STEP 2 SUCCESS

Size: 50 (Min) to 500 (Max) | **Duration**: 02.00 Hours | **Medium of Training**: Tamil & English
Audience: Government, Government Aided and Private School students

A Career guidance Program for School Students studying from 9th to 12th Standard

OBJECTIVE

Empowering Students to gain essential knowledge, insights, skills, and hands-on experience needed to discover and explore various career pathways aligned with their interests and passions to take career decision.

Outcome for 9th & 10th Students:

Students often face confusion when choosing the group in class 11. Typically, their subject choices are influenced by their 10th-grade marks, parental preferences, advice from friends and relatives, the family environment, and economic considerations. They were taught to apply SWOT Analysis to choose the subject streamline based on their Interest, Talent/Skills & their Personality.

Outcome for 11th & 12th Students:

To choose the best Career, Students will be guided to explore the following questions:
How to find the available courses?
How to choose the best course?
What are all the entrance exams available?
Is there any scholarship available?
Which College/University to attend?
Which Career Path offers the best Pay?

LEKHA ads/Sep 24/ Rotary/FIW

No. of Programs completed 74 **No. of Beneficiaries 18905**

Do you want to conduct Project Kalam in your Town/City/District? We are waiting to partner with you.

Project Coordinator
Rtn.K.C.GURUSAMY
94433 67248

IDHAYAM
PROMISE OF HEALTH AND HAPPINESS

Project Chairman
& Lead Speaker
Rtn.Tenzing Paulrajan
63746 44066

ADVT.

विषयसूची

12

सेक्स वर्कर्स के जीवन में बदलाव लाना

20

वायनाड पीड़ितों को मिली रोटरी की मदद

28

स्तन कैंसर की जांच के लिए एआई उपकरणों का उपयोग

36

एक गाँव को बेहतर कल की ओर ले जाना

42

नये निदेशकों का अभिनंदन

52

रोटरी क्लब बैंगलोर के 90 साल

62

विशेष बच्चों के लिए तिरुपति दर्शन

Rotary

A publication of Rotary Global Media Network

आपके पत्र

रोटरी न्यूज़ को मिला शानदार रूप

रोटरी न्यूज़ का नवीनतम संस्करण एक अच्छी तरह से डिज़ाइन की गई पत्रिका है जो कार्यात्मक डिजाइन तत्वों के साथ उत्कृष्ट सौंदर्य विशेषताओं का संयोजन करती है जिस वजह से यह देखने में आकर्षक और पढ़ने में आसान लगती हैं। फोंट का चयन विभिन्न प्रकार की विषय वस्तु के बीच स्पष्टता और अंतर प्रदान कर रहा है। रंगों का चयन विषय वस्तु और ब्रांड पहचान का पूरक हैं। यह डिजाइन तत्व पूरी पत्रिका को एक सुसंगत रूप प्रदान कर रहे हैं।

कुल मिलाकर पत्रिका का यह नवीन संस्करण आकर्षक और नेविगेट करने में आसान है।

शेखर मेहता, पूर्व रो ई अध्यक्ष

रोटरी न्यूज़ (अगस्त अंक) के नए ताज़ा रूप को देखते हुए दिमाग में 'वाह' विचार में आया, कवर की तस्वीर में सामान्य तस्वीर के बजाए एक पेड़ लगाने वाले दो बच्चों के चमकीले रंग का चित्रण बहुत आकर्षक है। मेरी पत्नी ने जब तक इसका शीर्षक नहीं देखा था तब तक उसे लगा कि मैंने अपने पोते के लिए कहानी की कोई किताब खरीदी है। नई डिज़ाइन की गई पृष्ठभूमि के साथ शीर्षक और पुलआउट उद्धरणों के लिए नए फोंट ने मुझे हर लेख को पढ़ने पर मजबूर किया। जाहिर है मंडल गतिविधियाँ और परियोजना झलकियाँ के नए लेआउट पर बहुत विचार किया गया होगा।

डंकी लाइब्रेरी, बच्चों का प्रकृति से परिचय, *पहियों पर दुकान* और *पेडल की ताकत* जैसी नवीन परियोजनाओं के बारे में पढ़ना दिलचस्प है जो यह दिखाता हैं कि रोटेरियन समुदाय की देखभाल कैसे करते हैं। प्रीति मेहरा ने बगीचों पर एक बेहतरीन लेख लिखकर खुद को पर्यावरण का चैंपियन साबित किया है। संपादकीय टीम को बधाई; आपके समर्पण ने रोटरी न्यूज़ में एक ताज़गी भरा बदलाव लाया है।

के रविन्द्रकुमार

रोटरी क्लब करूर - मंडल 3000

जीवन के हर क्षेत्र में निरंतर परिवर्तन होता है। RNT टीम ने उचित समय पर इस बदलाव पर काम किया है। संपादक रशीदा भगत और उनकी समर्पित एवं मेहनती टीम को इस बदलाव के लिए हार्दिक बधाई। यह नई डिजाइन, फोंट और लेआउट वास्तव में आकर्षक हैं। मैंने बहुत रुचि के साथ पृष्ठ दर पृष्ठ हर विषय वस्तु को पढ़ने में 90 मिनट बिताए।

मुझे यकीन है कि अन्य रोटेरियन भी ऐसा ही महसूस करते हैं। आपके नवाचार करते रहने की योजना का हम स्वागत करते है।

आर श्रीनिवासन

रोटरी क्लब बैंगलोर जे पी नगर - मंडल 3191

पत्रिका में आपके द्वारा किए गए लेआउट परिवर्तन वास्तव में अद्भुत हैं। नई लुक वाली पत्रिका को देखकर मुझे रंगों के नए मिश्रण, शीर्षक के फोंट में परिवर्तन और उद्धरण आदि को देखकर खुशी महसूस हुई। इन सबने इस पत्रिका को आकर्षक और रोचक बना दिया। *रोटरी न्यूज़* को एक नया रूप देने के लिए पूरी टीम को बधाई।

गिरिराज कायल

रोटरी क्लब श्री माधोपुर सनराइज़ - मंडल 3056

महान संपादकीय

अगस्त का संपादकीय... *दुःख की भाषा*... बिल्कुल शानदार है। इस खूबसूरत अंक के लिए धन्यवाद।

पीडीजी सैम मोव्वा, रोटरी क्लब विजयवाड़ा मिडटाउन - मंडल 3020

मैं रोटरी बैंगलोर वेस्ट से 15 से अधिक वर्षों से एक रोटेरियन हूँ। मैं आपको *रोटरी न्यूज़* की उत्कृष्ट विषय वस्तु और उससे भी अधिक आपके संपादकीय और लेखों के लिए बधाई देता हूँ। आपके पास लिखने का स्वाभाविक रूप से सहज तरीका है। यह वास्तव में एक उपहार है!

एन कृष्णमूर्ति

रोटरी क्लब बैंगलोर वेस्ट - मंडल 3192

मैंने रोटरी में अपने 10 वर्षों के दौरान अगस्त अंक जैसा दिल छू लेने वाला कवर पेज नहीं देखा। संपादक का संदेश और रो ई निदेशक का संदेश गंभीर है जो इस पत्रिका के मूल्य को दूसरे स्तर पर ले जाता है। वास्तव में प्रशंसनीय।

मिलन कुमार अग्रवाला

रोटरी क्लब अंगुल रॉयल - मंडल 3262

बाल किसान, गुलाबी ऑटो

रोटरी क्लब गांधीनगर की कृषि संबंधित नवीन परियोजना ने 60,000 बच्चों को लाभान्वित किया है। वे कृषि और पर्यावरण, खेतिहर जानवरों और विभिन्न फसल पैटर्न के बीच संबंधों के बारे में सीखते हैं। माता-पिता उचित मूल्य पर कृषि उपज खरीदते हैं और किसानों को सीधा लाभ मिलता है क्योंकि दलालों की भूमिका समाप्त कर दी गई है। एक आदर्श परियोजना।

वी आर टी दोरईराजा

रोटरी क्लब तिरुचिरापल्ली - मंडल 3000

कुछ समय पहले मैंने चेन्नई में रोटरी के प्रतीक के साथ एक गुलाबी ऑटो देखा। अब मुझे *रोटरी न्यूज़* के माध्यम से पता चला कि यह महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए रोटरी की एक परियोजना है।

प्रोजेक्ट पिंक ऑटो रो ई मंडल 3233 की एक अद्भुत पहल है; महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए 100 गुलाबी ऑटो दिए गए ताकि उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता मिल सकें।

एन जगथीसन

रोटरी क्लब एलुरु - मंडल 3020

आपके पत्र

हाल ही में मुझे रोटरी न्यूज की मासिक प्रति प्राप्त हुई और मैंने इस पत्रिका के आश्चर्यजनक नवीन स्वरूप को देखा। मुझे यह बहुत पसंद आया। यह एनिमेटेड कवर पेज बहुत अच्छा है। जैसे ही मैंने पन्ने पलटकर देखे तो सभी रंग जैसे मुस्कुरा रहे थे... आकर्षक और रंगीन। हमेशा की तरह विषय वस्तु और कवरेज शानदार है।

प्रणिता अलूरकर
रोटरी क्लब निगडी पुणे - मंडल 3131

पत्रिका के नए आकर्षक स्वरूप के लिए बधाई। बाल किसानों पर कवर स्टोरी बहुत दिलचस्प है क्योंकि यह समय की मांग है कि हम हमारे बच्चों को खेती के बारे में शिक्षित करें। उन्हें इस क्षेत्र का जरा भी ज्ञान नहीं है। रोटरी क्लब गांधीनगर की एक अद्भुत परियोजना।

ओ पी खड़िया
रोटरी क्लब जयपुर कोहिनूर - मंडल 3056

अगस्त अंक के अनूठे कवर को देखकर खुशी हुई जिसमें बच्चों के लिए आयोजित एक कृषि सत्र का चित्रण किया गया है। पत्रिका का यह नया स्वरूप निश्चित रूप से बहुत आकर्षक है। रो ई अध्यक्ष स्टेफनी उर्चिक ने क्लबों को अपने कामकाज में बदलाव लाने से पहले सदस्यों की राय लेने की आवश्यकता के बारे में बात की। इस संपादकीय में कोविड काल के समय में दुखी रिश्तेदारों का संदर्भ दिल छू रहा है। जहाँ रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन ने समुदायों में उम्मीद जगाने पर ध्यान केंद्रित किया है वहीं टीआरएफ अध्यक्ष मार्क मलोनी ने हमें एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए टीआरएफ को देने का आग्रह किया है। बच्चों को खेती में प्रशिक्षित करना एक नवीन विचार है; यह पहल सराहनीय है।

इथियोपिया में डंकी लाइब्रेरी, गुलाबी ऑटो, मानसिक रूप से परेशान महिलाओं के लिए सतत आजीविका, पीडीजी रेखा शेट्टी की याद में पुरस्कार जैसे सभी लेख दिलचस्प हैं। नए प्रारूप में मंडल गतिविधियां खूबसूरत लगती है। कुल मिलाकर अगस्त अंक शानदार है और इसके लिए टीम बधाई की पात्र है।

फिलिप मुलप्पोने एम टी
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन
मंडल 3211

मुझे रो ई अध्यक्ष स्टेफ़नी उर्चिक पर लिखा लेख *द प्लेमेकर* बहुत दिलचस्प लगा। विभिन्न क्लब परियोजनाएं अपनी तस्वीरों के साथ रोटेरियनों के विचारों को दर्शाती हैं। 2025-26 से कोई अध्यक्षीय विषय नहीं होगा लेकिन मुझे लगता है कि एक विषय ही रोटेरियनों को उत्साहित करता है।

सौमित्र चक्रवर्ती
रोटरी क्लब कलकत्ता यूनिवर्स - मंडल 3291

रो ई अध्यक्ष स्टेफनी का वर्णन और संपादक का संदेश *चिलचिलाती गर्मी, शीतल समाधान* दिलचस्प थे। टीआरएफ अध्यक्ष मार्क मलोनी और न्यासी भरत पांड्या के संदेश शानदार थे। रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन ने रोटेरियनों से नए सहयोग के माध्यम से नई गतिविधियाँ शुरू करने का आग्रह किया। यह स्वागत योग्य है। *रोटरी का जादू* नई थीम होने के साथ वास्तव में रोटेरियनों को उत्साहित करेगी। लेकिन नए प्रतिबद्ध रोटेरियनों को आमंत्रित करने के रो ई निदेशक के सुझाव का पालन नहीं किया जा रहा है।

निरंजन कर
रोटरी क्लब भुवनेश्वर - मंडल 3262

होटल प्रेसीडेंसी, कोच्चि में *रोटरी न्यूज* को देखना सुखद था। उसका मालिक शायद एक रोटेरियन होगा!

जयदीप मालवीय
रोटरी क्लब पुणे कैंप - मंडल 3131

जब संसाधन सम्पन्न लोग कहर बरपाते है शीर्षक वाला जून का संपादकीय मैंने बहुत रुचि के साथ पढ़ा और हमारी वर्तमान सामाजिक व्यवस्था पर आपकी टिप्पणियां जब एक लड़का जो वयस्क नहीं था, तीन अपराध करता है - नशे में धुत होकर अवैध रूप से एक उबर लक्जरी कार, पोर्शे चलाता है जिसके परिणामस्वरूप दो व्यक्तियों की हत्या हो जाती है। सबसे खास बात यह थी कि अपराध के कुछ घंटों के भीतर ही पुणे के किशोर न्याय मंडल द्वारा उसे जमानत दे दी गई।

यह केवल यह दर्शाता है कि हमारा किशोर न्याय कानून पुराना है और समय के अनुरूप नहीं है। संपादकीय के अंत में उचित रूप से कहा गया है कि यह रोटरी की सामाजिक जिम्मेदारी है कि वह अपने बच्चों को शराब और मादक द्रव्यों के सेवन से बचाने के लिए माता-पिता के बीच जागरूकता फैलाने के अपने प्रयासों को और तेज़ करे।

अभय किशोर संदवार
रोटरी क्लब धनबाद मिड टाउन - मंडल 3250

सिंगापुर में आयोजित रो ई सम्मेलन पर चित्र पृष्ठ के साथ लिखे गए लेख शांति, महिला सशक्तिकरण, मानसिक स्वास्थ्य पर रौशनी डालते हैं।

डेनियल चित्तिलापिल्ली
रोटरी क्लब कलूर - मंडल 3201

कवर पर: प्रोजेक्ट सखी, रोटरी क्लब भरूच, रो ई मंडल 3060 की एक पहल है, जिसका उद्देश्य शहर में यौनकर्मियों के जीवन को बदलना है।

हम आपकी प्रतिक्रियाओं का स्वागत करते है। अपनी प्रतिक्रियाएं *rotarynews@rosaonline.org* या *rushbhagat@gmail.com* पर संपादक को मेल कीजिए। *rotarynewsmagazine@gmail.com* पर उच्च रेसोल्यूशन वाली तस्वीरें अपनी परियोजना के विवरण के साथ मेल कीजिए।

आपके क्लब/मंडल परियोजनाओं के संदेश, Zoom मीटिंग/वेबिनार पर जानकारी और उसके लिंक केवल संपादक को ई-मेल द्वारा *rushbhagat@gmail.com* या *rotarynewsmagazine@gmail.com* पर भेजे जाने चाहिए।

WhatsApp पर भेजे संदेशों पर विचार नहीं किया जाएगा।

अध्यक्ष की ज़बानी

स्लोवाकिया में रो ई अध्यक्ष स्टेफ़नी अर्चिक की दादी का घर।

परिवार का अर्थ

रो*टरी का जादू* अपनापन है और यह एक ऐसा एहसास है जो तब होता है जब आपको इसकी उम्मीद न के बराबर होती हैं।

इस साल की शुरुआत में, मैं यूरोप की छह सप्ताह की यात्रा के दौरान अध्यक्ष के प्रतिनिधि के रूप में स्लोवाकिया में सेवा दे रही थी। जब मैंने उस समय मंडल 2240 की गवर्नर कैटरीना सेकोवा को पत्र लिखा तो मैंने उसमें इस बात का ज़िक्र किया कि मेरी दादी वेरोनिका ज़िल्का अमेरिका में बसने से पहले इस क्षेत्र के एक छोटे से गाँव में पली-बढ़ी थीं।

सेकोवा को मेरी दादी के गांव, जकुबोवा वोला का पता लगाने में अधिक समय नहीं लगा। उन्होंने मेरे लिए वहाँ की एक यात्रा का भी आयोजन किया जहाँ मेरा एक अविस्मरणीय स्लोवाकियाई स्वागत हुआ।

जब मैंने जकुबोवा वोला के सामुदायिक केंद्र में प्रवेश किया तो पारंपरिक स्लोवाकियाई कपड़े पहने कुछ लोगों ने मेरा सत्कार किया। उन्होंने सुंदर और शक्तिशाली मध्य यूरोपीय गीत गाएं जिसने मुझे मेरी दादी की याद दिला दी।

बहुत सारे परिवार एक साथ मिलकर ताश या कोई और खेल खेलते हैं। जब मैं छोटी थी, मेरे पिता अपना अकॉर्डियन उठाकर गाने में मेरे परिवार का नेतृत्व करते थे। मेरी दादी अपनी प्रभावशाली आवाज में उनके साथ गाती थीं।

जब मैं सामुदायिक केंद्र गई और अपने बचपन के पारंपरिक संगीत को सुना - जब मैंने एक महिला को मेरे पिता के जैसे ही अकॉर्डियन बजाते देखा - मुझे अचानक मोनेसेन, पेंसिल्वेनिया में मेरी दादी के घर पर बैठी एक छोटी लड़की की तरह महसूस हुआ। मैं यादों के गलियारों में जाकर खुशी से रो पड़ी।

लेकिन जादू यहीं खत्म नहीं हुआ। मंडल गवर्नर सेकोवा वास्तव में यहीं नहीं रुकी। एक स्थानीय वंशावलीविद् ने मेरी दादी के बारे में एक लघु फिल्म बनाने के लिए एक वीडियोग्राफर के साथ काम किया। हमने सामुदायिक केंद्र में एक साथ वीडियो देखा।

जब वो वीडियो खत्म हुआ तो मैंने पीछे मुड़कर देखा कि एक आदमी कमरे में पीछे खड़ा है। मुझे तभी पता चला कि यह अजनबी, फ्रांटिसेक ज़िल्का, मेरा दूसरा चचेरा भाई है। उसकी दादी और मेरी दादी बहनें थीं। मुझे एकदम से झटका लगा।

मैंने अपने नए चचेरे भाई के घर का दौरा किया जो वो घर था जहाँ मेरी दादी का जन्म हुआ था। वहाँ उसने मुझे मेरे पिता, चाचा और मेरी दादी की कुछ पुरानी तस्वीरें दिखाई जो मैंने पहले कभी नहीं देखी थीं।

तब से मैं अपने रोटरी परिवार के बारे में सोचना बंद नहीं कर सकी। जब मैं आपको अपने परिवार के रूप में संदर्भित करती हूँ तो यह सिर्फ कहने के लिए ही नहीं है। मैं वास्तव में रोटरी में सभी को अपना परिवार ही मानती हूँ। लेकिन मैंने यह कभी नहीं सोचा था कि मेरा रोटरी परिवार मुझे लंबे समय से खोए हुए अपने निजी परिवार से मिलवाएगा।

उस सामुदायिक केंद्र में बैठकर बचपन के पारंपरिक स्लोवाकियाई संगीत ने मुझे खुशी और अपनेपन की गहन भावना से सराबोर कर दिया। मैं मंडल गवर्नर सेकोवा और उन सभी की बहुत आभारी हूँ जिन्होंने मुझे ऐसा जादुई अनुभव करवाने में मदद की।

रोटरी के सदस्यों के रूप में हमारे पास उस जादू को एक दूसरे के साथ और पूरी दुनिया के साथ साझा करने का एक अनूठा अवसर है। मैं आपको इस बात पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करती हूँ कि आप उस जादू को फैलाने में कैसे मदद कर सकते हैं और कैसे अपने क्लब के अन्य सदस्यों - हमारे रोटरी परिवार के अन्य सदस्यों - को अपनापन महसूस करवा सकते हैं।

स्टेफ़नी ए अर्चिक
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

चित्र: लूसी हैप्टर

DEI पर फिर से ध्यान

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में 31 वर्षीय प्रशिक्षु डॉक्टर के भयानक बलात्कार और हत्या ने एक बार फिर आज के भारत में महिलाओं के लिए असुरक्षित वातावरण पर प्रकाश डाला है। उसके पिता का यह बयान दिल दहला देने वाला है कि कैसे उन्हें अपनी बेटी का शव, जो केवल एक बेडशीट में लिपटा दिया गया था, प्राप्त करने से पहले तीन घंटे तक अस्पताल में इंतजार करना पड़ा था। शव परीक्षण में यौन उत्पीड़न और गला घोंटने के स्पष्ट सबूत मिले। उन महिला-द्वेषियों से जो बलात्कार होने पर हमेशा महिला पर उंगली उठाते हैं और ऐसी बातें करते है... वह इतनी रात को बाहर क्यों थी, उसने इस तरह के कपड़े क्यों पहने थे और इस तरह की अन्य बकवास, यह सवाल पूछा जाना चाहिए: यदि एक प्रशिक्षु डॉक्टर जो अपनी 36 घंटे की लंबी शिफ्ट के दौरान आराम करने के लिए सेमिनार हॉल में गई थी, एक सरकारी अस्पताल में सुरक्षित नहीं है, तो भारत की अन्य वंचित लड़कियों/महिलाओं के लिए सुरक्षा की क्या उम्मीद की जा सकती है? इस वीभत्स अपराध का एक सकारात्मक नतीजा यह हुआ है कि कोलकाता की महिलाएं बड़ी संख्या में अपनी जगह को पुनः प्राप्त करने के लिए बाहर आ रही हैं और एक महिला मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली राज्य सरकार से कुछ बहुत कठिन सवाल पूछ रही हैं।

जांच जारी है, लेकिन सत्ता में बैठे लोगों के साथ बलात्कारियों की सांठगांठ का भी संदेह है। कोलकाता में पीड़ा और आक्रोश का स्वाभाविक विस्फोट इस बात का संकेत है कि युवा महिलाएं इसका डटकर मुकाबला कर रही हैं।

इस अपराध के अपराधी को कठोरतम सजा तथा मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं के यौन उत्पीड़न के आरोपों की निष्पक्ष जांच की उम्मीद करते हुए, एक अन्य महिला की जीत और दुख की कहानी सामने आती है, जो अपने और अन्य महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के लिए एक शक्तिशाली व्यक्ति के लिए न्याय और सजा की मांग करने के लिए सड़कों पर उतर आई है। न्याय के बजाय, विनेश फोगाट और अन्य प्रदर्शनकारी पहलवानों को यौन उत्पीड़न के खिलाफ उनकी साहसिक लड़ाई के लिए, पुलिस कर्मियों से सार्वजनिक रूप से पिटाई का सामना करना पड़ा। फिर भी उसने लड़ना जारी रखा, और आखिरकार पेरिस ओलंपिक में जगह बनाई और गर्व के साथ हमारे सीनों को चौड़ा कर दिया। जब एक अरब से अधिक भारतीयों ने पेरिस में हमारा एकमात्र स्वर्ण पदक जीतने का सपना देखा था, तब 50 किग्रा वर्ग में वजन परीक्षण में केवल 100 ग्राम से फेल होने के कारण ओलंपिक से उनके अयोग्य होने की दिल दहला देने वाली खबर आई। सेमीफाइनल को सही तरीके से जीतने के लिए उसे कम से कम रजत पदक क्यों नहीं मिल सका, इस बहुत तार्किक सवाल का जवाब कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स ने उसकी अपील को ख़ारिज करके दिया। नियमों के अनुसार, ''एक पहलवान को न केवल एक प्रतियोगिता की शुरुआत में पात्र होना चाहिए, बल्कि पूरी प्रतियोगिता के दौरान भी योग्य होना चाहिए, यानी शुरुआत से फाइनल्स तक।''

फैसला चाहे जो भी रहा हो, पदक मिला या न मिला हो, हमारी नज़र में, खासकर भारतीय महिलाएं जो जानती हैं कि हमारे देश में व्यवस्था 'दूसरे लिंग' के खिलाफ कैसे काम करती है, विनेश एक चैंपियन बनकर उभरी हैं। उसने एक पूरे संगठन से मुकाबला किया, शक्तिशाली लोगों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, न्याय नहीं मिला, और पेरिस ओलंपिक में उत्कृष्टता के शिखर तक पहुंचने के अपने सपने को जारी रखा। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। वह सभी भारतीय महिलाओं के लिए एक नायक बनी रहेंगी, विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए, जो अपने कार्यस्थल पर अश्लील हरकतों, उत्पीड़न और छेड़छाड़ का शिकार होती हैं। विनेश का रोटेरियनों द्वारा हौसला बढ़ाया जाना चाहिए जो डीईआई मंत्र में विश्वास करते हैं।

रशीदा भगत

सांगकू युन 2026-27 के रो ई अध्यक्ष चुने गए

कोरिया में सियोल के रोटरी क्लब से हानयांग के सदस्य सांगकू यून को नामांकन समिति ने 2026-27 के रो ई अध्यक्ष के रूप में चयनित किया है। अगर कोई अन्य उम्मीदवार उन्हें चुनौती नहीं देता है तो उन्हें 15 सितंबर को आधिकारिक तौर पर अध्यक्ष पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया जाएगा।

युन ने अमेरिका के सिरैक्यूज़ यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर से स्नातक और मास्टर डिग्री प्राप्त की और स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्राप्त की। वह डोंगसुह कॉर्प के संस्थापक और सीईओ हैं, जो वास्तु सामग्रियों का निर्माण एवं विपणन करता है, और यूंगन कॉर्प के अध्यक्ष हैं, जो रियल एस्टेट और वित्तीय निवेश के क्षेत्र में काम करता है। वह कई नागरिक संगठनों में शामिल हैं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में उनकी विशेष रुचि है।

1987 से एक रोटरी सदस्य के रूप में, जब वह रोटरी क्लब से हानयांग के चार्टर सदस्य थे, युन ने एक निदेशक, न्यासी, समिति सदस्य एवं अध्यक्ष और रो ई लर्निंग फैसिलिटेटर के रूप में रो ई को सेवा दी है। उन्होंने रोटरी के कोरियाई सदस्यों द्वारा चलाई गई कीप मंगोलिया ग्रीन परियोजना के सह-अध्यक्ष के रूप में आठ साल तक सेवा की।

युन को 2021-22 में टीआरएफ का विशिष्ट सेवा पुरस्कार मिला। उन्हें महारानी एलिजाबेथ द्वितीय द्वारा ब्रिटिश साम्राज्य के मोस्ट एक्सीलेंट आर्डर का अधिकारी नियुक्त किया गया था, मंगोलिया के राष्ट्रपति द्वारा मैत्री पदक से सम्मानित किया गया था, और कोरिया के राष्ट्रपति एवं प्रधान मंत्री द्वारा विशिष्ट सेवाओं के लिए पुरस्कार दिया गया था। वह कोरियन गणराज्य की सेना के एक पूर्व सैनिक और एंडोंग प्रेस्बिटेरियन चर्च में एक एमेरिटस एल्डर हैं।

युन और उनकी पत्नी, युनसुन, रोटरी संस्थान के बेनेफेक्टर, प्रमुख दानकर्ता और आर्च क्लम्फ सोसाइटी, पॉल हैरिस सोसाइटी और बेक्वेस्ट सोसाइटी के सदस्य हैं। उनके दो बच्चे हैं।

स्रोत: *rotary.org*

YOUR PROJECT PLANNING EXPERTS

the CADRE

WALLY GARDINER
Canada, District 5360

CADRE TITLE
Cadre Adviser and Former Technical Coordinator for Community Economic Development

OCCUPATION
Retired CEO, Gardiner Computer Consulting Inc

The Rotary Foundation Cadre of Technical Advisers is a network of hundreds of Rotary members who are experts from around the globe. These advisers use their professional skills and technical expertise to enhance Rotary members' grant projects in our areas of focus.

THE CADRE CAN SUPPORT YOU BY:
- Providing project planning advice and implementation guidance
- Helping with community assessment design
- Incorporating elements of sustainability into projects
- Answering questions about Rotary's areas of focus
- Providing financial management best practices

Connect with a Cadre member today by visiting the Cadre page on *My Rotary*, or email us at *cadre@rotary.org*.

There are hundreds of experts standing by to help you plan or enhance your Rotary project!

Rotary

निदेशक का संदेश

साक्षरता के साथ भविष्य को आकार देना

सितंबर के आते ही रोटरी अंतर्राष्ट्रीय बुनियादी शिक्षा और साक्षरता माह के महत्व को अपनाता है। यह महीना एक प्रकाशस्तंभ के रूप में कार्य करते हुए शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति के माध्यम से लोगों को सशक्त बनाने के हमारे साझा मिशन में हमारा मार्गदर्शन करता है।

अपने वास्तविक स्वरूप में शिक्षा वह नींव है जिस पर हम आशा और संभावनाओं के एक भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। यह सिर्फ एक अकादमिक लक्ष्य से बहुत अधिक है - यह अवसरों को खोलने, गरीबी की जंजीरों को तोड़ने और नवाचार को बढ़ावा देने की कुंजी है। शिक्षा के प्रति रोटरी की प्रतिबद्धता अटूट है क्योंकि हमारा मानना हैं कि हर परिस्थिति में प्रत्येक व्यक्ति सीखने और बढ़ने के अधिकार का हकदार है।

इस महीने हमारा ध्यान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंचने में बाधा डालने वाली चुनौतियों से निपटने पर है। सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है लिंग आधारित शैक्षिक असमानताओं को दूर करना। हमें यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास करना चाहिए कि हर बच्चे को, चाहे वह लड़का हो या लड़की, सीखने के समान अवसर मिले। ऐसा करके हम एक ऐसे समाज की नींव रखते है जो समानता और समावेशिता को महत्व देता है, जहाँ हर किसी को सफल होने का मौका मिलता है।

हालांकि, शिक्षा के प्रति हमारे समर्पण को कक्षा और बचपन से परे होना चाहिए। चौंका देने वाली वास्तविकता यह है कि दुनिया भर में 775 मिलियन से अधिक वयस्क निरक्षर हैं जो वैश्विक आबादी का 17 प्रतिशत हिस्सा हैं। यह आंकड़ा हमें वयस्क साक्षरता को शामिल करने पर अपना ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर करता है। वयस्कों को पढ़ने एवं लिखने में सक्षम बनाकर हम उन्हें पूर्ण रूप से समाज का हिस्सा बनने, उनकी आजीविका बढ़ाने और उनके समुदायों में सार्थक योगदान प्रदान करने में सशक्त बनाते हैं। एक साक्षर वयस्क आबादी न केवल व्यक्तिगत प्रगति का प्रतीक है बल्कि यह सामूहिक वृद्धि और विकास के लिए भी उत्प्रेरक का काम करती है।

जब हम ध्यान केंद्रण के इस माह को अपनाते है तो हमें मलाला यूसुफजई के शब्द याद आते है: ''एक बच्चा, एक शिक्षक, एक किताब और एक कलम दुनिया को बदल सकती है।'' ये शब्द शिक्षा के माध्यम से परिवर्तन लाने में रोटरी के मिशन को चरितार्थ करते हैं। बच्चों और वयस्कों में निवेश करके हम एक ऐसे भविष्य में निवेश करते हैं जो सभी के लिए एक उज्जवल भविष्य का वादा करता है।

सितंबर को नई प्रतिबद्धता और कार्यवाही का समय बनने दें। चलिए हम एक साथ मिलकर शिक्षा के उद्देश्य को पूर्ण करें और यह सुनिश्चित करें कि हर व्यक्ति सीख सकें, बढ़ सकें और फल-फूल सकें। ऐसा करके हम व्यक्तिगत जीवन को परिवर्तित कर सकते हैं और अधिक मजबूत, अधिक लचीले समुदाय के साथ-साथ अधिक समृद्ध दुनिया का निर्माण करते हैं।

अनिरुद्धा रॉयचौधरी
रो ई निदेशक, 2023-25

फाउंडेशन ट्रस्टी
अध्यक्ष का संदेश

भावी पीढ़ियों के लिए एक विरासत

रोटरी फाउंडेशन एंडोमेंट के माध्यम से एक विरासत छोड़ने की शक्ति में विश्वास रखने वाले के रूप में, मैं और मेरी पत्नी, गे, इस बात के लिए आभारी थे कि हम रोटरी में दूसरों को उनकी विरासत छोड़ने में मदद कर पाए।

हमारा मंडल (उत्तरी अलबामा में 6860) ने पहले कभी फाउंडेशन की अक्षय निधि को ध्यान में रखते हुए धन संचयन हेतु रात्रिभोज का आयोजन नहीं किया था, लेकिन हम जानते थे कि समय आ चुका है। हमने इसे एक विरासत रात्रिभोज कहा, जिसने दान देने के दीर्घकालिक प्रभाव पर जोर दिया।

शुरुआत में इसकी गति धीमी थी, और कुछ संशयवादियों को संदेह था कि हम 1 मिलियन डॉलर नहीं जुटा पाएंगे, जो हमारा प्रारंभिक लक्ष्य था। हालाँकि, हम आशावादी बने रहे और 23 फरवरी 2024, रोटरी की वर्षगांठ, की तारीख निर्धारित की।

इस अभियान के दौरान, समिति के सदस्यों ने पूरे उत्तरी अलबामा की यात्रा की, अक्षय निधि में दान देने के बारे में छोटे समूहों के साथ बैठक की। फिर, बड़ी मात्रा में दान आने लगे। एक रोटेरियन ने 10,000 डॉलर का चेक देने के साथ 25,000 डॉलर की प्रतिबद्धता जताई। जल्द ही, अन्य सदस्यों ने इसका अनुसरण किया, और हमारे पास उपहार और प्रतिबद्धताओं में 200,000 डॉलर से अधिक की राशि इकट्ठा हुई।

दो दान उदारता के मामले में शीर्ष पर रहे। एक 500,000 डॉलर की वसीयत प्रतिबद्धता थी, और दूसरी 560,000 डॉलर की प्रतिबद्धता थी।

अभियान के अंत तक, हमारी समिति ने हमारी सबसे बड़ी अपेक्षाओं को पार कर लिया था: हमने अक्षय निधि के लिए 2,729,863.14 डॉलर जुटा लिए थे, जो हमारे लक्ष्य का लगभग तीन गुना था। उन उपहारों का प्रभाव एक विरासत का निर्माण करेगा जो हमेशा दान देता रहेगा।

कोई भी क्लब या मंडल अकेले रोटरी फाउंडेशन एंडोमेंट को 2025 तक 2.025 बिलियन डॉलर के लक्ष्य तक नहीं पहुंचाएगा। हम में कई अभी या एस्टेट प्लान के हिस्से के रूप में 25,000 नहीं दे सकते हैं। लेकिन मुझे यह भी पता है कि हम में से कई दे सकते हैं।

कृपया हमें उस अक्षय निधि लक्ष्य को हासिल करने में मदद करें और ऐसा करते हुए एक विरासत को पीछे छोड़े और *rotary.org/legacy* पर जाकर रोटरी सदस्यों की भावी पीढ़ियों के काम को आगे बढ़ाएं।

मार्क डेनियल मेलोनी
ट्रस्टी अध्यक्ष, द रोटरी फौउंडेशन

गवर्नर्स काउंसिल

RID 2981	बस्करन एस
RID 2982	शिवकुमार वी
RID 3000	राजा गोविंदसामी आर
RID 3011	महेश पी त्रिखा
RID 3012	प्रशांत राज शर्मा
RID 3020	डॉ एम वेंकटेश्वर राव
RID 3030	राजिंदर सिंह खुराना
RID 3040	अनीश मलिक
RID 3053	राहुल श्रीवास्तव
RID 3055	मोहन पाराशर
RID 3056	डॉ राखी गुप्ता
RID 3060	तुषार शाह
RID 3070	डॉ परमिंदर सिंह ग्रोवर
RID 3080	राजपाल सिंह
RID 3090	डॉ संदीप चौहान
RID 3100	दीपा खन्ना
RID 3110	नीरव निमेश अग्रवाल
RID 3120	परितोष बजाज
RID 3131	शीतल शरद शाह
RID 3132	डॉ सुरेश हीरालाल साबू
RID 3141	चेतन देसाई
RID 3142	दिनेश मेहता
RID 3150	शरथ चौधरी कटरागड्डा
RID 3160	डॉ साधु गोपाल कृष्ण
RID 3170	शरद पाई
RID 3181	विक्रमदत्त
RID 3182	देव आनंद
RID 3191	सतीश माधवन कननोर
RID 3192	एन एस महादेव प्रसाद
RID 3201	सुंदरवदिवेलु एन
RID 3203	डॉ एस सुरेश बाबू
RID 3204	डॉ संतोष श्रीधर
RID 3211	सुधी जब्बार
RID 3212	मीरनखान सलीम
RID 3231	राजनबाबू एम
RID 3233	महावीर चंद बोथरा
RID 3234	एन एस सरवनन
RID 3240	सुखमिंदर सिंह
RID 3250	बिपिन चाचान
RID 3261	अखिल मिश्रा
RID 3262	यज्ञनिस महापात्रा
RID 3291	डॉ कृष्णेंदु गुप्ता

प्रकाशक एवं मुद्रक **पी टी प्रभाकर**, 15 शिवास्वामी स्ट्रीट, मायलापोर, चेन्नई - 600004, रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट के लिए रासी ग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 40, पीटर्स रोड, रोयापेट्टा, चेन्नई - 600014 से मुद्रित एवं रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट, दुगड़ टावरस, 3rd फ्लोर, 34 मार्शलस रोड, एगमोर, चेन्नई - 600008 से प्रकाशित।
संपादक: **रशीदा भगत**

योगदान का स्वागत है लेकिन संपादित किया जाएगा। प्रकाशित सामग्री का आरएनटी की अनुमति सहित, यथोचित श्रेय देते हुए प्रयोग किया जा सकता है।

Website

न्यासी मंडल

राजु सुब्रमण्यन **रो ई निदेशक और अध्यक्ष, रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट**	RID 3141
अनिरुधा रॉयचौधरी **रो ई निदेशक**	RID 3291
डॉ भरत पांड्या **टीआरएफ ट्रस्टी**	RID 3141
राजेंद्र के साबू	RID 3080
कल्याण बेनर्जी	RID 3060
शेखर मेहता	RID 3291
अशोक महाजन	RID 3141
पी टी प्रभाकर	RID 3232
डॉ मनोज डी देसाई	RID 3060
सी भास्कर	RID 3000
कमल संघवी	RID 3250
डॉ महेश कोटबागी	RID 3131
ए एस वेंकटेश	RID 3232
गुलाम ए वाहनवती	RID 3141

निर्वाचित रो ई निदेशक

एम मुरुगानंदम	RID 3000
के पी नागेश	RID 3191

कार्यकारी समिति के सदस्य (2024-25)

एन एस महादेव प्रसाद **अध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3192
अखिल मिश्रा **सचिव, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3261
आर राजा गोविंदसामी **कोषाध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3000
राखी गुप्ता **सलाहकार, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3056

संपादक
रशीदा भगत

उप संपादक
जयश्री पद्मनाभन

प्रशासन और विज्ञापन प्रबंधक
विश्वनाथन के

रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट
3rd फ्लोर, दुगर टावर्स, 34 मार्शल रोड, एग्मोर
चेन्नई 600 008, भारत
फोन: 044 42145666
rotarynews@rosaonline.org
www.rotarynewsonline.org

Magazine

टीआरएफ ट्रस्टी का संदेश

शाबाश, भारत!

रोटरी फाउंडेशन रोटरी की रीढ़ है, जो रोटरी के ताज़ में चमकता हुआ नगीना है। यह हमें अपनी सेवा, सोच-विचारों को क्रियान्वित करने का अवसर प्रदान करता है।

हमारे ज़ोन के रोटेरियनों ने यह दिखाया है कि वे फाउंडेशन के लिए प्रतिबद्ध और पूरी तरह से सहायक हैं। 2023-24 में ढ्ढक्र को लगभग 32 मिलियन डॉलर का योगदान देने के साथ भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर रहा। पांच मंडलों में से प्रत्येक ने 2 मिलियन डॉलर से अधिक का योगदान दिया और 10 मंडलों में से प्रत्येक ने 1 मिलियन डॉलर से अधिक का योगदान दिया। इससे भी अधिक, एक भारतीय मंडल - रो ई मंडल 3141 - नंबर 1 योगदानकर्ता था और चार मंडल दुनिया भर में शीर्ष 10 में शामिल थे। यह वास्तव में उल्लेखनीय है। इस महान प्रयास के लिए 2023-24 मंडल गवर्नरों, मंडल एवं हमारे क्षेत्रों की क्षेत्रीय टीआरएफ टीमों को बधाई।

रोटरी फाउंडेशन के न्यासियों ने 2024-2025 के लिए धन संचयन हेतु 500 मिलियन डॉलर का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। एक टीम के रूप में हम सभी मिलकर काम करेंगे और इस लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।

2024-25 के लिए टीआरएफ प्राथमिकताएं:

- अपने मंडल की पोलियोप्लस सोसाइटी में योगदान देकर एंड पोलियो नाउ का समर्थन करें - अपने मंडल को न्यूनतम 50 सदस्यों की प्राप्ति में मदद करें या 2024-25 के अंत तक पोलियोप्लस सोसाइटी को 20 प्रतिशत तक बढ़ाएं।
- पॉल हैरिस सोसाइटी के सदस्य बनें (हर साल वार्षिक निधि में 1,000 डॉलर) और दूसरों को शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करें।
- उदाहरण से नेतृत्व करें: जब प्रत्येक रोटेरियन टीआरएफ को देता है तो इससे और अधिक लोगों के जीवन को छूने और समुदायों में परिवर्तन लाने की हमारी क्षमता मजबूत होती है।
- सभी रोटरी क्लबों को वार्षिक कोष में योगदान देना चाहिए। दानकर्ताओं की संख्या में 20 प्रतिशत की वृद्धि होनी चाहिए।
- सीएसआर इंडिया ग्रांट पर ध्यान देकर उसका लाभ उठाएं
- टीआरएफ निधि के प्रबंधन पर हमेशा नजर रखें
- एक टीम के रूप में हमें 2025 तक 2.025 बिलियन डॉलर के अपने अक्षय निधि लक्ष्य तक पहुंचना है। अपनी अक्षय निधि बढ़ाकर हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि रोटरी हमारे जीवनकाल के बाद भी दुनिया में अच्छा कर सकती है।

आप में से प्रत्येक और आपके रोटरी परिवार के सदस्य हमारे समुदाय और दुनिया के लिए आपके और सभी रोटरी सदस्यों के सपनों को पूरा करने के लिए काम कर सकते हैं। और हमारा रोटरी फाउंडेशन ऐसा कर सकता है।

चलिए हम सब मिलकर दुनिया में अच्छा करते रहें। यही *रोटरी* और टीआरएफ *का जादू* है।

भरत पांड्या
टीआरएफ ट्रस्टी

Rotary PEOPLE OF ACTION

सेक्स वर्कर्स के जीवन में बदलाव लाना

रशीदा भगत

जब रोटरी क्लब भरूच, रो ई मंडल 3060, की पूर्व अध्यक्ष रिज़वाना ज़मींदार भरूच और अंकलेश्वर शहरों में यौनकर्मियों के एक समूह के लिए सामाजिक रूप से स्वीकृत एक व्यवसाय के माध्यम से गरिमा और वित्तीय स्वतंत्रता दोनों लाने के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने निकली तो वह एक ही मंत्र से प्रेरित थीं। वह था ''हम रोटरी के जादू के माध्यम से सभी महिलाओं के लिए गरिमा और सम्मान का जीवन सुनिश्चित करने की उम्मीद कैसे जगा सकते हैं क्योंकि अंततः यह हर इंसान का मौलिक अधिकार है।''

वह और उनके साथी क्लब सदस्यों ने 'सखी' नामक परियोजना शुरू करने की तैयारी की जिसे उन महिलाओं के लिए लक्षित किया गया जो समाज की अंधेरी गलियों में कहीं खो गई हैं। उनका एकमात्र उद्देश्य ''उन महिलाओं को बाहर निकालना था जिन्होंने हताश होकर इस देह व्यापार को चुना क्योंकि उनके पास कोई अन्य विकल्प नहीं था'' और अगर उन्हें कोई साध्य विकल्प मिले जिससे वे अपनी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा कर सकें तो वे इस कुख्यात व्यवसाय को छोड़ने के लिए तैयार हो।

अपने पति और क्लब के पूर्व अध्यक्ष टॉकिन, जिन्होंने रोटरी में उनके अधिकांश सामुदायिक सेवा कार्यों और विकास सहायता टीम के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की, के समर्थन से रिज़वाना ने उन महिलाओं तक पहुंचने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ निरंतर काम किया जो उनसे बात करने के लिए तैयार थीं और ईमानदारी से उनकी मदद करने के लिए उनका विश्वास हासिल किया।

''मैंने और मेरी टीम ने भरूच एवं अंकलेश्वर क्षेत्र में छोटे-बड़े समूहों में महिला यौनकर्मियों से बार-बार मिलने हेतु लगन से काम किया। हमने उनकी रिक्शा यात्राओं के लिए भुगतान करके उन्हें परिवहन सहायता भी प्रदान की और वेश्यालय मालिकों एवं दलालों के साथ मिलकर यह पता लगाने की कोशिश की कि इस देह व्यापार को छोड़ने की इच्छुक महिलाओं को ऐसा करने की अनुमति मिल सकती है कि नहीं,'' वह याद करती है। इन सबसे ऊपर रिज़वाना को गर्व है कि वे सफलता प्राप्त करने में सक्षम थे और गैर-संचार सामाजिक कार्यकर्ताओं की बाधा को पार करने में सफल हुए जो आमतौर पर ऐसे मामलों में सामने आती हैं मुख्य रूप से इसलिए क्योंकि हमारी टीम ने शहर के एक प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ साजिद डे द्वारा उनके लिए मनोरोग परामर्श सत्र आयोजित करके उनके लिए एक गैर-निर्णयात्मक वातावरण तैयार किया।

सेक्स वर्करों के लिए प्रोजेक्ट सखी के शुभारंभ पर रोटरी क्लब भरूच की पूर्व अध्यक्ष रिज़वाना ज़मींदार, टॉकिन ज़मींदार, रोटरी क्लब चिखली रिवर फ्रंट के पूर्व अध्यक्ष हसन मायत, रोटरी क्लब भरूच नर्मदा नगरी के पूर्व अध्यक्ष ध्रुव राजा और अध्यक्ष मौनेश पटेल।

> महिलाओं को या तो बहकाया जाता है या फिर उन्हें बहला-फुसलाकर इस काम में लगाया जाता है। अन्य लोग अत्यधिक गरीबी के कारण वेश्यालयों में चले जाते हैं; वे अक्सर अपना घर चलाने, बच्चों का पेट भरने और स्कूल की फीस भरने के लिए अपना शरीर बेचती हैं।

धीरे-धीरे, महिलाओं ने यौनकर्मियों के रूप में अपने संघर्षों और चिंताओं के बारे में बात करनी शुरू की। उनकी चिकित्सा आवश्यकताओं का आंकलन करने और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें सहायता प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किए गए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि रोटेरियनों ने इन महिलाओं को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के तहत उपलब्ध कुछ सुविधाओं तक पहुंच प्राप्त करने में मदद की जिनके बारे में उन्हें शायद ही कोई जानकारी थी। भरूच जिला प्रशासन का सहयोग प्राप्त होने पर इस *सखी* परियोजना को बहुत बढ़ावा मिला।

रोटेरियनों के साथ दिल खोलकर हुई बातचीत में इस काम को अपनाने के लिए यौनकर्मियों द्वारा बताएं जाने वाले कारणों और सामने आए मुद्दों का उल्लेख करते हुए रिजवाना *रोटरी न्यूज़* को बताती हैं, ''मैंने हमेशा माना है कि प्रत्येक महिला के पास गरिमा और सम्मान के साथ जीने का हक होना चाहिए। लेकिन हमारे आसपास हम ऐसी कई महिलाओं को पाते हैं जो अगर जीविकोपार्जन के लिए भी काम करती हैं तो उनके काम को अपमानजनक या वर्जित माना जाता है। क्या कभी किसी ने यह सोचा है कि वे इस काम को किस मजबूरी में कर रही हैं?''

तो मैंने उनसे पूछा कि उन्हें क्या कारण पता चले। ''हमने पाया कि अनेक महिलाएं देह व्यापार में इसलिए लिप्त हुई क्योंकि उन्हें धोखे से यहाँ लाया गया था या मीठी-मीठी बातें करके इस काम में मानव तस्करी की जाती थी। अन्य अत्यधिक गरीबी के कारण वेश्यालयों में गई; वे अपना घर चलाने, अपने बच्चों का पेट पालने और उनकी स्कूल की फीस भरने के लिए अपना शरीर

बेच रही थी। अन्य प्रवासी थे और उन्हें नहीं पता था कि अब और क्या करें।''

लगभग एक साल तक इस परियोजना पर काम करते हुए रोटेरियनों ने पाया कि यहाँ पर महिलाएं 18 साल की कम उम्र से लेकर कुछ बुजुर्ग भी हैं। उन्होंने यह भी जाना कि विभिन्न प्रकार की मजबूरियां और दायित्व इन महिलाओं को देह व्यापार में धकेल देते हैं लेकिन एक बात तो निश्चित थी। ''वे हमेशा इस डर में रहती हैं कि कौन सा ग्राहक उनके साथ किस तरीके से व्यवहार करेगा। और फिर भी हर दिन वे एक निर्धारित पिक-अप स्पॉट पर खड़ी रहती हैं।''

रिज़वाना याद करती हैं कि जब उन्होंने और उनकी टीम ने पहली बार ''इस परियोजना के लिए महिलाओं से मिलना शुरू किया तो वे शुरू में हमसे बहुत डर गई और हमसे बात करने में भी हिचकिचाती थी लेकिन धीरे-धीरे हमने उनका विश्वास जीत लिया और उन्होंने अपने डर और संकोच को छोड़कर अपनी कहानियाँ, भविष्य को लेकर उनकी चिंता और उनके डर को हमसे साझा करना शुरू किया। कुछ युवतियों ने कहा कि वे पढ़ना चाहती हैं और एक अच्छी नौकरी पाना चाहती हैं लेकिन उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति ऐसी है कि वे अपनी कॉलेज की फीस का भुगतान करने में सक्षम नहीं हैं।''

एक यौन कर्मी ने उन्हें बताया कि जब वे कॉलेज में रहकर अपनी शिक्षा पूरी करने के लिए संघर्ष कर रहे थे, ''हमारे कुछ दोस्तों ने कहा कि ऐसा करके हम अधिक पैसा कमा सकते हैं और हमने सोचा कि क्यों न इसे आजमाया जाए। शुरू में मैंने सोचा कि अगर मैं एक-दो घंटे यह काम करके 500 से 1,000 कमा लेती हूँ तो इस आमदनी में बुराई क्या है। शुरू में मैंने ऐसा ही सोचा था मगर फिर महसूस किया कि यह जीवन यापन करने का सही तरीका नहीं है और मैंने इसे छोड़ने का फैसला किया। उस महिला ने आगे कहा, मैं हर किसी को यह बताना चाहती हूँ कि कोई भी इस पेशे में आसानी से प्रवेश कर सकता है मगर एक बार इसमें आने के बाद बाहर निकलना बहुत कठिन है, अनेक कारण है जिसमें अपनी व्यक्तिगत मजबूरियां भी शामिल होती हैं।''

यौनकर्मियों के साथ इतनी गहरी बातचीत के बाद जो इससे बाहर आने के लिए तैयार थीं, रिज़वाना एवं उनकी टीम और भी दृढ़ हो गए कि उनकी परियोजना से उन महिलाओं के पुनर्वास में मदद मिलेगी जो इस पेशे को छोड़ने के लिए तैयार थीं और उनके लिए सम्मानजनक रोजगार

एक सिलाई कक्षा।

> रोटरी के जादू और सखी के माध्यम से हम आशा पैदा करना चाहते हैं और सभी महिलाओं के लिए सम्मान और गरिमा का जीवन सुनिश्चित करना चाहते हैं, क्योंकि आखिरकार यह हर इंसान का मूल अधिकार है।
>
> रिज़वाना ज़मींदार
> पूर्व अध्यक्ष, रोटरी क्लब भरूच

भी सुनिश्चित किया जाएगा। लेकिन हमने उन्हें अपनी अपेक्षाओं को संयमित रखने के लिए भी कहा और यह भी कहा कि इस काम को छोड़ने के बाद शायद आप कम कमा पाएंगी और शायद आपको अपनी जीवनशैली में कुछ समायोजन करने पड़ सकते है... खाना, पीना, कपड़े पहनना आदि में क्योंकि अब आप जो पैसा कमाएंगी वो पहले जितना नहीं होगा मगर इससे आपको सम्मान और मन की शांति दोनों मिलेगी, उन्होंने आगे कहा।

धीरे-धीरे दोनों समूहों के बीच विश्वास पैदा हुआ और पर्याप्त परामर्श सत्रों के बाद रोटेरियनों ने इन महिलाओं को एक सभ्य जीवन जीने के अनेक विकल्प प्रदान किए और उन्होंने एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में सिलाई को चुना। महिलाओं के एक बैच के लिए एक अच्छी तरह से संरचित सिलाई पाठ्यक्रम की योजना बनाई गई और रोटरी क्लब भरूच नर्मदा नगरी के महिला सशक्तिकरण केंद्र में 10 महिलाओं के एक बैच के लिए प्रथम सिलाई कोर्स के सफल समापन के साथ पहला पड़ाव पार किया गया। प्रशिक्षण सत्र की सफलता का श्रेय क्लब के अध्यक्ष युवराज सिंह और पूर्व अध्यक्ष ध्रुव राजा को जाता है।

लेकिन एक प्रमुख चुनौती सामने थी - महिलाओं के इस प्रशिक्षित बैच हेतु सिलाई मशीनों के लिए धन संचयन। जब उन्होंने सीएसआर निधियन प्राप्त करने की कोशिश की तो रोटेरियनों ने पाया कि जहाँ व्यावसायिक कंपनियों ने इस पहल के महत्व की सराहना की वहीं इन महिलाओं के पुनर्वास के साथ सीधे तौर पर जुड़ना अभी भी कुछ लोगों को सही नहीं लगा। सौभाग्य से रोटरी क्लब चिकली रिवरफ्रंट और अलीपुर सोशल वेलफेयर ट्रस्ट ने सहायक गवर्नर हसन मय्यत और उनसे जुड़े गैर सरकारी संगठनों की मदद से आगे आकर अच्छी गुणवत्ता वाली सिलाई मशीनें प्रदान की, कितनी?? क़ीमत??। उन्होंने सामूहिक रूप से सभी मशीनों को प्रायोजित किया।

अति प्रसन्न रिज़वाना कहती हैं, यह एक महत्वपूर्ण परिवर्तन की शुरुआत है। सखी परियोजना करुणा, दृढ़ता और मौलिक विश्वास की शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है कि प्रत्येक व्यक्ति एक सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर पाने का हकदार है। गरिमा के साथ सशक्तिकरण की उनकी यात्रा शुरू हो चुकी है। जब हमने प्रशिक्षित महिलाओं के प्रथम बैच के चेहरे पर उनकी चमचमाती नई सिलाई मशीनें मिलने की खुशी देखी तो यही हमारा ईनाम था! ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

हरिद्वार में उम्मीद की एक किरण

जयश्री

हरिद्वार में सुधारात्मक सर्जरी शिविर में एक मरीज़ के साथ इंटरप्लास्ट-जर्मनी के डॉक्टरों की एक टीम।

> इस परियोजना ने जलने से घायल 1,000 से अधिक लोगों को नया जीवन दिया है।

रोटरी क्लब रानीपुर, रो ई मंडल 3080 के पूर्व अध्यक्ष राजीव भल्ला ने एक ऐसे कार्यक्रम को लेकर अपनी खुशी और गर्व व्यक्त किया जिसे ''संयोग से शुरू किया गया था और इसने आग से झुलसे 1,000 से अधिक लोगों को नया जीवनदान दिया है।'' 2008 से यह क्लब जलने से बचे लोगों के शारीरिक और मानसिक घावों के इलाज के लिए एक वार्षिक शिविर आयोजित कर रहा है।

''यह सब तब शुरू हुआ जब हमारे पूर्व अध्यक्ष संजीव मेहता ने ऋषिकेश में दर्शनीय स्थलों की यात्रा के दौरान इंटरप्लास्ट-जर्मनी के प्रमुख डॉ हाजो से मुलाकात की।'' उनकी बातचीत में दो संगठनों - रोटरी और इंटरप्लास्ट (एक गैर-लाभकारी संस्था जो विकासशील देशों में प्लास्टिक सर्जरी करती है) के बारे में चर्चा हुई। डॉ. हाजो ने सरकारी प्रक्रियाओं को चुनौतीपूर्ण पाया। ''हमारी अगली क्लब बैठक में हमने सहयोग करने का फैसला किया।'' हरिद्वार के एक सरकारी अस्पताल ने अपना ओपीडी वार्ड और ऑपरेशन थियेटर प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की।

तब से क्लब हर साल दिवाली के बाद 15-दिवसीय शिविर का आयोजन करता है जहाँ इंटरप्लास्ट के 10-12 डॉक्टरों की एक टीम, जिसमें एनेस्थेसियोलॉजिस्ट, ट्रॉमा केयर विशेषज्ञ और प्लास्टिक एवं जनरल सर्जन शामिल हैं, बर्न और एसिड अटैक से बचे लोगों की सुधारात्मक सर्जरी करते हैं। ''प्रत्येक शिविर में लगभग 70-80 लोगों का इलाज किया जाता है, जिनमें से कुछ को गंभीरता के आधार पर कई सर्जरियों और निरीक्षणों की आवश्यकता होती है,'' भल्ला बताते हैं। डॉक्टर प्रति शिविर में 150-200 सर्जरियाँ करते हैं वो भी बिना किसी शुल्क के। ''वे अपने स्वयं के खर्च पर जर्मनी से आते हैं और हम दिल्ली से हरिद्वार तक की उनकी यात्रा एवं उनके आवास का प्रबंध करते हैं,'' वह आगे कहते हैं। मेहता की अध्यक्षता में इस वार्षिक परियोजना के 16वें वर्ष को चिह्नित करते हुए अगला शिविर नवंबर में निर्धारित है।

पहले दो दिनों में चिकित्सा टीम सुधारात्मक सर्जरी के लिए व्यक्तियों की जांच करके उनका चयन करती है, उसके बाद उनका उपचार निर्धारित किया जाता है। स्थानीय डॉक्टर लगभग दो सप्ताह तक ऑपरेशन के बाद की देखभाल प्रदान करते हैं साथ ही जर्मन डॉक्टर आपातकालीन वीडियो परामर्श के लिए उपलब्ध होते हैं। मनोवैज्ञानिक परामर्श भी उपचार का हिस्सा होता है। ''रोटरी एन्स मरीजों की देखभाल करने वालों और जर्मन डॉक्टरों के बीच अनुवादक बनने के साथ ही घाव की देखभाल में मदद करके सहायता करती हैं,'' वह कहते हैं।

इस शिविर के लिए पूरे राज्य और नेपाल, बिहार एवं यूपी से बच्चे और वयस्क अपना नामांकन करवाते हैं। ''शुरुआती वर्षों के दौरान हमने पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से इस शिविर का प्रचार किया लेकिन अब यह इतना प्रसिद्ध है कि लोग इसके आयोजन के बारे में अच्छी तरह से जानते हैं जो अक्टूबर के अंत या नवंबर की शुरुआत में होता

है,'' 1987 में क्लब के अधिकरण के समय से एक तीसरी पीढ़ी के रोटेरियन भल्ला कहते हैं। वह पीडीजी प्रेम भल्ला के बेटे हैं; उनके दादा बनवारी लाल भल्ला रोटरी क्लब हरिद्वार के अधिकृत अध्यक्ष थे और उनकी मां हरिद्वार के इनर व्हील क्लब की अधिकृत अध्यक्ष थीं।

यह सर्जरी शिविर ''मेरे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। यह मुझे गर्मजोशी और सुकून से भर देता है जब मैं सोचता हूँ कि इसने कितनी ज़िंदगियों को बदल दिया है,'' राजीव भल्ला यह याद करते हुए कहते हैं कि इसने एक किशोर के भविष्य को कैसे बचाया। ''अनुभा अपने स्कूल में लड़कों के

एक समूह द्वारा उत्पीड़न की रिपोर्ट करने के बाद एसिड अटैक पीड़िता थी। वह पांच साल से हमारे शिविर में आ रही है। डॉक्टरों ने उसके विकृत चेहरे पर अद्भुत काम किया है उसकी पलकें, कान, नाक और मुंह को नया रूप दिया है। आज अनुभा बहुत अधिक आत्म विश्वासी है और शिक्षक बनने का सपना देखती है।''

एक और सफलता की कहानी सहारनपुर की एक नवविवाहित महिला सपना की है जो खाना बनाते समय आग की दुर्घटना का शिकार हो गई थी। उसकी ठोड़ी और हाथ उसके धड़ से चिपक गए थे और जलने के बाद के संकुचन के कारण उसका चेहरा विकृत हो गया था। ''एक निराश और हताश सपना को उसका पति चार साल पहले इस शिविर में लेकर आया था। डॉक्टरों ने उसके हाथ और ठुड्डी पर सुधारात्मक सर्जरी की। हम खुशी से झूम उठे जब हमने जाना कि उसने गर्भ धारण किया है।''

क्लब अपने 40 रोटेरियनों के साथ इस शिविर की वार्षिक लागत ₹25-30 लाख वहन करता है। इसमें रोगियों और उनके देखभाल करने वालों के लिए परिवहन, आवास, भोजन और अस्पताल की उपभोग्य सामग्रियां शामिल हैं। क्लब उत्तराखंड सरकार से अनुमति और मेडिकल टीम की वीजा औपचारिकताओं सहित गहन तैयारियों को देखता है। ''हम उन्हें अस्थायी रोजगार वीजा देते हैं क्योंकि उन्हें पर्यटक वीजा के साथ काम करने की अनुमति नहीं है। डॉक्टरों को राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के साथ पंजीकरण करना होता है और सालाना अपना प्रत्यय पत्र जमा कराना होता है।''

भल्ला ने कोविड राहत गतिविधियों के लिए क्लब को इंटरप्लास्ट से प्राप्त 17 लाख के योगदान की दिल छू लेने वाली कहानी साझा की। ''मार्च 2020 में जर्मन डॉक्टरों के पास इस वार्षिक शिविर हेतु भारत की अपनी यात्रा के लिए योजना निधि थी। लेकिन जब कोविड आया और यात्रा रोक दी गई तो उन्होंने उदारतापूर्वक कोविड राहत कार्य के लिए हमारे क्लब को अपनी बचत दान कर दी।''

रोटरी क्लब रानीपुर जल्द ही उत्तराखंड में स्तन कैंसर के लिए महिलाओं की जांच हेतु वैश्विक अनुदान के माध्यम से ₹1 करोड़ की मोबाइल मैमोग्राम परियोजना शुरू करेगी।■

XAVIER UNIVERSITY SCHOOL OF MEDICINE AND KLE ANNOUNCE

6 YEARS

PRE-MED TO

DOCTOR OF MEDICINE / DOCTOR OF VETERINARY MEDICINE

PROGRAMME

First 2 years
Start @
KLE, Campus
Karnataka, India

Next 2 years
Continue @
Xavier's Campus
Aruba, Caribbean
island - Netherlands

Next 2 years
Complete @
Xavier's affiliated
Teaching Hospitals
USA / Canada

TO ATTEND

WEBINAR

REGISTER NOW

XUSOM.COM/INDIA/

First 2 years
Start @
KLE, Campus
Karnataka, India

Next 3 years
Continue @
Xavier's Campus
Aruba, Caribbean
island- Netherlands

Final year
Complete @
Xavier's affiliated
Teaching Hospitals
USA / Canada

Limited Seats

Session starts in September 2024

To apply, Visit:
application.xusom.com
email: infoindia@xusom.com

XAVIER STUDENTS ARE ELIGIBLE FOR H1/J1 Visa PROGRAMME

ADVT.

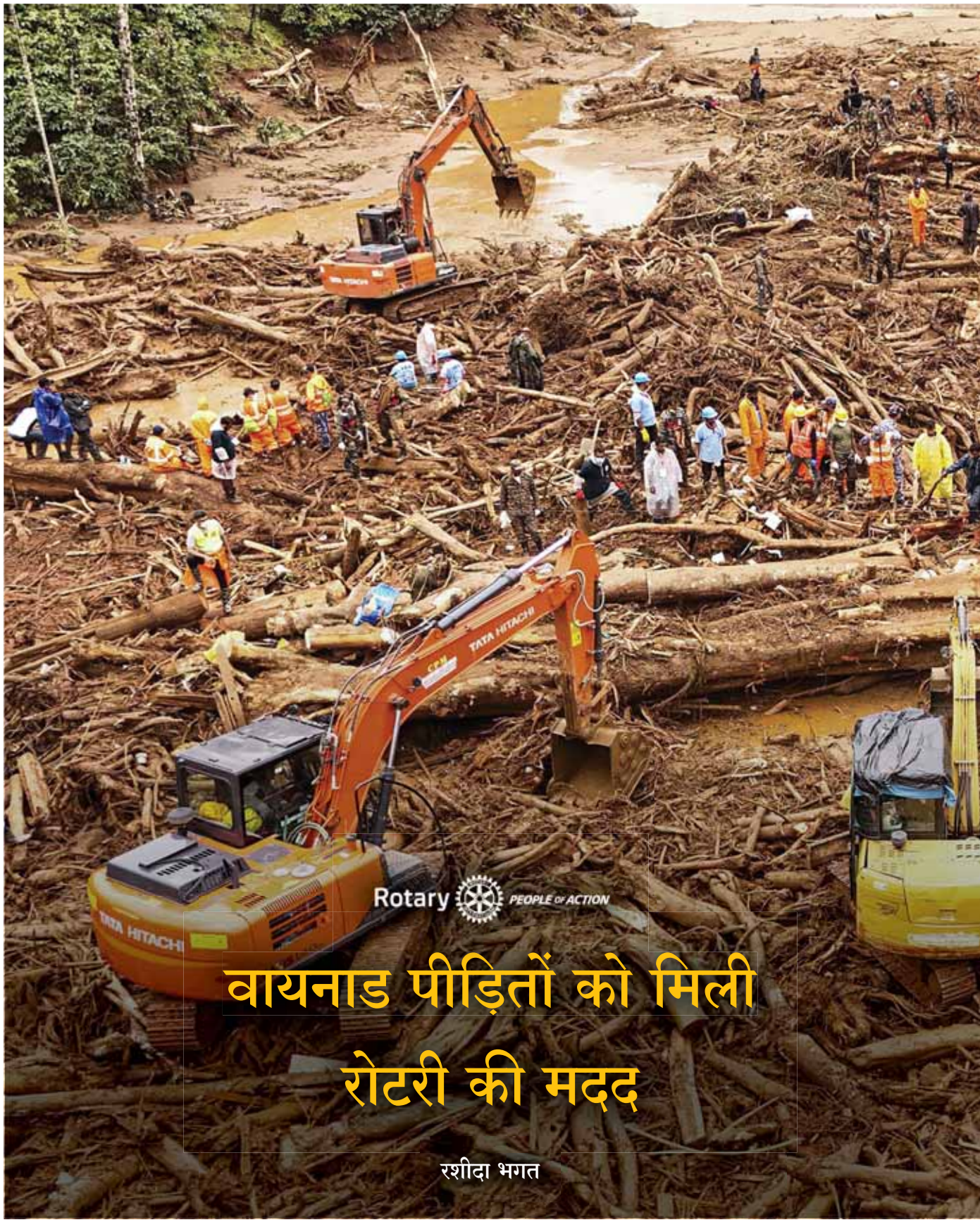

Rotary PEOPLE OF ACTION

वायनाड पीड़ितों को मिली रोटरी की मदद

रशीदा भगत

सौजन्य: PTI

ऊपर: रो ई मंडल 3204 के डी जी संतोष श्रीधर, रोटरी क्लब सुल्तान बाथरी सेंट्रल के नेत्र और ईएनटी शिविर का उद्घाटन करते हुए ।

बाएं: रोटरी क्लब सुल्तान बाथरी सेंट्रल के सदस्यों द्वारा किए जा रहे राहत कार्य।

30 जुलाई को केरल के वायनाड जिले के दो गांव - चूरलमाला और मुंडक्कई - मूसलाधार बारिश से हुए विनाशकारी भूस्खलन की चपेट में आने से रातोंरात तबाह हो गए। लोकप्रिय पर्यटन स्थल वायनाड में ये दोनों गांव विशेष रूप से अपने सुंदर परिदृश्य और झरनों के लिए जाने जाते थे। भगवान के अपने देश के नाम से प्रसिद्द इस स्थल में कुछ हद तक मानव निर्मित यह प्राकृतिक आपदा उस श्रृंखला में से एक है जिसने पिछले कई वर्षों में इस राज्य को प्रभावित किया है। वायनाड त्रासदी 2018 की बाढ़ के बाद से केरल की सबसे बुरी प्राकृतिक आपदा है।

जहाँ इस त्रासदी में 430 से अधिक लोगों की मौत हुई वहीं 130 से अधिक लोग लापता थे और भारतीय सेना, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), अग्नि और बचाव सेवाओं, वन एवं वन्यजीव अधिकारियों और पुलिस द्वारा सैकड़ों स्वयंसेवकों के साथ संयुक्त रूप से संभावित जीवित लोगों को खोजने के लिए बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया गया। आसपास के वन क्षेत्रों और कीचड़दार स्थानों में फंसे सैकड़ों लोगों को बचाया गया और 10,000 से अधिक लोगों

यह समीपवर्ती क्षेत्र, रो ई मंडल 3204, शेष केरल और अन्य राज्य के रोटेरियनों के लिए प्रतिक्रिया देने का समय था। यह एक अभूतपूर्व स्तर की त्रासदी थी; मानव शरीर और उनके अंग आपदा स्थल से लगभग 25-30 किमी दूर चलियार नदी में बह गए। इस दु:स्वप्न में सैकड़ों लोगों का सामान, उनकी बचत और पूरा घर उनके सपनों के

साथ दफन हो गया, वायनाड के पांच क्लबों में से एक, रोटरी क्लब सुल्तान बाथरी के सदस्य के पी रवींद्रनाथ कहते हैं।

अनेक भूस्खलनों से 1,555 घर, 209 दुकानें, दो स्कूल, तीन पुल बह गए, 136 सामुदायिक भवन क्षतिग्रस्त हो गए और 626 हेक्टेयर कृषि भूमि बर्बाद हो गई। केरल सरकार के अनुसार यह केरल के इतिहास में अब तक का सबसे भयंकर भूस्खलन था जिसमें लगभग ₹1,200 करोड़ का वित्तीय नुकसान होने का अनुमान है।

लेकिन ये संख्या चाहे कितनी भी गंभीर क्यों न हो मगर ये उन लोगों के सदमे, दुख, पीड़ा और दर्द से बड़ी नहीं हो सकती जिन्होंने केवल अपने पास मौजूद हर भौतिक चीज को ही नहीं खोया बल्कि अपने अनेक प्रियजनों को भी खो दिया। मलयालम चैनलों ने वन और पुलिस कर्मियों सहित फर्स्ट रिस्पांस टीमों के कई वीडियो दिखाए जो अपने आवास से भटके हाथियों से चिंतित स्थानीय निवासियों के फोन आने के बाद ग्राउंड जीरो पर पहुंचे थे। जानवर हमेशा बेहतर जानते हैं, है ना?

मीडिया द्वारा साक्षात्कार में इन टीमों के सदस्यों ने कहा कि वे उस स्थान पर देखी गई त्रासदी की भयावहता और उसके परिमाण को कभी नहीं भूलेंगे जहाँ वे पहले ही पहुँच चुके थे। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों में से एक ने कहा कि उनके दिमाग में लंबे समय तक लोगों की चीखें गूँजती रहेगी क्योंकि बड़े-बड़े पत्थर, पेड़ और पानी बहुत बड़ी मात्रा में एकाएक नीचे गिरकर सब कुछ बहा ले जा रहे थे। उन्होंने स्वीकार किया कि वे जो कर सकते थे उन्होंने वो किया लेकिन अधिकांश हिस्सों में उन्हें असहाय रूप से अनेक लोगों को कीचड़, बड़ी-बड़ी चट्टानों और पेड़ों के हिमस्खलन की वजह से बहते हुए देखना पड़ा।

इस इलाके की कुछ दुकानों से प्राप्त सीसीटीवी फुटेज में वायनाड के लाखों घरों के लोगों द्वारा झेली गई इस भयानक आपदा की भयावहता और तीव्रता की झलक देखी जा सकती है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि कैसे बाढ़ का पानी बंद दुकानों में घुस रहा है और पलक झपकते ही शटर और कंक्रीट की दीवारें ध्वस्त हो गई। इस आपदा में पूरी तरह से तबाह हुई एक बस्ती, चूरलमाला की दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों से प्राप्त फुटेज को मलयालम चैनलों द्वारा प्रसारित किया गया जिनके दृश्य मानवीय कल्पना से परे थे। बड़े-बड़े पत्थर, पेड़, जानवरों के शव... इन सभी को पानी के तेज बहाव की वजह से इन दुकानों में घुसते देखा गया।

भूस्खलन की उत्पत्ति

द हिंदू की एक रिपोर्ट ने मुंडक्कई क्षेत्र के पास, पुंचिरिमट्टम की ऊपरी घाटी में भूस्खलन की उत्पत्ति की पहचान की है। रिपोर्ट में कहा गया है, इसरो के नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी) द्वारा जारी उपग्रह इमेजरी के अनुसार, भूस्खलन का ताज़ या उसकी उत्पत्ति समुद्र तल से 1,550 मीटर ऊपर है और मुख्य प्रपात का अनुमानित आकार 86,000 वर्ग मीटर है - जो लगभग 12 फुटबॉल मैदानों के बराबर है।

एनआरएससी की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस क्षेत्र में मूसलाधार बारिश के कारण बड़े पैमाने पर मलबा बहने लगा जिससे भूस्खलन तेज हो गया। तबाही इतनी भयंकर थी कि पूरे के पूरे गांव बह गए थे। आपदा के बाद के अन्य अध्ययनों में भी मानवीय गतिविधियों को इतने तीव्र भूस्खलन के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार पाया गया। और इसके साथ इतनी अत्यधिक एवं लगातार हो रही बारिश के चलते तो आपदा आनी ही थी। भूस्खलन 30 जुलाई को हुआ लेकिन जून के अंत से ही इस क्षेत्र में रुक-रुककर लगभग लगातार बारिश हो रही थी।

मौसम विभाग ने उल्लेख किया कि इस बड़े पैमाने पर हुए भूस्खलन से कुछ दिन पहले मुंडक्कई में 48 घंटों में 572 मिमी बारिश हुई जिसमें से पहले 24 घंटों में 200 मिमी और अगले 24 घंटों में 372 मिमी की प्रचंड वर्षा दर्ज की गई।■

> वायनाड में 5 रोटरी क्लबों ने दवाइयां, चादरें, तिरपाल आदि जैसी राहत सामग्री प्रदान की। रो ई मंडल 3204 के डी जी संतोष श्रीधर ने पुनर्वास के लिए रोटरी की ओर से ₹2 करोड़ की मदद का वादा किया है।

रवींद्रनाथ आगे कहते हैं कि वायनाड को अक्सर केरल के कश्मीर या हरे-भरे स्वर्ग के रूप में जाना जाता है क्योंकि यह शानदार झरनों, नदियों, गुफाओं, खूबसूरत नीले पहाड़ों, हरी-भरी घाटियों और वन्य जीवन से संपन्न है। पूरे वर्ष सामान्य जलवायु के साथ यह स्थल पर्यटकों के लिए स्वर्ग की तरह है। अनुमान है कि वायनाड में 2,131 वर्ग किलोमीटर के दायरे में 5,000 से अधिक टूरिस्ट रिसॉर्ट और होमस्टे के अलावा कई होटल और भोजनालय हैं।

इस क्षेत्र में मानसून के मौसम (जुलाई से सितंबर) के दौरान भारी वर्षा होती है और यहाँ पारिस्थितिक रूप से अनेक संवेदनशील क्षेत्र हैं, विशेष रूप से घाटों का पूर्वी हिस्सा जो भूस्खलन के लिए प्रवण हैं। हर साल मानसून के दौरान इन क्षेत्रों में रहने वाले लोग लगातार भय में रहते हैं। अगस्त 2019 में मेप्पदी के पास एक चाय बागान का गांव पुथुमाला एक भयानक भूस्खलन से तबाह हो गया था। इस साल भी भारी बारिश के चलते कुछ परिवारों को कुछ दिन पहले ही सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करना पड़ा, वह आगे कहते हैं।

मुंडक्कई और चूरलमाला दोनों ही उत्तरी केरल के मेप्पदी पंचायत में स्थित छोटे-छोटे सुंदर गांव हैं जो अपने पहाड़ी इलाके और कृषि भूमि के लिए जाने जाते हैं। उनमें किसानी परिवार रहते हैं जिनमें से अधिकांश लोग चाय बागानों में काम करते हैं। आम फसलों में कॉफी, चाय, काली मिर्च और विभिन्न मसाले शामिल हैं।

इस साल जुलाई से वायनाड में लगातार बारिश हो रही है और मेप्पदी के पास स्थित एक गाँव मुंडक्कई - एक चाय बागान शहर - में 48 घंटों में 572 मिमी बारिश हुई जिस वजह से यह दुर्भाग्यपूर्ण दिन आया। 30 जुलाई के शुरुआती घंटों में मुंडक्कई और चूरलमाला गांवों में तीन भयानक और विनाशकारी भूस्खलन हुए जिससे पूरा गांव नष्ट हो गया, घरों एवं इमारतों के साथ-साथ यहाँ के निवासी भी कीचड़ में दबकर रह गए। इस हादसे में जीवित बचे एक व्यक्ति ने बताया, पूरे दिन बारिश हो रही थी, हम डरे हुए थे मगर हम यहाँ कई सालों से रह रहे हैं इसलिए हमने सोचा कि कुछ भी असामान्य नहीं होगा। लेकिन आधी रात में हमने एक विस्फोट की आवाज़ सुनी और कुछ ही मिनटों के भीतर हमारे घर में पानी के साथ-साथ कीचड़ आना शुरू हो गया। सौभाग्य से, हम तुरंत एक सुरक्षित स्थान पर चले गए। जल्द ही पूरा घर कीचड़ और पानी में डूब गया।

एक बार जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय स्वयंसेवकों, पुलिस, केरल की अग्नि और बचाव सेवा की मदद से राहत कार्य शुरू किया गया और बाद में भारतीय सेना, वायनाड के सभी पांच क्लबों - रोटरी कलपेट्टा, कबानी वैली मनंथवाड़ी, पेपर टाउन पुलपल्ली, सुल्तान बाथरी सेंट्रल और सुल्तान बाथरी - के रोटेरियन राहत शिविरों में पहुंचे और आवश्यक राहत सामग्री प्रदान की क्योंकि आपदा स्थल पर प्रवेश प्रतिबंधित था। सभी पांच रोटरी क्लबों की एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई और यह निर्णय लिया गया कि रोटरी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान जो करती है वही करेगी: तत्काल और दीर्घकालिक राहत प्रदान करना।

इन क्लबों द्वारा किए गए कार्यों का विवरण देते हुए रोटरी क्लब सुल्तान बथेरी सेंट्रल के सचिव टी जयचंद्रन ने कहा कि रोटरी क्लब नीलांबुर और मुक्कम के सदस्य कड़ी मेहनत के लिए तैयार थे और उन्होंने चलियार नदी से शवों को निकालकर उन्हें लपेटने में सहायता प्रदान की और उन्हें वायनाड पहुंचाया। रोटरी सुल्तान बाथरी सेंट्रल ने अगस्त के पहले सप्ताह में लगातार दो दिन मेप्पदी के राहत शिविर में बचे हुए लोगों के लिए नेत्र एवं ईएनटी शिविर आयोजित किया। 170 से अधिक लोगों की जाँच की गई और 140 चश्में वितरित किए गए। रो ई मंडल 3204 के डीजी संतोष श्रीधर ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की जिसमें दवाएं भी वितरित की गईं। डीजीई बिजोश मैनुअल ने दोनों दिन इस शिविर का दौरा किया।

रोटरी क्लब सुल्तान बाथरी सेंट्रल के सदस्य मेप्पाडी गांव में आपदा राहत शिविर का दौरा करने के लिए तैयार।

वायनाड के सभी क्लबों ने राहत शिविरों में दस्ताने, मास्क, दवाएं, चादर, तिरपाल, सैनिटरी नैपकिन, बाल्टी आदि जैसी आवश्यक राहत सामग्री तुरंत प्रदान की। रोटरी कलपेट्टा ने रोटरी मंजेरी एवं साइबर सिटी और आरएमबी, कोझीकोड के साथ मिलकर राहत शिविरों में अत्यावश्यक बायो टॉयलेट और पोर्टेबल टॉयलेट प्रदान किए।

एक रोटेरियन होने के नाते अधिकारियों से घटना स्थल पर जाने की अनुमति प्राप्त करने में मैं कामयाब रहा। लगभग 5,000 स्वयंसेवक तब भी कीचड़ हटाने और मानव शवों एवं उनके सामान को बरामद करने के लिए काम कर रहे थे। एक घोर सन्नाटा छाया हुआ था और सभी लोग सदमे में थे क्योंकि कोई भी बात नहीं कर रहा था। चेहरे जमे हुए थे, और उनमें से कुछ अपने लापता लोगों को खोजने की बेकार उम्मीद लगाये हुए थे, अगर जीवित नहीं हैं, तो कम से कम उनके शव प्राप्त करने के लिए, रोटरी क्लब मंजेरी के पूर्व अध्यक्ष भरत दास कहते हैं।

दो खूबसूरत बस्तियां - वेल्लारीमाला और चूरालमाला - नदी और कीचड़ से अलग हो गए थे क्योंकि पुल ढहकर पानी में बह गया था। सैन्य बलों ने दोनों स्थानों को जोड़ने के लिए एक बेली ब्रिज का निर्माण किया। राहत सामग्री और आवश्यक सामान, जैसे पानी, स्वच्छता सामग्री, सब्जियां, कपड़े आदि मेप्पादी पहुँचने लगे। कुछ ही समय में सभी गोदाम भर गए और परामर्श केंद्र काम करने लगे।

> “इस क्षेत्र में मानसून के मौसम में भारी बारिश होती है और इसमें कई पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र हैं, खासकर घाटों के पूर्वी हिस्से में, जो भूस्खलन के लिए प्रवण हैं

Appeal to donate

Merchant Name : M/s The Rotary Kalpetta Charitable Trust - Wayanad Disaster Relief Fund

Mobile Number : 9495318552

Steps to Pay UPI QR Code:
Open UPI app > Select ‘Tap to Pay’ > Scan QR Code > Enter Amount

रोटरी क्लब मंजेरी तुरंत हरकत में आया। रोटेरियनों की एक टीम नीलांबुर गई, जहां शवों को बरामद किया गया, और दिन-रात काम करने वाले स्वयंसेवकों को पानी, बिस्कुट और फलों के रस जैसी आवश्यक वस्तुएं दी गईं। इस परियोजना को क्लब के सदस्य खालिद पुथुसरी द्वारा प्रायोजित किया गया था। उन्होंने कहा, यह हमारे संज्ञान में लाया गया था कि पुनर्वास केंद्रों में जैव शौचालयों की आवश्यकता है। हमने दो जैव शौचालयों को कलपेट्टा के एसकेएमजे स्कूल में पहुँचाया, जहाँ अधिकांश लोगों को रखा गया है।

हमारे क्लब के सदस्यों ने जिला कलेक्टर मेघाश्री से मुलाकात की और 150 लोगों को एलपीजी रसोई गैस कनेक्शन प्रदान करने के साथ-साथ दो बर्नर वाला एक स्टोव प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई। लगभग 10 लाख की परियोजना लागत क्लब के एक रोटेरियन सी अब्दुल करीम द्वारा प्रायोजित की गई थी, जो कोंडोट्टी में इंडियन ऑयल के एक गैस डीलर हैं।

डीजी श्रीधर ने पीडीजी वी जी नयनार, डीजीई बिजोश मैनुअल, अन्य मंडल अधिकारियों और पांच वायनाड क्लबों के अध्यक्षों के साथ बाद में आपदा क्षेत्र का दौरा किया और केरल के मंत्रियों - राजस्व मंत्री के राजन, वन मंत्री ए के शर्शीद्रन, पीडब्ल्यूडी मंत्री पी ए मोहम्मद रियास और एससी/एसटी कल्याण मंत्री ओ आर केलू के साथ एक बैठक कीळप - जो राहत कार्यों की देखरेख कर रहे है और उन्होंने राहत एवं पुनर्वास कार्यों के लिए रोटरी को लगभग **₹2 करोड़** की सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने जिला कलेक्टर मेघाश्री से भी मुलाकात की जिन्होंने आपदा पीड़ितों के लिए रोटरी द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की।

अन्य रोटरी क्लबों और संगठनों में जिन्होंने मदद की उनमें रोटरी नगररकोइल (रो ई मंडल 3212) और रोटरी तिरुपुर कुमारन (रो ई मंडल 3203) शामिल हैं, जिन्होंने कपड़े एवं अन्य आवश्यक वस्तुएं प्रदान की। रोटरी पुनालूर रिवरसाइड (रो ई मंडल 3211) ने एंजाइम-आधारित सफाई सामग्री प्रदान की और रोटरी मंजेरी ने पीड़ितों को 150 एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने का वादा किया; रोटरी बॉम्बे, इंडिया ह्यूमैनिटी फाउंडेशन और रोटरी कलकत्ता महानगर से 150 शेल्टर किटें प्राप्त हुई जिन्हें वितरित किया गया, डीजी श्रीधर ने कहा।

उन्होंने आगे कहा, रोटरी कलपेट्टा चैरिटेबल ट्रस्ट - वायनाड डिजास्टर रिलीफ फंड के नाम से आईसीआईसीआई बैंक, कलपेट्टा शाखा में एक बैंक खाता खोला गया है। ताकि इन पीड़ितों के पुनर्वास के लिए धन संचित किया जा सके और उसका आईएफएससी: ICIC0000757 एवं खाता संख्या 075705002020 है। मैं सभी क्लबों और परोपकारी व्यक्तियों से इस फंड में दान करने की अपील करता हूँ ताकि हमें राज्य प्रशासन से किए गए वादे को पूरा करने में मदद मिल सकें।

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

नए दोस्त, पुराने दोस्त

इस पत्रिका ने पेरिस में 1953 के सम्मेलन को दोस्ती में एक रोमांचक साहसिक कार्य का नाम दिया। यह वर्णन पहले और बाद की हर परंपरा पर फिट बैठता है। कैलगरी में 21-25 जून को होने वाले रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, पुरानी मित्रता को नवीनीकृत करने और अजनबियों के बीच तत्काल मित्र खोजने के अपने अवसर का पूरे दिल से लाभ उठाएं, जैसा कि एक रोटरेक्टर ने कहा है। वे मित्रता उन शीर्ष कारणों में से एक है जो सदस्य सम्मेलन में जाने के लिए देते हैं।

सम्मेलन मित्रों पर पिछले कुछ वर्षों के कुछ विचारों पर विचार करें:

''सम्मेलन में किसी से बात करने के लिए आपको किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है, इसलिए आगे बढ़ें और नए दोस्त बनाएं।''

''एक नया सबसे अच्छा दोस्त आपके आगमन का इंतजार कर रहा है, और मैं इसका वादा कर सकता हूं क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में मेरे साथ अक्सर ऐसा हुआ है।''

''रोटरी कन्वेंशन के अलावा आप ब्राज़ील, ताइवान और केन्या से और कहाँ नए दोस्त बना सकते हैं?''

इन दिनों कौन मित्र का उपयोग नहीं कर सकता, जब वयस्क कम घनिष्ठ मित्रों और अधिक अकेलेपन की रिपोर्ट करते हैं? रोटरी सदस्यों को एक-दूसरे के मानसिक कल्याण का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करती है, लेकिन 1914 में भी, एक पत्रिका के लेख में कहा गया था कि मूल्यवान सम्मेलन मित्र जीवन की कठिन राह को आसान बनाते हैं।

मूल रूप से, रोटरी के अच्छे कार्य नई या पुरानी मित्रता से निकलते हैं। संस्थापक पॉल हैरिस जब रोटरी शुरू कर रहे थे तो उन्हें सिर्फ परिचितों की ही नहीं बल्कि सच्चे दोस्तों की भी तलाश थी। पूर्व राष्ट्रपति फ्रैंक डेवलिन ने 2001 में सैन एंटोनियो में एक सम्मेलन भाषण में इस विषय को संबोधित किया था: ''हम नए दोस्त बनाते हैं क्योंकि यही हमारे हर काम का आधार है।'' आप उन लोगों को कनाडा के सम्मेलन में पाएंगे। वर्षों बाद, एक अच्छा मौका होगा जब आप अभी भी जुड़े रहेंगे।

अधिक जानें और
convention.rotary.org
पर रजिस्टर करें।

रो ई सम्मलेन में अपने विचार साझा करके लोगों को प्रेरित करें

क्या आपके पास कोई ऐसा विचार या परियोजना है जिसके बारे में आप इतने बड़े रोटरी समुदाय को बताना चाहते हैं? रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में ब्रेकआउट सत्र प्रतिभागियों को प्रेरित कर सकते हैं, उन्हें अपने नेतृत्व कौशल को निखारने में मदद कर सकते हैं और उन्हें सदस्यता, परियोजनाओं, धन संचयन आदि को और अधिक मजबूत करने के लिए नवीन विचार दे सकते हैं!

रोटरी की विविधता का जश्न मनाने के लिए एक ब्रेकआउट कार्यक्रम विकसित करने में हमारी मदद करें! आप **12 अगस्त से शुरू होकर 14 अक्टूबर** तक चलने वाले सत्र के लिए अपने प्रस्ताव जमा कर सकते हैं। अपने विचार को प्रस्तावित करने के लिए *convention.rotary.org* के ब्रेकआउट सत्र पृष्ठ पर जाएं।

यदि आपके कोई प्रश्न हैं तो *convention breakouts@rotary.org* पर लिखें।

Rotary
RID-3212

THE MAGIC OF ROTARY

T3

ROTARY CLUB OF SIVAKASI SPARKLER
ROTARY CLUB OF SIVAKASI DIAMONDS
ROTARY CLUB OF SENGOTTAI

MULTI DISTRICT

RYLA

ROTARY YOUTH LEADERSHIP AWARDS

Registration Fees 500/-

First 60 Registration only

(First Come First Serve Basis)

Together Towards Tomorrow

Rtn.Major Donor. PAG.A.Raveendran
District Ryla Chairman - 3212 .

27,28,29th SEPTEMBER 2024

K.R. Tiger Resorts, Courtallam.

Rotary Club Of Sivakasi Sparkler
Rtn. MPHF. S.Shivaprakasham
PRESIDENT
Rtn. PHF. S.K.B Kumaresan
SECRETARY
Rtn. MPHF. Aadharsh Hemanth
PROJECT CHAIRMAN
Rtn. Major Donor. N.S. Velayutham
Assistant Governor Zone 10

Rotary Club Of Sivakasi Diamonds
Rtn. S. Anitha
PRESIDENT
Rtn. PHF. M. Jothi Lakshmi
SECRETARY
Rtn. PHF. N. Kanchana Devi
PROJECT CHAIRMAN
Rtn. MPHF. A. Vijayakumar
Assistant Governor Zone 8

Rotary Club Of Sengottai
Rtn. K.M.P. Abu Annavi
PRESIDENT
Rtn. G. Thenrajan
SECRETARY
Rtn. M.S. Saravanan
PROJECT CHAIRMAN
Rtn. PHF. E. Paulraj
Assistant Governor Zone 14

For Details Contact:

Rtn. PAG. R. UMA MAHESHWARAN, 98947 27599

ADVT.

Rotary PEOPLE OF ACTION

स्तन कैंसर की जांच के लिए एआई उपकरणों का उपयोग

रशीदा भगत

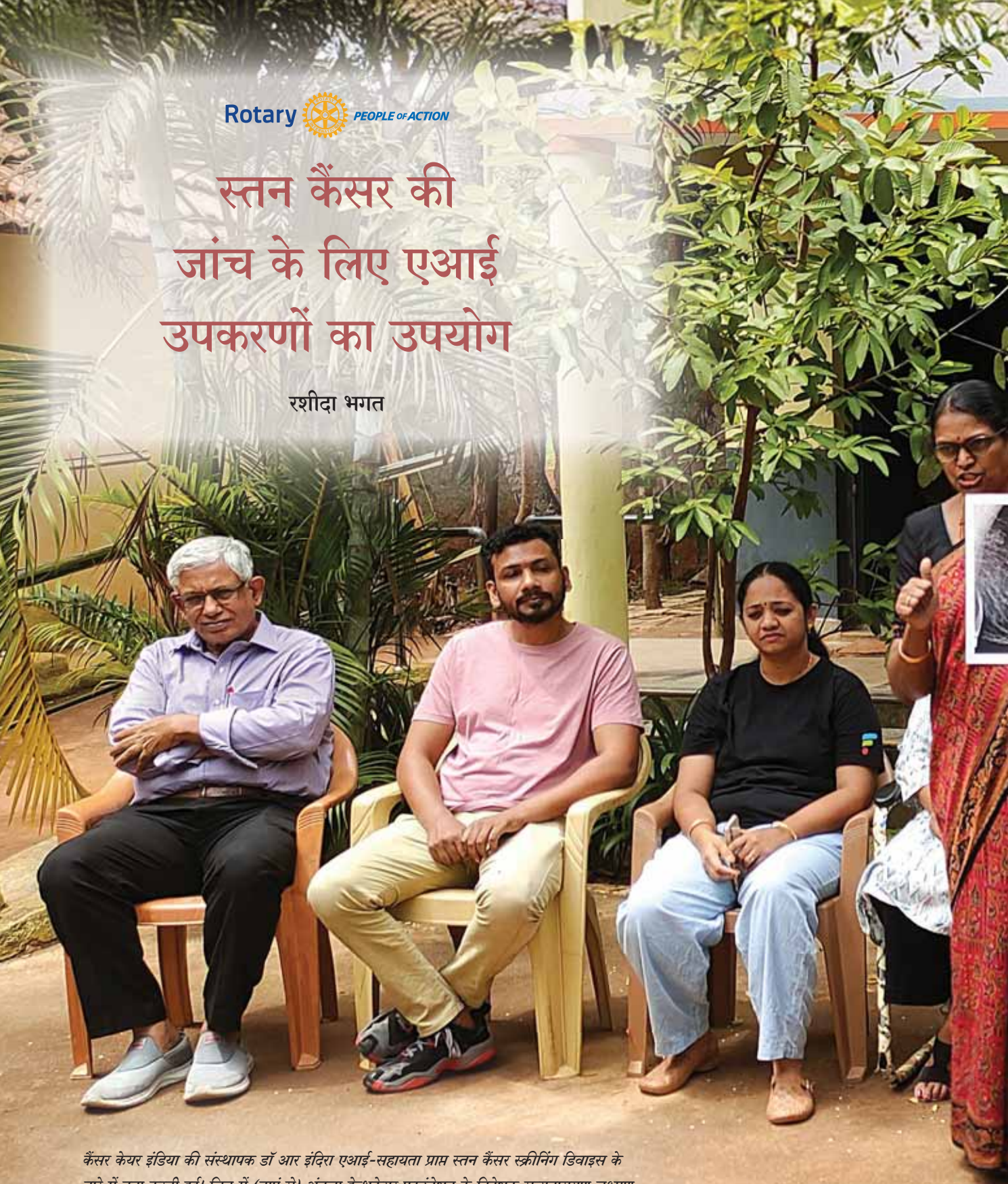

कैंसर केयर इंडिया की संस्थापक डॉ आर इंदिरा एआई-सहायता प्राप्त स्तन कैंसर स्क्रीनिंग डिवाइस के बारे में बता करती हुई। चित्र में (बाएं से) अंबुजा हेल्थकेयर फाउंडेशन के निदेशक सत्यनारायण लक्ष्मण, रोटेरियन अज़हर खान, आईटीसी फिल्ट्रोना से कलावती और अंजनाद्री चैरिटेबल ट्रस्ट, डोड्डाबल्लापुरा से केशव मूर्ति भी शामिल हैं।

जैसे ही मैं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस - (एआई) से प्रेरित तकनीक के बारे में उद्योगपति आनंद महिंद्रा के एक ट्वीट को पढ़ रहा था, जो स्तन कैंसर के विकसित होने के कुछ पांच साल पहले ही उसका पता लगा सकता है, उन्होंने लिखा कि यदि यह सटीक है तो एआई हमारे लिए हमारी कल्पना से काफी अधिक मूल्यवान होने जा रही है और जितना हमने सोचा था उससे बहुत पहले, तब ही रोटरी क्लब बैंगलोर लेकसाइड (रो ई मंडल 3191) से आश्चर्यजनक रूप से समान पहल के बारे में ही एक ईमेल आया।

इसमें इस रोटरी क्लब, कैंसर केयर इंडिया, अंबुजा हेल्थकेयर फाउंडेशन और आईटीसी फिल्ट्रोना के बीच थर्मालिटिक्स नामक एक नवीन स्तन कैंसर एआई-एडेड जांच समाधान का उपयोग करने के सहयोगात्मक प्रयास का विवरण था, जिसे बैंगलोर स्थित निरामई हेल्थ एनालिटिक्स द्वारा चिकित्सा शिविरों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं की जांच के लिए विकसित किया गया है। नोट के अनुसार, ''इस उपकरण का लाभ यह है कि यह अपेक्षाकृत कम लागत वाला, सटीक, पोर्टेबल है और रोगी की गोपनीयता की रक्षा करता है।''

स्तन कैंसर महिलाओं की मृत्यु का प्रमुख कारण

उपयोग में आसान और अपेक्षाकृत कम लागत वाले इस कैंसर जांच उपकरण को विकसित करने का श्रेय बेंगलुरु स्थित निरामई हेल्थ एनालिटिक्स की संस्थापक और सीईओ डॉ गीता मंजूनाथ को जाता है। सितंबर 2023 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने स्वयं को एआई में पीएचडी के साथ एक कंप्यूटर वैज्ञानिक बताया जो अब एक सामाजिक उद्यमी बन गई हैं। ''हमने एआई और विकिरण मुक्त थर्मल स्कैन का उपयोग करके स्तन कैंसर का पता लगाने का एक नया तरीका ढूंढा है। स्तन कैंसर आज महिलाओं में सबसे बड़ा कैंसर हत्यारा है क्योंकि 159 देशों की महिलाओं में सबसे अधिक यही कैंसर पाया जाता है और बाकियों में दूसरा सबसे बड़ा कैंसर है। भारत और अन्य विकासशील देशों में इस कैंसर के कारण हर साल 680,000 से अधिक महिलाओं की मौत होती हैं, जहाँ स्तन कैंसर की मृत्यु दर 50 प्रतिशत है जिसका अर्थ है कि स्तन कैंसर से पीड़ित हर दूसरी

निरामई हेल्थ एनालिटिक्स की संस्थापक और सीईओ डॉ गीता मंजूनाथ।

क्लब ने लगभग ₹12 लाख की सीएसआर निधि के माध्यम से इस कैंसर देखभाल कार्यक्रम को शुरू किया जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित होने वाले विभिन्न शिविरों में लगभग 1,000 महिलाओं की जांच हो सकेगी। ''इस उपकरण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह पोर्टेबल है और संचालित करने में सरल है ताकि न केवल चिकित्सा सहायक बल्कि अन्य तकनीशियनों को भी इसका उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया जा सके। दूसरा लाभ यह है कि एक महिला की पूर्ण गोपनीयता रहती है; उसे अपने कपड़े उतारने की ज़रूरत नहीं पड़ती और जांच के दौरान उसे कोई छूता भी नहीं है,'' क्लब के पूर्व अध्यक्ष और मंडल सीएसआर निदेशक काशीनाथ प्रभु कहते हैं, जो इस परियोजना की देखरेख कर रहे हैं।

सीएसआर निधियन प्रदान करने के लिए अपने साझेदार आईटीसी फिल्ट्रोना को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि क्लब ने ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की जांच करने के लिए इस उपकरण का उपयोग करने का फैसला किया है क्योंकि इसे ऐसे किसी भी स्थान पर संचालित किया जा सकता है जहाँ बिजली उपलब्ध हो और स्मार्ट फोन काम करते हैं। ''यह कंप्यूटर एडेड डायग्नोस्टिक इंजन एआई द्वारा संचालित है; यह साधन विश्वसनीय, प्रारंभिक और सटीक स्तन कैंसर जांच के लिए थर्मल छवियों का विश्लेषण करने हेतु एक उच्च-रिज़ॉल्यूशन थर्मल सेंसिंग डिवाइस और क्लाउड होस्टेड विश्लेषण समाधान का उपयोग करता है।''

मंडल सीएसआर निदेशक काशीनाथ प्रभु (बाएं से चौथे), लक्ष्मण, अज़हर, कलावती, क्लब अध्यक्ष अभिलाषा पंडित और डॉ इंदिरा, स्वास्थ्य और आशा कार्यकर्ताओं के साथ।

महिला की मौत हो रही है। जो बड़े ही अफ़सोस की बात है क्योंकि यह पूरी तरह से इलाज योग्य है और किसी को भी इससे मरने की आवश्यकता नहीं है।''

डॉ गीता ने संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधियों को समझाया कि इस उच्च मृत्यु दर का कारण है इसका पता लगने में होने वाली देरी। ''भारत जैसे देशों में हम मैमोग्राफी, अल्ट्रा साउंड आदि जैसी तकनीकों के साथ व्यापक जांच और पहचान प्रदान करने में असमर्थ हैं क्योंकि इमेजिंग करने के लिए आवश्यक लागत एवं कौशल और इन छवियों की व्याख्या करने वाले विशेषज्ञों की कमी है। आज स्तन कैंसर के लिए हमारी जनसंख्या की जांच करने का मानक तरीका हस्त परीक्षण है। इस तरह की जांच से केवल 2 या 3 सेंटीमीटर की गांठ का पता लगाया जा सकता है और तब तक बहुत देर हो चुकी होती है क्योंकि कैंसर पहले ही स्टेज 2 या 3 तक पहुंच चुका होता है और इसका नतीजा 50 फीसदी मृत्यु दर है।''

इन तकनीकतंत्री ने एकत्रित नेताओं को बताया कि यह एक वैश्विक समस्या है इसलिए इसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता है और उन्हें अपनी प्रयोगशाला में विकसित नई एआई-एडेड तकनीक के बारे में जानकारी दी, जिसकी लागत (पारंपरिक जांच विधियों की तुलना में) कम होती है और इसे संचालित करने में न्यूनतम कौशल की आवश्यकता होती है। ''यह डिवाइस पोर्टेबल है इसलिए इसे इस खतरनाक बीमारी के लिए महिलाओं की जांच करने हेतु दूरदराज के क्षेत्रों में ले जाया जा सकता है ताकि इस बीमारी का जल्दी एवं शून्य चरण पर ही पता लगाया जा सके। यह परीक्षण विकिरण मुक्त है और इसे पूरी गोपनीयता के साथ किया जाता है जहाँ पर कोई भी न महिला को देखता है न ही उसे छूता है जब उसने कोई भी कपड़े न पहने हुए हो।''

डॉ गीता ने कहा कि उनके डिवाइस द्वारा की गई जांच चिकित्सकीय रूप से मान्य है और इसे कई देशों में किया गया है ''जिसके उत्कृष्ट परिणाम देखने को मिले और इससे 120,000 से अधिक महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। यह सिर्फ एक उदाहरण है कि कैसे एआई का उपयोग करने वाले नवाचार, समाज को लाभ पहुंचा सकते हैं। इस मंच पर मैं सभी देशों के मंत्रियों, नीति निर्माताओं और प्रतिनिधियों से आग्रह करती हूँ कि वे कैंसर की जांच और समय से पहले कैंसर, विशेषकर स्तन कैंसर का पता लगाने के लिए एक देशव्यापी नीति तैयार करने पर विचार करें क्योंकि यह महिलाओं में सबसे ज्यादा जानलेवा कैंसर है। आखिरकार महिलाएं परिवार का केंद्र बिन्दु होती हैं और जब महिला बीमार होती है तो पूरा परिवार उथल-पुथल में होता है और यदि वह स्वस्थ होती है तो परिवार खुश रहता है। मैं आपसे अधिक महिला उद्यमियों का समर्थन करने का भी आग्रह करती हूँ,'' उन्होंने समापन करते हुए कहा।

उद्घाटन जांच शिविर 27 जुलाई को कर्नाटक के बैंगलोर ग्रामीण जिले के डोड्डाबालापुरा के एक सरकारी स्कूल में आयोजित किया गया था। यहाँ साझेदारों की मदद से, जिसमें जांच के लिए महिलाओं की पहचान करने में मदद करने वाला एक स्थानीय गैर सरकारी संगठन, पीएचसी आशा कार्यकर्ता, उसके कॉर्पोरेट साझेदार और कैंसर केयर इंडिया के संस्थापक डॉ आर इंदिरा भी शामिल है जिन्होंने इस जांच की प्रक्रिया को समझाया और इस तरह पहचानी गई महिलाओं की जांच की गई।

क्लब की अध्यक्ष अभिलाषा पंडित ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य गरीब और पिछड़े परिवारों की ग्रामीण महिलाओं के लिए कैंसर जागरूकता एवं जांच शिविरों की एक श्रृंखला आयोजित करना है। ये शिविर गांव के सामुदायिक केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों या सरकारी स्कूलों में आयोजित किए जाएंगे। प्रभु ने कहा कि इस परियोजना के पहले चरण में, ''हमारा लक्ष्य बेंगलुरु और उसके आसपास की 1,000 से अधिक महिलाओं की जांच करना है। जांच के बाद यदि कुछ लक्षण या असामान्यताएं पाई जाती हैं तो हम महिलाओं को अपने सहयोगी अस्पतालों जैसे किदवई अस्पताल या एचसीजी अस्पताल, बेंगलुरु में आगे के परामर्श या उपचार के लिए भेजते है जहाँ वंचितों का इलाज किया जाता हैं।''

जिन लोगों में खतरे के संकेत दिखाई देते हैं मगर अभी कैंसर नहीं है, उन्हें आहार नियमन, जीवन शैली में परिवर्तन और इन सबसे ऊपर सभी नियमित चिकित्सा जांच की सलाह दी जाती है ताकि जब भी कोई समस्या हो तो उससे तुरंत निपटा जा सके।

यह सिर्फ़ एक उदाहरण है कि कैसे एआई नवाचार का उपयोग समाज को लाभ पहुंच सकता हैं। मैं मंत्रियों, नीति निर्माताओं और संयुक्त राष्ट्र में देशों के प्रतिनिधियों से आग्रह करती हूं कि वे स्तन कैंसर की जांच के लिए देशव्यापी नीति बनाएं।

डॉ गीता मंजूनाथ

इस परियोजना के चुनाव के बारे में पूछे जाने पर प्रभु ने कहा कि वह नवीन विचारों की तलाश करते रहते हैं और जब उन्होंने कैंसर देखभाल को एक परियोजना के रूप में देखा तो उन्होंने सीएसआर निधि के लिए आवेदन किया जो मूल रूप से मुंह के कैंसर के लिए थी क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत अधिक तंबाकू चबाने की प्रथा है लेकिन अंत में स्तन कैंसर जांच को चुना गया। अब उनके पास जो धनराशि है उससे इस उपकरण का उपयोग करके 1,000 ग्रामीण महिलाओं की जांच की जा सकती है - प्रत्येक जांच की लागत ₹250 आती है और इसमें लगभग 15-20 मिनट लगते हैं। परामर्श सहित प्रत्येक महिला पर लगभग 30 मिनट खर्च किए जाते हैं। इन शिविरों में प्रतिदिन 50 महिलाओं की जांच की जा सकती है। निदान की सटीकता पर वह कहते हैं कि इसके परिणामों को साथी चिकित्सा पत्रिकाओं में प्रकाशित किया जाता हैं और यह उत्पाद संयुक्त अरब अमीरात, तुर्की, स्वीडन, बुल्गारिया, केन्या आदि में भी व्यावसायिक रूप से उपलब्ध है।

इस पहले चरण की सफलता के आधार पर उन्हें उम्मीद है कि उसी कंपनी व अन्य कंपनियों से और अधिक सीएसआर निधि आएगी। उन्होंने कहा कि क्लब की महत्वाकांक्षी योजना मुंह के कैंसर और सर्विकल कैंसर की जांच करने की भी है।

इस परियोजना की सबसे अच्छी बात यह है कि ग्रामीण महिलाओं को स्तन कैंसर की जांच जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकता के लिए एक नई एआई-एडेड तकनीक का लाभ प्राप्त होगा।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

Rotary

END POLIO NOW

रोटरी फाउंडेशन में आज योगदान दें।
आने वाली पीढ़ियों के लिए परिवर्तन को सशक्त बनाएं।

रोटरियन. ए.के.एस. डॉ. के. श्रीनिवासन

जिला अधिकारी मीडिया प्रचार

रोटरी क्लब आफ तिरुचिरापल्ली, RID 3000, Zone - 5

फोन: +91 938 181 3690

ईमेल: ksrinisubha@gmail.com

5, व्यासराजा नगर, श्रीरंगम – 620 006. दक्षिण भारत.

ADVT.

मॉरीशस में नेत्र देखभाल की उन्नति

किरण ज़ेहरा

जून 2024 में रोटरी क्लब ठाणे, रो ई मंडल 3142 और रोटरी क्लब फीनिक्स मॉरीशस, रो ई मंडल 9220 ने मॉरीशस में एक चिकित्सीय शिविर का आयोजन किया ताकि विट्रोरेटिनल विकारों से पीड़ित लोगों की जांच और उपचार किया जा सके - यह रेटिना और काँचाभ को प्रभावित करने वाली आंखों की स्थिति का एक सामूहिक विकार है जिसे अनुपचारित छोड़ दिए जाने पर गंभीर दृष्टि दोष या अंधापन हो सकता है।

मॉरीशस के मोका में सुब्रमण्यम भारती आई हॉस्पिटल में पांच दिवसीय चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। रोटरी क्लब ठाणे के पूर्व अध्यक्ष आनंद काले भारत के दो नेत्र रोग विशेषज्ञों के साथ थे जिन्होंने 120 लोगों की जांच की और इस द्वीप देश में 40 सर्जरियाँ की। इस पहल का उद्देश्य अस्पताल में चिकित्सा पेशेवरों

मॉरीशस में चिकित्सा शिविर में सर्जरी करते डॉक्टर।

रोटरी क्लब ठाणे के पूर्व अध्यक्ष आनंद काले (बॉए), डॉ करण ए के और डॉ स्वेता पात्रो (बॉए से चौथी) मॉरीशस के नेत्र रोग विशेषज्ञों के साथ।

को कुशल बनाना भी है। ''हम स्थानीय डॉक्टरों को उन्नत कौशल और ज्ञान के साथ सशक्त बनाना चाहते थे,'' रोटरी क्लब ठाणे के पूर्व अध्यक्ष अजय केलकर कहते हैं।

इन दोनों क्लबों के बीच का संबंध 2017 से है जब काले ने मॉरीशस की व्यापारिक यात्रा के दौरान रोटरी क्लब फीनिक्स में एक बैठक में भाग लिया था। ''जब भी वह मॉरीशस में होते थे, हमारे क्लब की बैठक में भाग लेते थे और हम उनकी मेजबानी करके खुश थे,'' रोटरी क्लब फीनिक्स मॉरीशस के सदस्य चंद्रू हसामल कहते हैं। 2017 में क्लब ने अपने सहयोगात्मक प्रयासों की शुरुआत करते हुए रोधक बांध बनाने में मदद करने के लिए 3,000 डॉलर का दान देकर रोटरी क्लब ठाणे का समर्थन किया।

अगले साल रोटरी क्लब फीनिक्स के सदस्यों ने डॉक्टरों से मिलने और वंचित बच्चों की भेंगी आंखों की सर्जरी के बारे में जानने के लिए भारत का दौरा किया। उन्होंने ठाणे में लड़कियों के स्कूल में एक शौचालय खंड बनाने के लिए 2,500 डॉलर का योगदान भी दिया। इसके बाद केलकर के नेतृत्व में रोटरी क्लब ठाणे ने दो नेत्र रोग विशेषज्ञों, अतुल सेठ और सिद्धार्थ केसरवानी को मॉरीशस भेजा जहाँ उन्होंने भेंगापन नेत्र विकार वाले 160 बच्चों की जांच की और 50 बच्चों की सुधारात्मक सर्जरी की। अगले वर्ष, अन्य 50 बच्चों का इलाज किया गया। *(https://rotarynewsonline.org/treating-squint-eye-in-mauritius/* पर लेख पढ़ें)।

कोविड महामारी के कारण इस परियोजना को रोक दिया गया। जैसे-जैसे भेंगी आंखों की सर्जरी की आवश्यकता कम होती गई वैसे-वैसे क्लबों ने विट्रोरेटिनल विकारों पर ध्यान केंद्रित किया।

''हमारे पास सुब्रमण्यम भारती आई हॉस्पिटल में उन्नत बुनियादी ढांचा है लेकिन विट्रोरेटिनल विशेषज्ञ की कमी है,'' हसमल कहते हैं। भारत के दो नेत्र रोग विशेषज्ञों, करण ए के और श्वेता पेट्रो ने स्थानीय डॉक्टरों को जटिल रेटिना सर्जरी करने के कौशल से सुसज्जित करने के लिए कार्यशालाएं और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

इस परियोजना की लागत लगभग ₹85 लाख है।■

तमिलनाडु के अस्पतालों के लिए टीबी परीक्षण उपकरण

टीम रोटरी न्यूज़

टीबी परीक्षण सुविधाओं के उद्घाटन के अवसर पर आईपीडीजी एस राघवन नामक्कल जिला कलेक्टर एस उमा के साथ। परियोजना के अध्यक्ष एन पी रामास्वामी बायीं ओर हैं।

टीबी के लिए रोगियों की जाँच एवं परीक्षण पर ध्यान केंद्रित करने के साथ रोटरी क्लब रासीपुरम, रो ई मंडल 2982 ने सरकारी अस्पताल को एक आणविक परीक्षण मशीन, नामक्कल के एक सरकारी अस्पताल को फ्लोरेसेंट माइक्रोस्कोप और रासीपुरम एवं उसके आसपास के 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को एक माइक्रोस्कोप दान किया ताकि ₹27.4 लाख की एक वैश्विक अनुदान परियोजना के माध्यम से टीबी परीक्षण सुविधाओं को बढ़ाया जा सके। रासीपुरम तमिलनाडु के एक राजस्व जिले नामक्कलके अंतर्गत आने वाला एक शहर है।

रोटरी क्लब कॉर्नेट-फरक्विम केस्ट्रो, रो ई मंडल 4630, ब्राजील वैश्विक साझेदार था। चूंकि राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत उपचाराधीन मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए दाल, अंडे, खाना पकाने का तेल आदि से युक्त पौष्टिक आहार की आपूर्ति अनिवार्य है, ''हमने 20 टीबी रोगियों के लिए 600 की दाल की छह महीने तक की मासिक आपूर्ति की व्यवस्था की जिसकी लागत ₹72,000 है,'' परियोजना अध्यक्ष एन पी रामास्वामी ने कहा।

नामक्कल जिला कलेक्टर एस उमा द्वारा रासीपुरम के सरकारी अस्पताल में टीबी जाँच मशीन को स्थापित किया गया। आईपीडीजी एस राघवन, पीडीजी पी सरवनन, डीआरएफसी एस लोकनाथन, मंडल अनुदान अध्यक्ष बाबू कंडासामी, रामास्वामी और समस्त चिकित्सा बिरादरी इस कार्यक्रम में उपस्थित थी, जिसकी अध्यक्षता क्लब के तत्कालीन अध्यक्ष पी श्रीनिवासन ने की थी।■

एक गाँव को बेहतर कल की ओर ले जाना

रशीदा भगत

औरंगाबाद से बमुश्किल 13 किलोमीटर दूर लगभग 40 परिवारों की आबादी वाला वडाची वाडी एक छोटा सा गांव है, जिसमें करीब 385 लोग रहते हैं। अधिकांश परिवार आय के लिए खेती पर निर्भर हैं और जहाँ छोटे किसानों के पास 2-3 एकड़ भूमि है वहीं बड़े किसानों के पास 5-6 एकड़ भूमि है और उनमें से अधिकांश ज्वार, बाजरा, कपास, मक्का, दालें और सब्जियां उगाते हैं।

पिछले कुछ वर्षों से रोटरी क्लब औरंगाबाद, रो ई मंडल 3132 ने बच्चों की शिक्षा, आजीविका में सुधार और इससे ऊपर गांव की महिलाओं के लिए आय सृजन के साधन लाने पर ध्यान देने के साथ गांव में परिवर्तनकारी जीवन शैली में बदलाव लाने के लिए इस गांव को गोद लिया।

रोटरी परिवर्तन ग्राम पहल के तहत प्रभावशाली सामुदायिक परियोजनाएं लाने के लिए रोटेरियनों ने कुछ साल पहले इस गांव को अपनाया था। ''हम ग्रामीणों की जरूरतों को पूरा करना चाहते थे और शिक्षा, कृषि क्षेत्र में स्थायी समाधान लाना चाहते थे और विशेष रूप से महिलाओं को नए कौशल सिखाकर या उनमें मौजूदा कौशलों को निखारकर उनकी आय बढ़ाना चाहते थे,'' क्लब की पूर्व अध्यक्ष सरिता सतीश लोणीकर कहती हैं।

लड़कियों की शिक्षा पर ध्यान देने के साथ क्लब ने गाँव के प्राथमिक विद्यालय की इमारत की मरम्मत एवं पुताई करके लड़कियों एवं लड़कों के लिए पृथक शौचालय प्रदान करके इसकी शुरुआत की। इसने आईपीडीजी स्वाति हेर्कल को लड़कियों को 10 साइकिलें वितरित करने के लिए आमंत्रित किया, जिन्हें माध्यमिक विद्यालय तक 8 किमी की दूरी पैदल तय करनी पड़ती थी। जल्द ही छात्राओं को ₹5,000 की लागत वाली आठ और साइकिलें प्रदान की जाएंगी।

इसके बाद इस परियोजना ने ''सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देने और आजीविका में सुधार लाने के अपने व्यापक मिशन के अंतर्गत विभिन्न पहलों के माध्यम से महिलाओं की स्थानीय उद्यमिता और स्वरोजगार का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित किया। महिलाओं को आर्थिक

आईपीडीजी स्वाति हेर्कल(बाएं से चौथी) और रोटरी क्लब औरंगाबाद की आईपीपी सरिता सतीश लोनीकर वडाची वाडी गांव में स्कूल जाने वाली लड़कियों को साइकिलें उपहार में देने के बाद।

रूप से सशक्त बनाने और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए सदस्यों ने रुचि रखने वाली छह महिलाओं के लिए मोंटेसरी प्रशिक्षण का आयोजन किया और इनमें से तीन को रोजगार मिला,'' रो ई मंडल 3132 के प्रमुख, सहायक गवर्नर, पूनम देवदार कहती हैं।

गाँव की छह महिलाओं में से प्रत्येक को एक आटा चक्की दी गई और अब वे लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर और अन्य भारतीय मसालों के उत्पादन के साथ-साथ खाद्यान्न पीसकर भी नियमित आय प्राप्त कर रही हैं। एक सिलाई मशीन उन लोगों को दान की गई जिन्हें कपड़े के थैले, छोटे पर्स और पाउच बनाने के लिए प्रशिक्षित किया गया था, क्लब के सदस्यों ने महिलाओं

द्वारा उत्पादित चीजों को बेचने में मदद की जिसमें पाउडर मसाले, अचार, पापड़ आदि शामिल थे।

इसके बाद किसानों को संबोधित करने और उनका मार्गदर्शन करने के लिए विशेषज्ञों को संगठित करके जैविक खेती में प्रशिक्षित किया गया। कुछ खेतों में फलों के पेड़ लगाए गए और इस साल गांव में लगभग 500 बांस के पेड़ लगाने की योजना है। इस परियोजना पर अब तक खर्च की गई कुल राशि लगभग ₹3 लाख है।

एक लाभार्थी सविता ने कहा, मैं रोटरी क्लब और उसकी अध्यक्ष सरिता जी की बहुत आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे और छह अन्य महिलाओं को एक आटा चक्की मशीन प्रदान की और इसमें विभिन्न प्रकार की चीजें पीसने के लिए प्रशिक्षित किया। अब इस काम से हम रोजाना लगभग ₹200 से ₹300 कमा सकते हैं।

अतिप्रसन्न क्लब अध्यक्ष सरिता कहती हैं, ''इन पहलों में शामिल होना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद रहा। हमारे कुछ सदस्य महीने में एक बार इस गांव का दौरा करते हैं

क्लब द्वारा पुनर्निर्मित गांव का स्कूल।

और बच्चों के चेहरे पर मुस्कान, महिलाओं एवं बुजुर्गों के चेहरे पर कृतज्ञता और यहाँ के जीवन की गुणवत्ता में समग्र सुधार देखकर हम बहुत गर्व और खुशी महसूस करते है।''

भविष्य की योजनाओं के बारे में उन्होंने कहा कि क्लब लड़कियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करना चाहता है और ''इस लक्ष्य हेतु हम लड़कियों की उच्च शिक्षा के लिए एक छात्रवृत्ति लाना चाहते हैं। हम डिजिटल कक्षाओं और ई-लर्निंग संसाधनों को भी पेश करना चाहते हैं।''

वह आगे कहती हैं कि चिकित्सा जांच और टीकाकरण के लिए नियमित स्वास्थ्य शिविर आयोजित करके स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को भी आगे बढ़ाया जाएगा। महिलाओं एवं युवाओं का कौशल विकास जारी रहेगा साथ ही वृक्षारोपण और किसानों को जैविक खेती का विकल्प चुनने के लिए शिक्षित और प्रेरित करना भी जारी रहेगा।

पूनम ने मुस्कुराते हुए कहा, ''हम आशावादी हैं कि इस परियोजना के ये सभी घटक सकारात्मक बदलाव लाने में एक तरंग प्रभाव उत्पन्न करेंगे और ग्रामीणों के लिए एक बेहतर कल की शुरुआत होगी।''■

इम्फाल में एक अंडा बैंक

टीम रोटरी न्यूज़

क्लब के अध्यक्ष शरतचंद्र सिंह फिजाम (बाएं से तीसरे) और क्लब के सदस्य पुण्या चिल्ड्रन होम फॉर गर्ल्स के प्रशासनिक कर्मचारियों को अंडे सौंपते हुए।

रोटरी क्लब इम्फाल, रो ई मंडल 3240, 2021 से *रोटरी एग बैंक प्रोजेक्ट* चला रहा है। यह पहल इम्फाल, मणिपुर में लड़कियों के लिए चनुरालेइकोल चिल्ड्रेन होम और लड़कियों के लिए पुण्य चिल्ड्रन होम को 1,890 अंडे प्रदान करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि इन घरों की 114 लड़कियों को चार अंडे मिलते हैं, प्रति सप्ताह। क्लब के अध्यक्ष शरतचंद्र सिंह फिजाम बताते हैं, यह परियोजना बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन का एक सतत स्रोत प्रदान करती है, उनके समग्र आहार में सुधार करती है और उनकी भलाई में योगदान देती है। इस पहल को क्लब के सदस्यों से दान के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है।

राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस के अवसर पर, राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आरआईएमएस) के सहयोग से क्लब द्वारा आयोजित एक चिकित्सा शिविर से 200 से अधिक लोग लाभान्वित हुए। क्लब ने इंफाल पूर्व के बबीना मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल में 170 पौधे लगाए।■

Rotary PEOPLE OF ACTION

एक मुस्कान लौटाना

टीम रोटरी न्यूज़

आईपीडीजी टी आर विजयकुमार (बाएं), मंडल निदेशक गोकुलराज, रोटरी क्लब कोयंबटूर मोनार्क्स के आईपीपी डॉ विकास गुप्ता और सचिव डी सुधाकर, निवेदा (दाएं) और उनके पिता।

निवेधा (27) अब एक खुशहाल महिला है; रोटरी क्लब कोयंबटूर मोनार्क्स, रो ई मंडल 3201 द्वारा प्रायोजित एक सुधारात्मक दंत सर्जरी की वजह से उसके चेहरे में एक उल्लेखनीय परिवर्तन आया है।

दो साल पहले वो क्लब के आईपीपी डॉ विकास गुप्ता के सामने पुरानी मैक्सिलरी एट्राफी से ग्रसित एक निरुत्साहित, कुपोषित, कम वजन वाली महिला के रूप में आई थी; उसके ऊपरी जबड़े की हड्डी (मैक्सिलरी हड्डियां) इस हद तक घिस गई थी कि उसके दांत उसके मसूड़ों से बेतरतीब रूप से लटक रहे थे, बिना किसी सहारे के नाजुक ढंग से। खराब मौखिक स्वच्छता या पोषण, अनुपचारित कैविटी या अन्य कारणों से मैक्सिला की मात्रा कम हो जाती है और वो सिकुड़ जाते है, पेशे से डेंटल सर्जन गुप्ता बताते हैं।

निवेधा की मां ने डॉक्टर को बताया कि वह बहुत मुश्किल से खा पाती थी और केवल तरल पदार्थों पर ही जीवित थी। सहायक हड्डियों की कमी की वजह से उसके गाल और होंठ सिकुड़ गए थे। वह अपने चेहरे का उपहास बनाए जाने के डर से घर से बाहर नहीं निकलती थी और उसका कोई दोस्त नहीं था। निवेधा का यह अकेलापन उसे शारीरिक और भावनात्मक रूप से तोड़ रहा था। गुप्ता ने 'क्वाड जाइगोमा' नामक सर्जिकल उपचार की सलाह दी जिसके बाद 'ऑल-ऑन-4' दंत पुनर्सुधार किया जाएगा जिसकी कुल लागत ₹9 लाख पड़ती। उसके माता-पिता इस इलाज का खर्च नहीं उठा सकते थे।

रोटेरियनों ने धन जुटाने के लिए *दिल से ग़ज़ल नाइट* का आयोजन किया। इस आयोजन से 84 दानकर्ता मिले और पांच उदार कॉरपोरेट्स - तुलसी वाटिका, रिपोज, शक्ति आरओ, इम्पेल और डॉ गुप्ता की अपनी फर्म, डेंटल केयर प्रोफेशनल्स का समर्थन मिला। प्रत्येक ने ₹50,000 का योगदान दिया और क्लब के सदस्यों ने भी सहायता की। हालांकि कुल एकत्रित निधि उपचार की पूरी लागत से कम थी फिर भी उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। गंगा हॉस्पिटल्स ने अपनी जगह दी और गुप्ता ने दंत चिकित्सकों की अपनी टीम के साथ निवेधा की सुधारात्मक सर्जरी की जिससे उसे अस्थायी दंत प्रत्यारोपित किए गए।

''वह अब आत्मविश्वास से भरी हुई है, उसका वजन भी बढ़ गया है और वह अब स्वस्थ दिखती है। उसके चेहरे ने अपना प्राकृतिक रूप वापस पा लिया है और अब वह दर्पण में देखने से डरती नहीं है,'' डॉक्टर मुस्कुराते है। बीए ग्रेजुएट निवेधा अब अपने नए आत्मविश्वास के साथ नौकरी के लिए साक्षात्कार दे रही है और उसकी शादी भी तय हो गई है। ''एक साल के अंदर उसे अपने स्थायी दांत मिल जाएंगे और इस प्रकार जो सफ़र हमने एक साथ शुरू किया था वो पूरा हो जाएगा,'' वह कहते हैं।

इस साल, सी एन श्रवण के नेतृत्व में क्लब ने सुविधाओं से वंचित सरकारी स्कूलों में हैंडवॉश स्टेशन, डिस्पेंसर और लिक्विड हैंडवॉश स्थापित करने के लिए साल भर चलने वाली WinS परियोजना की शुरूआत की। सरकारी स्कूल के छात्रों को सॉफ्ट स्किल्स में प्रशिक्षित करने के लिए एक कार्यक्रम का उद्घाटन भी किया गया।■

क्लब अध्यक्ष सी एन श्रवण (बीच में) सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण सत्र के बाद छात्रों के साथ।

रो ई सौर नायकों की तलाश में

रशीदा भगत

रोटरी अंतर्राष्ट्रीय ने पर्यावरण संरक्षण और पृथ्वी के संसाधनों की संवहनीयता की खोज में जलवायु परिवर्तन से निपटने और वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों के लिए एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने हेतु पारंपरिक से नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर जाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए एक अभियान शुरू किया।

इस दिशा में रो ई के एनवायरनमेंट सस्टेनेबिलिटी रोटरी एक्शन ग्रुप (ईएसआरएजी) ने मिलियन सोलर पैनल्स चैलेंज (एमएसपीसी) पहल शुरू की जिसमें रोटेरियनों से एक मिलियन सोलर पैनल लगाने का आग्रह किया गया। ''पूरा होने पर यह 7.5 मिलियन टन कार्बन के उत्सर्जन से बचाएगा। हम जानते हैं कि दुनिया भर में पहले से ही अनेक रोटरी क्लबों ने सौर ऊर्जा परियोजनाएं शुरू की हैं लेकिन हम रोटेरियनों द्वारा किए गए इस काम की सीमा को नहीं जानते। इसलिए जिन क्लबों ने सौर पैनलों का उपयोग करके परियोजनाएं की हैं और जो रोटेरियन अपने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों या घरों में सौर पैनलों का उपयोग कर रहे हैं उनसे अनुरोध है कि वे अपने द्वारा लगाए गए सौर पैनलों का विवरण दर्ज करें,'' जयदीप मालवीय, निदेशक - नवीकरणीय ऊर्जा, ईएसआरएजी - दक्षिण एशिया कहते है।

भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा विशेष रूप से सौर ऊर्जा के उपयोग में तेजी से प्रगति की है और वर्तमान में विश्व स्तर पर यह चीन और अमेरिका के बाद सौर ऊर्जा उत्पन्न करने में तीसरे स्थान पर है। भारत ने जापान के 110 बिलियन यूनिट (बी यू) की तुलना में 2023 में 113 बी यू सौर ऊर्जा का उत्पादन किया। चूंकि हमारे उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में प्रचुर मात्रा में सूर्य का प्रकाश उपलब्ध है इसलिए सौर ऊर्जा पर आंशिक रूप से ही सही, निर्भर होने का विचार हमारे देश में नया नहीं है।

मालवीय का कहना है कि दक्षिण एशिया में कई रोटेरियन पहले से ही सौर पैनल लगा चुके है और उनकी उन सभी रोटेरियनों से अपील है कि जिन्होंने ऐसा किया है वो - या तो क्लब परियोजनाओं में, अपने घरों या कार्यालयों में या सीएसआर वित्त पोषित पहलों के माध्यम से - *www.rotarysolarinitiative.com* वेबसाइट पर लॉग इन करें और वहाँ पर मौजूद सरल एवं उपयोगकर्ता के अनुकूल फॉर्म में अपना विवरण दर्ज करें। फॉर्म को सीधे एक्सेस करने के लिए एक क्यूआर कोड भी उपलब्ध है। आवश्यक बुनियादी जानकारी में स्थापित सौर ऊर्जा प्रणाली की क्षमता, पैनलों की संख्या, क्लब और रो ई मंडल का नाम एवं संख्या और एक ईमेल आईडी देनी है।

सौर चुनौती के महत्वपूर्ण पहलू

आमतौर पर सौर ऊर्जा उत्पादन और भंडारण ऐसे काम करता है कि आप अपनी छत या परिसर में लगे अपने सौर पैनलों के माध्यम से जो बिजली उत्पन्न करते हैं उसे सरकार के पावर ग्रिड में पहुँचाया जाता है जिसे आपकी खपत में समायोजित किया जाता है। यदि आप और अधिक का उपयोग करते हैं तो जो भी शुद्ध अंतर आता है उसका भुगतान आपको करना होता है इसलिए नेट मीटरिंग शब्द प्रचलित हुआ।

इसके अलावा ESRAG दक्षिण एशिया नवीकरणीय ऊर्जा निदेशक जयदीप मालवीय बताते हैं कि भारत सरकार बड़े सौर फार्म/पार्क को प्रोत्साहित कर रही है। चीन और अमेरिका के बाद भारत अब सौर ऊर्जा का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, ''और कई रोटेरियनों ने सौर फार्म में निवेश किया है जिनमें से कुछ 100 मेगावाट उत्पन्न करने के लिए पर्याप्त रूप से बड़े हैं।''

ऐसे तीन तरीके हैं जिससे एक रोटेरियन सौर नायक बन सकता है

- अपने घर या व्यवसाय में सौर पैनल स्थापित करें।
- दूसरों के लिए सौर पैनल स्थापित करें - परिवार/मित्र, किसी व्यक्ति, क्लब या मंडल क्षमता में।
- रोटेरियन सौर साझेदारों को दान करें जो वंचितों के लिए सौर ऊर्जा स्थापित कर सकते हैं।

परियोजना के विचारों में स्कूल की छतों, इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग पॉइंट, कृषि पंपिंग, सामुदायिक पेयजल, जल निस्पंदन, सिलाई इकाइयां, चक्की (अनाज पिसाई), दूध, सब्जियों और फलों के लिए कोल्ड स्टोरेज और टीका भंडारण के लिए सौर पैनल स्थापित करना शामिल है।

यह कहते हुए कि यह पहल रोटरी के चार मार्ग परीक्षण के सभी प्रमुख मूल्यों को पूरा करती है, मालवीय कहते हैं, ''सबसे बढ़कर यह निश्चित रूप से सभी के लिए उचित और फायदेमंद होगी। स्थापित किया गया प्रत्येक सौर पैनल सभी के लिए एक उज्जवल, स्वस्थ ग्रह की ओर एक कदम है। सौर ऊर्जा के प्रत्येक वाट के साथ हम सिर्फ पैसे नहीं बचा रहे; हम भावी पीढ़ियों के लिए एक रहने लायक दुनिया में निवेश कर रहे हैं।''

यह पहल महत्वपूर्ण है क्योंकि यह रोटेरियनों को जलवायु परिवर्तन से निपटने, ऊर्जा लागत को कम करने और सामूहिक रूप से लाखों टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने में मदद करते हुए एक स्थायी भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है। ''इस क्षेत्र के रोटेरियनों से इस चुनौती को स्वीकार करने और पृथ्वी ग्रह को बचाने की इस पहल में अपना सर्वोच्च संभव योगदान देने की अपील'' करते हुए उन्होंने कहा कि अब तक दक्षिण एशिया में लगाए गए लगभग 25,000 पैनलों का विवरण एकत्रित किया गया है। ''सेलम के एक रोटेरियन, संबंदन स्पिनिंग मिल्स के एस देवराजन ने 10,000 सौर पैनलों का विवरण दर्ज करके भारत को गौरवान्वित किया है, जो एमएसपीसी में एक अकेले रोटेरियन से पैनलों की सबसे अधिक संख्या है।''

उन्हें उम्मीद है कि यह मचुनौतीफ धीरे-धीरे भारत और शेष दक्षिण एशिया में जोर पकड़ेगी। मेरा लक्ष्य सभी रोटेरियनों तक पहुंचना है। उदाहरण के लिए ''मेरे शहर पुणे में जब हमने तीन साल पहले यह अभियान शुरू किया था तो कुछ रोटेरियनों ने अपने कार्यालय या कारखानों की छतों पर 10 किलोवाट सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की थी... 10 किलोवाट के लिए लगभग 25 पैनलों की आवश्यकता होती है। और इसे देखकर बहुत तेजी से अनेक रोटेरियनों ने अपने घरों एवं कार्यालय प्रतिष्ठानों में सौर पैनल लगाना शुरू कर दिया।''

ESRAG पूर्ति के अंतर्गत रोटेरियन अनिल नेवाले की छत पर 15 kWp (50 पैनल)।

इस बात को रेखांकित करते हुए कि सौर ऊर्जा का उपयोग व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य और विवेकपूर्ण है, वह कहते हैं कि छोटे और बड़े खेतों में कृषि में पंपिंग सिस्टम के संचालन में सौर ऊर्जा का उपयोग एक बड़ा अवसर है। ''हमारे किसान ईंधन के रूप में डीजल की जगह सौर ऊर्जा का इस्तेमाल कर सकते हैं और करना भी चाहिए। और इसके लिए वे कुसुम सौर पैनल योजना के नाम से प्रसिद्ध एक सरकारी कार्यक्रम से लाभ प्राप्त कर सकते हैं, जिसके अंतर्गत किसानों को सौर ऊर्जा प्रणालियों की स्थापना के लिए 60 प्रतिशत तक की सब्सिडी मिलती है।''

इस कार्यवाही का आह्वान केवल एक चुनौती नहीं है; ''बल्कि एक अवसर है। पोलियो के खिलाफ रोटरी की लड़ाई वैश्विक स्वास्थ्य में एक बड़ी उपलब्धि है। तो चलिए दोबारा इतिहास बनाएं; इस बार इस चुनौती को स्वीकार करके सौर नायक बनें और कार्बन उत्सर्जन के स्तर को शून्य तक लाने में मदद करें,'' वह आगे कहते है। ■

बाएं से: PRIDs महेश कोटबागी और मनोज देसाई, RID अनिरुद्धा रॉयचौधरी, PRIP शेखर मेहता, RIDE एम मुरुगानंदम, सुमति, उमा, RIDE के पी नागेश, PRIP के आर रवींद्रन, RID राजू सुब्रमण्यन, PRID सी भास्कर, नीलावती और PDG पी गोपालकृष्णन त्रिची में एक सम्मान समारोह में।

नये निदेशकों का अभिनंदन

जयश्री और वी मुत्तुकुमारन

नागेश में हमारे पास एक विजेता है - 1,725 नए सदस्य, 52 नए क्लब, 160 रोटरेक्ट क्लब और टीआरएफ में 2.2 मिलियन डॉलर का योगदान - अविश्वसनीय,'' पीआरआईपी के आर रवींद्रन ने रो ई मंडल 3191 और 3192 द्वारा आने वाले रो ई को सम्मानित करने के लिए आयोजित एक बैठक में बोलते हुए कहा। रो ई निदेशक के पी नागेश और एम मुरुगानंदम बेंगलुरु में। वह 2015-16 में रो ई मंडल 3190 के डीजी के रूप में रो ई निदेशक ई नागेश की रिकॉर्ड बनाने की उपलब्धि को याद कर रहे थे। उस वर्ष के दौरान रवींद्रन रो ई अध्यक्ष थे जब मंडल सदस्यता और टीआरएफ देने में दुनिया में शीर्ष पर था।

ज्ञान और प्रोत्साहन के मिश्रण के साथ, रवींद्रन ने नए निर्देशकों के लिए एक रोडमैप प्रदान करते हुए, अपनी यात्रा से अंतर्दृष्टि साझा की। ''आप दोनों बोर्ड में भारत के लिए और विश्व में बोर्ड के महान राजदूत बनने में सक्षम हैं। यदि आप इस देश को गौरवान्वित करना चाहते हैं, तो वहां अच्छा प्रदर्शन करें। रोटरी के परिदृश्य में एशिया एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो सदस्यता में 40 प्रतिशत और टीआरएफ देने में शीर्ष मंडलों में से आधे का योगदान देता है,'' उन्होंने जोर दिया।

अपने गुरु पीआरआईपी राजेंद्र साबू के साथ बातचीत को याद करते हुए, रवींद्रन ने कहा, ''जब मुझे रो ई निदेशक

के रूप में नामांकित किया गया था, तो मैं एक छोटे देश का प्रतिनिधित्व करने के बारे में चिंतित था। राजा ने मुझसे कहा, 'तुम्हारा मूल्यांकन इस आधार पर नहीं किया जाएगा कि तुम कहां से आए हो। आपके देश का मूल्यांकन इस बात से किया जाएगा कि आप बोर्ड में क्या करते हैं।' यह वह जिम्मेदारी है जिसे अब आप दोनों निभाते हैं।फ

कुछ बुद्धिमान सलाह को जारी रखते हुए, उन्होंने कहा: नेतृत्व करना एक नेता होने से अलग है। ''एक नेता सर्वोच्च पद पर हो सकता है, लेकिन नेतृत्व तब होता है जब अन्य लोग स्वेच्छा से उसका अनुसरण करते हैं, इसलिए नहीं कि उन्हें ऐसा करना चाहिए, बल्कि इसलिए कि वे ऐसा करना चाहते हैं। आपको अस्पष्ट क्षेत्रों का सामना करना पड़ेगा, और चाहे आप कोई भी रास्ता चुनें, आपको आलोचना का सामना करना पड़ेगा। प्रशंसा क्षणभंगुर है; सम्मान स्थायी है. किसी को भी आपके विश्वास, इतिहास या साख की परवाह नहीं है। मायने यह रखता है कि अब आप क्या करते हैं।''

उन्होंने एक ऐसी स्थिति के बारे में बताते हुए कहा कि सहमत तरीके से असहमत होना सीखें जहां रो ई निदेशक के रूप में उन्हें रो ई नियुक्तियों के लिए एक जिले पर तीन साल का प्रतिबंध लगाना पड़ा था। कड़ी आलोचना का सामना करने के बावजूद, उन्होंने रिश्तों के महत्व को बनाए रखा, यह बताते हुए कि कैसे दोपहर के भोजन पर बातचीत से मुद्दा सुलझ गया। उन्होंने सलाह दी, ''कभी-कभी आपको किसी मुद्दे पर सख्त रुख अपनाना पड़ सकता है, लेकिन इससे रिश्तों में हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए।''

रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन ने नागेश के साथ काम करने की यादें साझा कीं और बेंगलुरु रोटरी इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष के रूप में उनके अटूट समर्थन पर प्रकाश डाला। ''उनकी ओर से कभी कोई 'नहीं' नहीं आया। कार्यक्रम के दौरान हमने जो भी अनुरोध किया, उनका जवाब हमेशा 'हो जाएगा' था।'' संस्थान में बैठकर दक्षिण भारतीय शैली के दोपहर के भोजन को याद करते हुए उन्होंने कहा, ''ट्रस्टी भरत और मैं दोपहर के भोजन के बारे में चिंतित थे कि क्या यह संस्थान के सत्रों में खर्च होगा। नागेश ने हमें अन्यथा आश्वस्त किया और वास्तव में यह एक शोस्टॉपर था। कार्यक्रम की योजना के दौरान हमारे रास्ते में आने वाली हर बाधा पर वह कहते थे, 'चिंता मत करो। हम इसे सुलझा लेंगे।' उनके शब्दों ने मुझे और टीम को आत्मविश्वास दिया।'' उन्होंने दोनों राइड से रोटरी के लोकाचार और नैतिकता को बनाए रखने और ''हमेशा वित्तीय पारदर्शिता और अखंडता का पालन करने का आग्रह किया। केवल वही हमारे देश में रोटरी के भविष्य को कायम रखेगा।''

रो ई मंडल अनिरुद्ध रॉयचौधरी ने असाधारण परिणामों के साथ जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए नागेश की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''वह उच्च मानक स्थापित करेंगे और टीम को ऊंची उड़ान भरने के लिए प्रेरित करेंगे। टीआरएफ ट्रस्टी भरत पांड्या ने एक वीडियो संदेश में नए निदेशकों को अपने अवसरों को उचित ठहराने और बेहतर रोटरी के लिए काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।''

पीआरआईपी शेखर मेहता ने दोनों राइड को बधाई देते हुए कहा, ''जब लोग खुश होते हैं कि आप उनका नेतृत्व कर रहे हैं, तो यह आपकी सद्भावना और आपके द्वारा अर्जित लाभांश है। आप और

मुरुगानंदम उच्चतम स्तर पर हमारा प्रतिनिधित्व करने वाला एक शक्तिशाली संयोजन बनाते हैं। हमें उम्मीद है कि आप दोनों के नेतृत्व में महान चीजें होंगी।''

पीआरआईडी सी भास्कर ने डीजी के रूप में नागेश के साथ अपने जुड़ाव को याद किया जब वह जोन 5 के लिए रोटरी समन्वयक थे। ''नागेश ने अपने लिए ऐसे लक्ष्य निर्धारित किए जिन्हें अन्य लोग असंभव समझते थे। उन्होंने एक नई सदस्यता रणनीति बनाई - विभाजित करने के लिए बढ़ें, और विभाजित करने के लिए बढ़ें, 'जिसके कारण मंडलों का विभाजन हुआ।' उन्होंने दोनों आने वाले निदेशकों की ऊर्जा, संसाधनशीलता और महत्वाकांक्षा की भी प्रशंसा की।'' उन्होंने कहा, ''उनके नेतृत्व में हम जबरदस्त सुधार देखेंगे जिससे रोटरी जगत हमारी ओर देखेगा।'' पीआरआईडी मनोज देसाई, जिन्होंने उस समय रो ई निदेशक के रूप में कार्य किया था जब नागेश और मुरुगानंदम मंडल गवर्नर थे, ने उन्हें अपनी नई भूमिका निभाते हुए देखकर गर्व व्यक्त किया। पीआरआईडी महेश कोटबागी ने आने वाले निदेशकों से आग्रह किया कि वे ''हमें और अधिक बढ़ने की अनुमति देने के लिए क्षेत्रीयकरण को प्राथमिकता दें।''

निर्वाचित रो ई निदेशक नागेश और उमा।

अपने संबोधन में मुरुगानंदम ने नागेश को अपना समर्थन देने का वादा किया और विकास के साथ-साथ सदस्य बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। ''रोटरी छोड़ने वाले सदस्यों को रोटरी की सार्वजनिक छवि के लिए ख़तरे के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने आने वाले दो नेताओं द्वारा डिज़ाइन किए गए '12-सूत्रीय' कार्यक्रमों में से एक - 1:2:3 फॉर्मूला - पर एक नज़र डाली। प्रत्येक रोटेरियन को शामिल करने के लिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम 2 रोटरेक्टर और 3 इंटरएक्टर लाएँ। फिर हम अपने रोटरी व्हील को अगले 5-6 दशकों तक चलते हुए देख सकते हैं।''

नागेश ने अपनी प्रतिक्रिया में वरिष्ठ नेताओं, आरटीएन जयकुमार जिन्होंने 30 साल पहले मुझे रोटरी से परिचित कराया और अपने गुरु पीडीजी योगानंद को धन्यवाद दिया, ''जिन्होंने मुझे एक अच्छे रोटेरियन के रूप में ढाला। हम उसे मिस कर रहे हैं। वह हमेशा मेरे दिल में रहेंगे।'' उन्होंने सदस्यता वृद्धि और टीआरएफ देने की अपनी योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। डीजी के रूप में ''मैंने 52 सप्ताह में 52 नए क्लबों की योजना बनाई। अब निदेशक के रूप में मेरा लक्ष्य एक वर्ष में 365 क्लबों को चार्टर करना और टीआरएफ योगदान को 100 मिलियन डॉलर तक बढ़ाना और वर्तमान सीएसआर योगदान को दोगुना करना है। हम अपने वरिष्ठ नेताओं की विरासत को आगे बढ़ाएंगे।''

नागेश के परिवार के एक दिल छू लेने वाले वीडियो ने कार्यक्रम का समापन किया, जिसमें उनके बेटे, बेटी और पत्नी ने अपनी प्रशंसा और समर्थन व्यक्त किया। ''रोटरी ने वास्तव में हमारे परिवार को लाभान्वित किया है और हम आभारी हैं। हमारे घर के वास्तुकार, हमारे कुत्तों के डॉक्टर, मेरे कॉलेज के ट्रस्टी, मेरे कार्यालय स्थान के मकान मालिक और लेखा परीक्षक - हर कोई रोटेरियन है। पा, आप एक महान प्रेरणा हैं,'' उनके बेटे तेजस ने कहा। उनकी बेटी निधि ने कहा, ''मैं उनकी बेटी होने पर सम्मानित महसूस कर रही हूं। उनकी बुद्धिमत्ता ने मुझे अनगिनत तरीकों से आकार दिया है।'' उनकी पत्नी उमा ने आगे आने वाली नई चुनौतियों का सामना करने में नागेश की क्षमता पर भरोसा जताया।

त्रिची में अभिनंदन

RIDE मुरुगानंदम को सम्मानित करने के लिए त्रिची में एक बैठक में बोलते हुए पीआरआईपी रवींद्रन ने कहा कि ''नेतृत्व सही को बनाए रखने के साहस के बारे में है, लोकप्रिय या बहुमत की राय के आगे झुकने के बजाय किसी के मूल्यों और अखंडता के प्रति सच्चा रहना। रो ई निदेशक के रूप में, आप रोटरी का व्यवसाय चलाएंगे, स्वास्थ्य, साक्षरता, आजीविका के मव्यवसायफमें हमारे क्षेत्रों का प्रबंधन करेंगे और जीवन बदलने वाले चमत्कार करेंगे।'' उन्होंने आने वाले निर्देशकों मुरुगानंदम और नागेश से आग्रह किया कि आगे के काम पर ध्यान केंद्रित करें, आगे बढ़ें, पीछे मुड़कर न देखें और अतीत के बोझ को बीच में न आने दें।

सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि आप स्वयं को अत्यधिक जिम्मेदार स्थिति में कैसे ले जाते हैं। प्रत्येक अवसर और पद एक दायित्व, जिम्मेदारी और कर्तव्य पालन के साथ आते हैं, रवींद्रन ने बताया, और कहा, सदस्यता, फाउंडेशन-गिविंग और सेवा परियोजनाओं में आपने जो मील के पत्थर की योजना बनाई है, ''उसके अलावा अपने गवर्नरों को प्रोत्साहित करें, क्लबों को प्रभावी बनाएं और उत्पादक, सदस्यों के लिए मूल्य में वृद्धि, समुदायों पर प्रभाव और प्रशासनिक लागत में कमी लाना।'' रो ई बोर्ड के कोषाध्यक्ष के रूप में अपने अनुभव का

हवाला देते हुए, जब तत्कालीन रो ई अध्यक्ष चाहते थे कि वे रो ई सम्मेलन में लगभग 500 डीजी की यात्रा के लिए क्लबों से धन इकट्ठा करें, जिसके साथ मैं विनम्रतापूर्वक असहमत था, उन्होंने RIDE को इसके लिए तैयार रहने के लिए कहा। बोर्ड विचार-विमर्श में कठोर निर्णय और आगे की चुनौतियाँ।

रो ई निदेशक अनिरुद्ध रॉयचौधरी ने कुछ साल पहले मुरुगानंदम के साथ अमेरिका से अपनी वापसी की उड़ान यात्रा को याद किया जब उनकी उनके साथ लंबी, गहन बातचीत हुई थी। ''मैं उनकी विचार प्रक्रिया से प्रभावित था और मुझे लगा कि वह एक दिन रोटरी इंडिया का नेतृत्व करेंगे, जो अब सच हो गया है।'' मुरुगानंदम ने डीजी (2016-17) के रूप में कई बड़ी परियोजनाओं पर चुपचाप, लेकिन कुशलता से काम किया, और एक रोटारक्टर के रूप में वह जिला कलेक्टर से प्रशंसा अर्जित करते हुए पोलियोप्लस अभियान में सक्रिय थे। रो ई निदेशक ने नोट किया कि रोटरेक्ट कार्यकाल के दौरान उनके द्वारा स्थापित एक व्यावसायिक केंद्र अभी भी सक्रिय है।

RIDE नागेश और उमा को बेंगलुरु में सम्मानित किया गया। (बाएं से): सुमति, RIDE मुरुगानंदम, PRIP रवींद्रन और डीजी एन एस महादेव प्रसाद भी चित्र में शामिल हैं।

निर्वाचित रो ई निदेशक एम मुरुगानंदम और सुमति।

रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन ने कहा कि 2025-27 तक रो ई बोर्ड में नागेश और मुरुगानंदम की उपस्थिति रोटरी को बड़े आयामों तक आगे ले जाने में भारत के लचीलेपन और नेतृत्व को प्रदर्शित करेगी। पीआरआईपी शेखर मेहता ने कहा, बड़े सपने, योजनाएं, लक्ष्य रखें और उत्कृष्टता हासिल करने के लिए टीम वर्क पर भरोसा करें। उन्होंने कहा, ''उनके 10-सूत्रीय चार्टर ऑफ एक्शन को सुनकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए। ये दोनों नेता अपने पीछे एक समृद्ध विरासत छोड़ने में सक्षम हैं क्योंकि वे केंद्रित हैं और विफलता से नहीं डरते हैं।'' मुरुगानंदम द्वारा गवर्नर के रूप में स्थापित किए गए आठ गिनीज रिकॉर्ड्स को याद करते हुए, पीआरआईडी भास्कर ने सावधानी बरतते हुए कहा कि ''हम उन क्लबों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय मंडल-केंद्रित हो रहे हैं जो रोटरी के वास्तविक स्तंभ हैं।'' उन्होंने कहा कि रो ई निदेशकों को सदस्यता के मुद्दों को हल करने के लिए भारत में रोटरी क्लबों को प्रोत्साहित और सशक्त बनाना चाहिए।

पीआरआईडी महेश कोटबागी ने कहा, तमिलनाडु (ज़ोन 5) में रो ई मंडल और क्लबों

का विकास शानदार है, जिसका श्रेय मुरुगानंदम जैसे बहुआयामी नेताओं को जाता है, जो विविध उद्यमों में उत्कृष्ट हैं। पीआरआईडी मनोज देसाई ने कहा, विनम्रता और बड़ी उपलब्धि हासिल करने के लिए आधी रात को मेहनत करने की क्षमता उनकी पहचान है। टीआरएफ ट्रस्टी भरत पांड्या और पीआरआईडी कमल संघवी ने वीडियो लिंक के माध्यम से शुभकामनाएं दीं।

अपने भाषण में RIDE नागेश ने कहा, ''हम समझते हैं कि हमारा पद बहुत ज़िम्मेदारी के साथ आता है। अपने माता-पिता, पत्नी सुमति और बच्चों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए,'' मुरुगानंदम ने कहा कि रोटरी में उनके प्रारंभिक वर्षों में तीन रोटेरियनों ने उन्हें प्रभावित किया — सैमुअल क्रिस्टडॉस, रोटरी-रोटरेक्ट सलाहकार; पीडीजी टी वल्लियप्पन और पीएसडी चन्द्रशेखरन। 16 वर्षीय रोटरेक्टर के रूप में रोटरी में शामिल होने के बाद, वह रोटरी क्लब बीएचईएल सिटी तिरुचिरापल्ली के चार्टर अध्यक्ष थे, अपने समय के सबसे कम उम्र के गवर्नरों में से एक थे, और उनका मंत्र है 'रोटरी को हाँ कहो।' निदेशक के रूप में उनके कार्यकाल का विषय 'चलते रहो' है।

रोटेरियन्स से रोटरेक्ट को महत्व देने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा, ''74 प्रतिशत रोटरी क्लबों ने रोटरेक्ट क्लब को प्रायोजित नहीं किया है, 79 प्रतिशत इंटरेक्ट के लिए कुछ नहीं कर रहे हैं और 80 प्रतिशत ने आरसीसी को प्रायोजित नहीं किया है।'' मुरुगानंदम ने कहा कि रोटरी इंडिया लीडरशिप कॉन्क्लेव अगस्त 2025 में चेन्नई में आयोजित किया जाएगा, और ज़ोन इंस्टीट्यूट श्रीलंका में आयोजित किया जाएगा।

इससे पहले, पीआरआईडी सी भास्कर, डीजी आर राजा गोविंदासामी, आईपीडीजी आर अनंत जोती, डीजीई जे कार्तिक, डीजीएन आर सुब्रमणि और रो ई मंडल 2981, 2982, 3203, 3212 और 3233 के नेताओं ने मदुरै में एक सम्मान समारोह में मुरुगानंदम और सुमति को बधाई दी, जिसकी मेजबानी की गई थी। उनका घरेलू क्लब रोटरी क्लब बीएचईएल सिटी तिरुचिरापल्ली है।

पीआरआईपी शेखर मेहता के साथ मुरुगानंदम और सुमति।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन, मैथिली नाडकर्णी (दाएं से तीसरे) और उनके पति राहुल (बाएं से पांचवें) द्वारा प्रायोजित एक लैपटॉप दृष्टिबाधित तनिश किनालकर को सौंपते हुए। चित्र में क्लब की अध्यक्ष तन्वी अत्रेय सावंत दाईं ओर से दूसरे स्थान पर शामिल हैं।

Rotary PEOPLE OF ACTION

दयालुता के दो कार्य

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब पणजी रिवेरा, रो ई मंडल 3170 के कुछ सदस्यों ने जुलाई में दयालुता और उदारता के छोटे-छोटे कार्यों के माध्यम से दिखाया कि करुणा कई रूपों में सामने आती है। क्लब का स्थापना दिवस एक दृष्टिबाधित युवा तनीश किनलकर के लिए आशा की किरण लेकर आया, जो अपनी शारीरिक विकलांगता से जूझने के बावजूद, अपनी कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में बहुत प्रभावशाली 84 प्रतिशत अंक हासिल करने में सफल रहे।

जब उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए जाने की इच्छा व्यक्त की और यह पाया गया कि उन्हें अपनी शिक्षा में सहायता के लिए एक लैपटॉप की सख्त आवश्यकता है, तो क्लब की सदस्य मैथिली नाडकर्णी और उनके पति राहुल लगभग ₹28,000 की लागत वाले एक लैपटॉप के वित्तपोषण की पेशकश के साथ आगे आए।

दयालुता के एक अन्य कार्य में, जब तीन छोटे बच्चे - श्रुति, साक्षी और समर्थ मडकाइकर - अनाथ हो गए और अपने भविष्य के लिए बहुत अधिक आशा के बिना, क्लब के सदस्य

जयेश रायकर ने एक वर्ष के लिए बच्चों की शिक्षा को प्रायोजित करने के लिए आगे कदम बढ़ाया। उन्होंने ₹1.2 लाख दान देने की घोषणा की, जिससे अब बच्चों की फीस और अन्य संबंधित खर्चों के लिए हर महीने ₹10,000 उपलब्ध होंगे।■

क्लब के सदस्य जयेश रायकर भाई-बहन साक्षी, समर्थ और श्रुति के साथ।

जल साक्षरता के लिए
नेता तैयार करना

कल्पना खौंड

रोटरी फाउंडेशन और यूनेस्को-आईएचई इंस्टीट्यूट फॉर वाटर एजुकेशन ने जल और स्वच्छता पेशेवरों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए साझेदारी की। इन छात्रवृत्तियों का उद्देश्य विकासशील देशों में दुनिया की जल और स्वच्छता चुनौतियों का समाधान विकसित करना है और इसे आईएचई डेल्फ़्ट, नीदरलैंड में वाटर एंड सस्टैनबल डेवलपमेंट में मास्टर्स डिग्री के लिए अध्ययन करने वाले दुनिया भर के युवा और मध्य-कैरियर पेशेवरों को प्रदान किया जाता है। 2012 से रोटरी फाउंडेशन ने 31 देशों के 96 छात्रों को 5 मिलियन डॉलर से अधिक के कुल मूल्य के साथ 165 से अधिक छात्रवृत्तियां प्रदान की।

महामारी के दौरान गुवाहाटी, असम के एक युवा पेशेवर, साजिब मानस महंत ने TERI स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, नई दिल्ली से पर्यावरण अध्ययन और संसाधन प्रबंधन में चडल करके इस प्रतिष्ठित पाठ्यक्रम में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की। रो ई मंडल 3240 के डीजी और अन्य मंडल अधिकारियों के साथ एक ऑनलाइन साक्षात्कार आयोजित किया गया और उसे हमारे क्लब, रोटरी क्लब डिब्रूगढ़ द्वारा मंडल के नामित उम्मीदवार के रूप में अनुमोदित किया गया। टीआरएफ और रोटरी मंडल 1600 एवं 3240 के उदार समर्थन के साथ-साथ एक वैश्विक अनुदान के माध्यम से वह न केवल आईएचई में शामिल हुआ बल्कि उसे जल क्षेत्र के एक बड़े तंत्र का हिस्सा बनने का अवसर भी मिला।

इस बात को दृढ़ता से मानते हुए कि आज दुनिया के सामने सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक है पानी तक पहुँच इसलिए साजिब जल सेवाओं का अध्ययन करने के लिए आकर्षित हुआ। नीदरलैंड के सुरम्य शहर डेल्फ़्ट में उसने 2021 में एक परिवर्तनकारी शैक्षणिक यात्रा की शुरूआत की जिसे उसने दो साल बाद पूरा किया।

छात्रवृत्ति के प्रारंभिक चरण में छात्रों को नीदरलैंड के जीवन और संस्कृति के साथ-साथ उनके संपर्क में आने वाले रोटरी परिवार से परिचित कराने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। इस पाठ्यक्रम के छात्र आईएचई डेल्फ़्ट में या नीदरलैंड और उसके आसपास के देशों के रोटरी मंडलों में आयोजित मंडल कार्यक्रमों में इन छात्रवृत्तियों के लिए धन संचयन कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। आईएचई डेल्फ़्ट पहुंचकर साजिब की मुलाकात रोटरी होस्ट काउंसलर नीक जोंकमैन और टिटिया से हुई जो उनके लिए परिवार की तरह बन गए। उन्होंने उसे भारत में अपने घर से दूर एक घर प्रदान किया। वह जोंकमैन के साथ अनेक रोटरी कार्यक्रमों में गया और जल प्रशासन में अपने काम के साथ-साथ भारत से आईएचई तक की अपनी यात्रा को साझा किया।

पीडीजी बास हेंड्रिक्सन उन्हें नीदरलैंड में रोटरी क्लब रिज़सविक, वूरबर्ग और ग्रैनवेनहेज ऊस्ट के साथ-साथ बेल्जियम के क्लबों

IHE *डेल्फ़्ट इंस्टीट्यूट फ़ॉर वॉटर एजुकेशन के* MSc *वाटर मैनेजमेंट एंड गवर्नेंस की 2021-23 कक्षा।*

PDG कल्पना खौंड (दाएं से दूसरी) सिंगापुर में रो ई कन्वेंशन में TRF ट्रस्टी चेयर मार्क मेलोनी और उनकी पत्नी गे के साथ।

की अनेक रोटरी बैठकों में ले गए। उनकी MSc थीसिस जल ऑपरेटर साझेदारी में पारस्परिकता, नीदरलैंड के एक जल ऑपरेटर, विटेंस एविड्स इंटरनेशनल और दक्षिण-पूर्व अफ्रीका के मलावी में जल मंडलों के बीच सहयोग की खोज पर केंद्रित थी। अपनी शोध के माध्यम से उन्होंने पाया कि पारस्परिकता ने साझेदारी की प्रभावशीलता और सफलता में तो महत्वपूर्ण भूमिका निभाई मगर इसमें स्पष्ट, रैखिक मूल्यांकन प्रक्रिया का अभाव था। और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए साजिब ने मलावी में शोध किया और दो महीने तक वहाँ रहकर डेटा इकट्ठा किया और साक्षात्कार आयोजित किए। इस अनुभव ने उनकी थीसिस को समृद्ध किया और देश में पानी की पहुंच की चुनौतियों को लेकर गहन समझ प्रदान की। इससे उसे मलावी के स्थानीय लोगों के साथ आजीवन मित्रता बनाने का भी अवसर मिला।

साजिब आईएचई डेल्फ़्ट के प्रोफेसरों विशेष रूप से डॉ क्लास श्वार्ट्ज का आभारी हैं जिन्होंने उसके शोध प्रयास में अपना अटूट विश्वास दिखाते हुए समर्थन प्रदान किया। संस्थान के इस अनुभव ने न केवल उसकी अकादमिक गतिविधियों को आकार दिया बल्कि वैश्विक जल चुनौतियों का समाधान करने

“FINISH मोंडियल कार्यक्रम ने 1.5 मिलियन शौचालयों के निर्माण की सुविधा प्रदान की है, जिससे एशिया, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में 8 मिलियन व्यक्तियों को बेहतर स्वच्छता प्रदान हुई हैं।

साजिब महंता सेंट्रल रीजन वाटर बोर्ड, लिलोंग्वे, मलावी में थीसिस फ़ील्डवर्क पर।

महंता तिरुवरूर, तमिलनाडु में, WASTE NL, नीदरलैंड के लिए फ़ील्डवर्क करते हुए।

के लिए उसमें एक जिम्मेदारी की भावना का विकास करते हुए उसके दृष्टिकोण को व्यापक बनाया।

अपनी स्नातक की पढ़ाई के बाद उसने एक गैर सरकारी संगठन WASTE-NL के साथ अपनी एक परिपूर्ण यात्रा शुरू की जिसका मुख्यालय नीदरलैंड के हेग में स्थित है। WASTE-NL में उसकी जिम्मेदारियां प्रमुख प्रभाव मूल्यांकन अनुसंधान पहलों के साथ-साथ कार्यक्रमों की निगरानी और मूल्यांकन के इर्द-गिर्द घूमती थीं। वर्तमान में, वह FINISH मोंडियल कार्यक्रम में शामिल हैं, जो एक ऐसी दुनिया बनाने का महत्वाकांक्षी प्रयास प्रयास कर रहा है जहाँ प्रत्येक व्यक्ति के पास सुरक्षित रूप से प्रबंधित स्वच्छता तक पहुंच हो और वह आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें। 2009 में अपनी शुरुआत के बाद से यह कार्यक्रम उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ उम्मीद की एक किरण साबित हो रहा है। आज तक इसने 1.5 मिलियन शौचालयों का निर्माण करके एक प्रभावशाली सुविधा प्रदान की जिससे एशिया, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में आश्चर्यजनक रूप से आठ मिलियन लोगों को एक बेहतर स्वच्छता का लाभ मिला। इसके साथ ही इन प्रयासों ने निर्माण क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका के साथ 16 मिलियन कार्यदिवसों का सृजन किया जिससे आर्थिक विकास और सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला।

“2012 से, TRF ने 31 देशों के 96 छात्रों को 165 से अधिक छात्रवृत्तियाँ प्रदान की हैं, जिनका कुल मूल्य 5 मिलियन से अधिक है।

नीदरलैंड से प्राप्त ज्ञान और विशेषज्ञता के साथ साजिब ने भारत में क्षेत्रीय अध्ययन शुरू किया जिससे वह इस कार्यक्रम की सफलता को मूर्त परिणामों में बदलने का प्रयास करना चाहता हैं। ये क्षेत्रीय अध्ययन भारत के समुदायों द्वारा सामना की जाने वाली अनूठी चुनौतियों के अनुरूप अभिनव समाधानों एवं रणनीतियों को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण मंच के रूप में काम करते हैं। इसके अतिरिक्त उसकी पेशेवर यात्रा उसे दुनिया के विभिन्न कोनों में ले गई जिसमें केन्या का क्षेत्रीय दौरा भी शामिल है। इन अनुभवों ने उसे अमूल्य ज्ञान प्रदान किया, स्थानीय विषयों को लेकर उसकी समझ को विकसित किया और वैश्विक स्तर पर सकारात्मक बदलाव लाने में उसकी प्रतिबद्धता को दृढ़ किया।

रोटरी का यह युवा पूर्व छात्र जल प्रबंधन के क्षेत्र में योगदान करने और उन लोगों पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए तत्पर हैं जिनके पास इस अमूल्य संसाधन तक बेहतर पहुंच नहीं है। नीदरलैंड के रोटेरियनों से प्राप्त ज्ञान, मित्रता और मार्गदर्शन एवं देखभाल हमेशा उसके दिल से जुड़ी रहेगी जो उसे एक बेहतर दुनिया की खोज में दृढ़ संकल्प और संवेदना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहेगी।

एक रोटेरियन के रूप में मैं IHE Delft नीदरलैंड में हमारे अद्भुत छात्रवृत्ति कार्यक्रम के माध्यम से युवा जल पेशेवर के सपने को साकार करने का अवसर पाकर धन्य हूँ।

लेखिका RID 3240 की भूतपूर्व मंडल गवर्नर हैं।

अधिक जानकारी के लिए *https://www.un-ihe.org/education/master-programmes/rotary-scholarships-water-and-sanitation-professionals* पर जाएं।

Rotary PEOPLE OF ACTION

एक झलक

टीम रोटरी न्यूज़

एक डायलिसिस परियोजना

रोटरी क्लब कोट्टायम ईस्ट, रो ई मंडल 3211 ने रोटरी क्लब मैककिनी, टेक्सास, रो ई मंडल 5810 के साथ मिलकर शहर के दो अस्पतालों को 118,450 डॉलर मूल्य की एक एम्बुलेंस और किडनी डायलिसिस उपकरण प्रदान किए। 40 से अधिक कम विशेषाधिकार प्राप्त लोग सुविधाओं से लाभान्वित हो रहे हैं।

एक डायलिसिस परियोजना
रो ई मंडल 5810 के सदस्य परियोजना के अपने हालिया दौरे पर।

व्हीलचेयर वितरण

रोटरी क्लब गुवाहाटी लुइट ट्रस्ट द्वारा समर्थित आरसी गुवाहाटी लुइट, रो ई मंडल 3240 ने 50 शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को व्हीलचेयर वितरित की।

व्हीलचेयर वितरण
लाभार्थियों के साथ क्लब के सदस्य।

एक पुनर्वास पार्क
डीजी आर मुत्तैया पिल्लई, क्लब सदस्यों के साथ मायोपैथी संस्थान में।

एक पुनर्वास पार्क

रोटरी क्लब टिननेवेली, रो ई मंडल 3212 ने रोटरी क्लब लेक्सिंगटन आफ्टर आवर्स, रो ई मंडल 6740, यूएसए और टीआरएफ के साथ साझेदारी में, मस्कुलर डिस्ट्रॉफी वाले बच्चों के लिए मायोपैथी इंस्टीट्यूट, तिरुनेलवेली में शक्तिमान पार्क नामक एक पुनर्वास पार्क लागू किया है। संस्थान को फिजियोथेरेपी मशीनें भी दी गईं। परियोजना की लागत ₹ 64.18 लाख थी।

थैलेसीमिया देखभाल
डीवाई पाटिल अस्पताल में मजॉय जोनफ में क्लब के सदस्य।

थैलेसीमिया देखभाल

रोटरी क्लब नवी मुंबई, रो ई मंडल 3141 ने डीवाई पाटिल अस्पताल, नवी मुंबई में एक जॉय जोन बनाया ताकि रक्त निस्पंदन प्रक्रिया को उन 35 बच्चों के लिए एक मजेदार अनुभव बनाया जा सके जो थैलेसीमिया विकार के इलाज के लिए नियमित रूप से अस्पताल आते हैं।■

रोटरी क्लब बैंगलोर के 90 साल

वी मुत्तुकुमारन

रोटरी क्लब बैंगलोर, रो ई मंडल 3192 में फैलोशिप और सेवा सहज रूप से घुलमिल जाती है क्योंकि इसके 300 से अधिक सदस्य क्लब में सौहार्द पैदा करने वाली विशाल परियोजनाएं करने का आनंद लेते हैं जो अपने 90वां वर्ष का उत्सव मना रहा है। जुलाई 1934 में अधिकृत यह क्लब दक्षिण भारत का दूसरा सबसे पुराना और सदस्यता में देश का चौथा सबसे बड़ा रोटरी क्लब है जिसने दशकों से चिकित्सा, शिक्षा और सामुदायिक सेवाएं देने के लिए विशाल संरचनाओं का निर्माण किया है।

स्थापना के बाद से बेंगलुरु के इस प्रतिष्ठित क्लब ने ₹58 करोड़ की अनेक परियोजनाएं की हैं जिसने इस शहर और उसके आसपास के क्षेत्र के ₹40 लाख से अधिक लोगों के जीवन को छूआ हैं और यहाँ से 17 मंडल गवर्नर निकले हैं। एक शिक्षाविद् और संस्थान निर्माता स्वर्गीय पीआरआईडी पांडुरंगा शेट्टी इसी क्लब से थे। उन्होंने 1959 से कर्नाटक के अनेक सेवा-उन्मुख रोटेरियनों का मार्गदर्शन किया। ''जब मुझे अपने असामान्य रूप से विशाल एवं प्रभावशाली परियोजनाओं को करने के लिए उचित क्लब का चुनाव करने हेतु अपने रोटरी जीवन में संकट का सामना करना पड़ा तो मुझे शेट्टी द्वारा इस क्लब में आमंत्रित किया गया। उन्होंने मुझे इतने सौहार्द और प्यार से अपनाया कि मुझे घर जैसा महसूस हुआ। आरसीबी सिर्फ एक रोटरी क्लब ही नहीं है बल्कि यह अपने आप में एक संस्था है, एक तरह से बाहुबली है,'' डीजीएन रविशंकर डाकोजू कहते हैं जो रोटरी जगत में भारत से टीआरएफ को ₹100 करोड़ देने वाले दानकर्ता के रूप में लोकप्रिय हैं।

प्रतिष्ठित परियोजनाएं

1984 में 3-एच और 100,000 डॉलर के अन्य मिलान अनुदानों के माध्यम से स्थापित रोटरी बैंगलोर टीटीके ब्लड बैंक के पास हर साल प्रमुख अस्पतालों में 40,000 यूनिट रक्त और अन्य घटकों को इकट्ठा करने, संसाधित करने और उसे वितरित करने के लिए अत्याधुनिक उपकरण हैं। ''हमने स्टेम सेल

बेंगलुरु ग्रामीण जिले के कानेगोवदनहल्ली में क्लब के 50वें हैप्पी स्कूल में खुश छात्र।

रजिस्ट्री, इम्यूनोहेमेटोलॉजी, टिशू बैंकिंग और स्टेम सेल के प्रत्यारोपण के लिए डीकेएमएस, जर्मनी के साथ समझौता किया है। अब तक हमने ब्लड बैंक पर ₹15 करोड़ खर्च किए हैं,'' क्लब के पूर्व अध्यक्ष, रंगा राव वी एस कहते हैं। इस सुविधा की परिचालन लागत मासिक राजस्व, सीएसआर अनुदान और टीटीके समूह के समर्थन के माध्यम से पूरी की जाती है।

35 साल पुराने एक हाई स्कूल, रोटरी बैंगलोर विद्यालय में प्राथमिक स्तर से लेकर कक्षा 10वीं तक 550 बच्चे हैं और लगभग 30 शिक्षक है। उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा 11, 12) में अपग्रेड किए जा रहे इस रोटरी स्कूल में स्कूल यूनिफॉर्म, जूते, किताबें, बैग और मिड डे मील नि:शुल्क दिया जाता है।

''हम इस स्कूल में नई कक्षाओं को समायोजित करने के लिए दो नए खंड (1 करोड़) का निर्माण करेंगे, जो हमारे लिए गर्व और खुशी की बात है,'' क्लब की अध्यक्ष गौरी ओज़ा कहती हैं। पिछले कुछ वर्षों में क्लब ने नगर निगम, बीबीएमपी के साथ साझेदारी में 40 ग्रीनफील्ड स्कूलों का निर्माण किया है जिसमें लगभग 48,000 बच्चे पढ़ते हैं। ''जहाँ नागरिक प्राधिकरण द्वारा बढ़िया क्षेत्रों में भूमि प्रदान की गई वहीं हमने ₹45 लाख की लगत से प्रत्येक स्कूल का निर्माण किया जहाँ कक्षा 7 तक शिक्षा प्रदान की जा रही है,'' वह बताती हैं।

पिछले 5-6 वर्षों में क्लब ने रोटरी की TEACH पहल के अंतर्गत 128 हैप्पी स्कूल किए हैं और प्रत्येक परियोजना की लागत ₹3.5 लाख आई है। उन्होंने आगे कहा, ''लड़कियों एवं लड़कों के लिए शौचालय खंड अपग्रेड करने के साथ ही हमने बेंच, डेस्क, खेल उपकरण प्रदान किए है, ईमारत की मरम्मत करवाई है, आरओ वाटर प्लांट और हाथों की धुलाई के स्टेशन स्थापित किए हैं,'' वह आगे कहती है।

रंगा राव ने बताया कि वंचित परिवारों के बच्चों को आरामदायक माहौल प्रदान करने के लिए क्लब ने 81 आंगनवाड़ियों को नए रसोईघर, शौचालय, बेंच, डेस्क के साथ नवीनीकृत किया और प्रति केंद्र ₹2.2 लाख की कुल लागत से इमारत की मामूली मरम्मत करवाई है। हैप्पी आंगनवाड़ियों से अब तक 15,000 बच्चे लाभान्वित हुए हैं। ''हमने आंगनवाड़ियों को नली कली (मज़ेदार खेल) टेबल और कुर्सियां भी दी हैं जिससे इन नन्हे-मुन्नों के चेहरों पर खुशी आ जाएगी,'' गौरी मुस्कुराते हुए कहती हैं।

स्वास्थ्य देखभाल परियोजनाएं

चिकित्सा क्षेत्र में 156 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) को फ्रिज, वैक्यूम क्लीनर, वॉशिंग मशीन जैसे उपकरणों से लेकर चिकित्सा उपयोगिताओं

> आर सी बी कोई साधारण रोटरी क्लब नहीं है, यह अपने आप में एक संस्था है, एक तरह से बाहुबली।
>
> **रविशंकर डाकोजू**
> मंडल गवर्नर नामित

रोटरी हाउस ऑफ फ्रेंडशिप में स्वतंत्रता दिवस पर क्लब अध्यक्ष गौरी ओज़ा के साथ रोटरी क्लब बैंगलोर के सदस्य। बैठे हुए (बाएं से): डीजीएन रविशंकर डाकोजू, एम सी दिनेश और सचिव सोहिल शाह।

जैसे ऑक्सीजन सिलेंडर, अस्पताल के बिस्तर, सर्जरी लाइट, नेबुलाइज़र, ईसीजी मशीन, डिजिटल स्टेथोस्कोप, बीपी उपकरण, सक्शन पंप और आटोक्लेव; और लैपटॉप, यूपीएस आदि जैसी प्रशासनिक सुविधाओं तक की आपूर्ति की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान की गई। ''प्रत्येक पीएचसीयों को 2 लाख की उपयोगिताओं एवं चिकित्सा उपकरणों का दान किया गया जिससे एक वर्ष में 20 लाख से अधिक रोगियों को लाभ हुआ,'' उन्होंने आगे कहा। डएडउज और श्नाइडर इलेक्ट्रिक के साथ एक संयुक्त पहल में क्लब गांवों में 100 पीएचसीयों में प्रसूति वार्डों को 24x7 बिजली प्रदान करने के लिए सौर पैनल स्थापित करेगा जिस के लिए प्रत्येक केंद्र पर ₹3.5 लाख खर्च होंगे।

भारत की आईटी राजधानी में किडनी की बीमारियों के बढ़ते मामलों को देखते हुए, हमने अस्पतालों और पीएचसीयों को 50 डायलिसिस मशीनें (₹8.5 लाख प्रति यूनिट) दान की हैं और उनमें से सभी सीएसआर अनुदान और क्लब दान के माध्यम से वित्त पोषित हैं, गौरी कहती हैं। लगभग एक दशक पहले केंगेरी के राजराजेश्वरी अस्पताल में 27 डायलिसिस मशीनें स्थापित की गई ''जहाँ 800 रोगियों को हर महीने किफायती दरों पर इसका लाभ प्राप्त होता है।'' चन्नासांद्रा में रोटरी मुथप्पा अट्टवर मेमोरियल अस्पताल में हर महीने लगभग 1,000 रोगियों का निदान किया जाता है जो क्लब और राजराजेश्वरी अस्पताल द्वारा समर्थित है। एक वैश्विक अनुदान के तहत इस क्लब की योजना 100 हृदय सर्जरियाँ करने की है जिसमें से 60 सर्जरी अब तक पूरी हो चुकी हैं। ''हम योग्य रोगियों को प्रत्येक सर्जरी के लिए ₹56,000 की सब्सिडी देते हैं,'' राव कहते है।

> “इस रोटरी क्लब में हमारी संगति और जुड़ाव ने मेरा जीवन पूरी तरह से बदल दिया है।
>
> **गौरी ओज़ा**
> अध्यक्ष, रोटरी क्लब बैंगलोर

दक्षिण भारत के सबसे बड़े बर्न वार्ड में से एक को क्वीन विक्टोरिया अस्पताल में स्थापित किया गया था जिसमें 26 बिस्तर थे।

पलार नदी का कायाकल्प

चिकबल्लापुरा जिले के एक छोटे से शहर कैवारा और उसके आसपास 400 एकड़ से अधिक भूमि पर हरित योद्धाओं की एक टीम 50,000 पौधे लगा रही हैं, जहाँ पलार नदी अपने ऊपरी बेसिन से निकलती है। ''हमने स्कूलों, आंगनवाड़ियों, पीएचसीयों, पुस्तकालयों को अपग्रेड करके और हाई मास्ट लाइटें लगाकर छह गांवों में ग्रामीण बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाया है,'' वह बताते हैं। पलार बहाली परियोजना पर अब तक ₹2.2 करोड़ खर्च हो चुके है।

'होम ऑफ होप फॉर द होमलेस' नामक एक कौशल विकास केंद्र (एसडीसी) 800 रहवासियों को खराद मशीनों, बढ़ईगीरी, सिलाई और पौधों की नर्सरी में प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिनमें से ज्यादातर निराश्रित पुरुष और महिलाएं है जो अपने जीवन के अंतिम चरण में हैं। क्लब ने एसडीसी के निर्माण में कोलिन्स एयरोस्पेस के साथ साझेदारी की है जिसे एक सामाजिक कार्यकर्ता और प्रभावशाली व्यक्ति ऑटो राजा द्वारा चलाया और प्रबंधित किया जाता है।

क्लब की अध्यक्ष गौरी, प्रधानाध्यापिका टी सुधा और ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) बी जी जगदीश, एनसीसी बैच और शिक्षकों के साथ, स्वतंत्रता दिवस पर रोटरी बैंगलोर विद्यालय में।

छात्रवृत्ति

हर साल 200 से अधिक छात्रवृत्तियां दी जाती हैं जिनमें स्कूल स्तर पर छात्राओं के लिए विशाला हयाग्रीव छात्रवृत्ति और रोटरी मेंडा शैक्षिक छात्रवृत्ति शामिल है जिससे प्रत्येक वर्ष 175 छात्र लाभान्वित होते हैं और ये उनमें बहुत लोकप्रिय है।

जेनिथ और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन हर साल 100 गरीब छात्रों के लिए बीएड छात्रवृत्ति प्रायोजित करते हैं। अब तक इस कार्यक्रम के अंतर्गत अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा संचालित एक फिनिशिंग स्कूल में ₹43 लाख प्रति वर्ष की लागत से 400 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है। आंशिक रूप से सीएसआर साझेदारों द्वारा वित्त पोषित स्मार्ट विजन चश्में (₹45,000) 184 दृष्टिबाधित व्यक्तियों को दिए गए ताकि उन्हें इस विशेष चश्मे में एम्बेडेड एआई सॉफ्टवेयर और ऑडियो-फेशियल रिकॉग्निशन टूल के साथ सामान्य जीवन जीने में मदद मिल सके।

नगर निगम और अन्य गैर सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी में क्लब ने ₹28 लाख की लागत से एक एंटी-रैबीज अभियान और जागरूकता अभियान चलाया। पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में गिद्ध महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं लेकिन पशुधन पर डाइक्लोफेनेक रसायनों के दुरुपयोग के कारण भारत में ऊंची उड़ान भरने वाले इन पक्षियों की संख्या घटकर सिर्फ 10,000 रह गई है। ''हम ग्रामीण क्षेत्रों में पशुधन के इलाज में इस रसायन का उपयोग न करने पर जागरूकता पैदा करते हैं क्योंकि जब गिद्ध इन पशुओं के शवों को खाते है तो वह मर जाते है,'' राव कहते हैं।

रोटरी हाउस ऑफ फ्रेंडशिप

राव याद करते हैं कि क्लब ने 1960 में एक निजी उद्यम से ₹50,000 में जमीन का एक भूखंड खरीदा था और ''हमें अपनी स्वयं की इमारत बनाने में सात साल लग गए जिसमें ढकी हुई छत पर हाउस ऑफ फ्रेंडशिप है जिसमें फेलोशिप और रात्रिभोज के लिए 200 लोग समायोजित हो सकते है।''

एक एकेएस सदस्य और पक्के रोटेरियन एन एस श्रीनिवास मूर्ति के लिए, ''हम रोटरी बैंगलोर के आदी हो गए हैं जहाँ फेलोशिप अपने सर्वोत्तम स्तर पर है। मैं दो दशक पहले क्लब में शामिल हुआ था और इसने सेवा के प्रति मेरे दृष्टिकोण में कितना बदलाव लाया है,'' वह उत्साहित होकर कहते हैं। उनसे सहमति जताते हुए डाकोजू कहते हैं, ''रोटरी बैंगलोर के एक सदस्य को किसी अन्य सामाजिक संगठन की आवश्यकता नहीं है क्योंकि यहाँ सब कुछ अंतर्निहित है।''

बेंगलुरु ग्रामीण जिले के गोल्लाहल्ली में हैप्पी स्कूल में बच्चों के लिए नए खेल उपकरण।

क्लब से 13 साल की उम्र में विद्यार्थी छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता, आंशिक श्रवण हानि के साथ दृष्टिहीन, चंदना सी रोटरी क्लब एबिलिटीज की अध्यक्ष हैं, जो रोटरी बैंगलोर द्वारा विकलांगों के लिए प्रायोजित एक क्लब है। ''अपने मूल क्लब से मिली पहली छात्रवृत्ति ने उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मेरी मदद की और अब मैं अर्न्स्ट एंड यंग में कार्यरत हूँ। इसके अलावा मैंने अनेक कॉर्पोरेट पुरस्कार जीते। मैंने एक रोटेरियन से इस विशेष क्लब के बारे में जाना था और तुरंत इसमें शामिल हो गई।''

गौरी ओज़ा 26 साल पहले इस क्लब में शामिल हुई थीं, 12 साल तक राउंड टेबल (लेडीज सर्कल) में रहने के बाद। ''इस रोटरी क्लब में हमारी फेलोशिप और जुड़ाव के साथ मेरा जीवन नाटकीय रूप से बदल गया,'' वह मुस्कुराती है। उनकी कार्य नीति पर एक नज़र डालते हुए राव कहते है, ''हमारे कार्यक्रम और आयोजन तीन महीने पहले से तय हो जाते हैं। हम अपनी परियोजनाओं में अपने रोटरेकटरों और इनर व्हील सदस्यों को भी शामिल करते हैं जिससे हमारी सार्वजनिक छवि को बढ़ावा मिलता हैं।''

दो एकेएस सदस्यों और 10 प्रमुख दानकर्ताओं के साथ 330 सदस्यों वाले इस क्लब ने अब तक टीआरएफ को 12 मिलियन डॉलर दिए हैं। 100 प्रतिशत पीएचएफ क्लब ने 34 रोटरी, चार रोटरेक्ट और 11 इंटरेक्ट क्लब प्रायोजित किए हैं। बैंगलोर का रोटरेक्ट क्लब भारत के सबसे पुराने क्लबों में से एक है जिसका गठन 56 साल पहले हुआ था और इसने कई प्रभावशाली परियोजनाएं की है।

> “हम रोटरी क्लब बैंगलोर के आदी हो गए हैं, जहाँ भाईचारा अपने चरम पर है। मैं दो दशक पहले इस क्लब में शामिल हुआ था, और इसने सेवा के प्रति मेरे दृष्टिकोण में कितना बड़ा बदलाव लाया है।
>
> **एन एस श्रीनिवासा मूर्ति**
> ए के एस सदस्य

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

मंडल दीआरएफ योगदान

वार्षिक कोष (AF) में SHARE, फोकस के क्षेत्र और विश्व कोष शामिल हैं। पोलियोप्लस में बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन शामिल नहीं है।

जुलाई 2024 तक

स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

(अमेरिकी डॉलर में)

मंडल संख्या		एनुअल फण्ड	पोलियो प्लस फंड	एंडोमेंट फण्ड	अन्य निधि	कुल योगदान
2981		91,254	2,335	29,777	48,101	171,467
2982		78,602	2,171	32,160	64,429	177,362
3000		272,496	55,048	53,760	1,024,105	1,405,409
3011		253,520	35,898	52,080	1,721,151	2,062,649
3012		111,174	544	0	444,544	556,263
3020		153,971	190,803	160,214	535,670	1,040,657
3030		219,895	31,911	13,609	262,015	527,430
3040		16,144	1,200	100	122,183	139,627
3053		106,572	1,934	10,000	86,705	205,211
3055		159,351	5,702	60,727	9,728	235,509
3056		126,817	886	50,000	40,400	218,102
3060		378,455	11,100	86,639	638,308	1,114,503
3070		42,740	751	0	24	43,516
3080		176,828	29,133	49,125	100,180	355,265
3090		107,453	2,830	26,000	192,807	329,089
3100		128,793	7,212	25,301	80,550	241,857
3110		19,809	1,030	0	109,179	130,018
3120		73,665	631	16,684	10,342	101,322
3131		912,836	23,651	262,244	1,847,427	3,046,157
3132		202,902	8,259	10,000	128,705	349,866
3141		757,132	87,636	144,121	3,127,937	4,116,826
3142		432,731	121,545	25,985	196,835	777,096
3150		102,484	32,825	161,423	161,836	458,569
3160		88,668	2,572	0	3,432	94,672
3170		410,238	51,962	27,102	231,608	720,910
3181		310,815	3,682	31,000	1,581	347,078
3182		104,322	5,687	25,624	67,557	203,189
3191		160,729	16,190	60,976	765,403	1,003,298
3192		170,812	21,746	421,687	500,581	1,114,825
3201		356,009	85,764	50,784	1,682,028	2,174,585
3203		92,970	45,055	12,348	32,672	183,045
3204		71,769	4,628	0	34,292	110,689
3211		228,905	5,086	27,325	138,443	399,759
3212		243,334	65,164	52,602	129,400	490,501
3231		9,273	10,240	5,314	28,392	53,218
3232		113,585	31,875	55,973	2,533,263	2,734,697
3240		232,417	17,470	34,000	478,338	762,225
3250		86,036	11,554	26	103,684	201,300
3261		215,226	15,630	25,181	70,214	326,251
3262		82,836	8,741	16,078	93,350	201,005
3291		294,376	10,958	169,311	59,549	534,193
3220	Sri Lanka	106,758	14,130	34,953	9,766	165,607
3271	Pakistan	15,857	87,578	0	93,141	196,576
*3272	Pakistan	4,342	385	0	25	4,752
*3281	Bangladesh	80,569	2,105	3,000	264,728	350,403
*3282	Bangladesh	90,726	4,982	1,000	9,116	105,824
3292	Nepal	185,298	44,142	19,999	470,312	719,752
63	(former 3272)	16,036	1,288	0	0	17,324
64	(former 3281)	31,517	5,479	2,000	0	38,996
65	(former 3282)	4,945	321	0	9,000	14,266

*** Undistricted**

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से

दक्षिण एशिया के मिलियन डॉलर मंडल और ग्लोबल गिविंग रैंक

Zone	District	Total TRF Contribution	Worldwide Rank	Rank in South Asia
4	3141	$4,116,626	1	1
7	3131	$3,051,157	4	2
5	3232	$2,734,456	6	3
5	3201	$2,174,585	11	4
4	3011	$2,062,649	13	5
5	3000	$1,405,409	26	6
7	3192	$1,114,825	44	7
4	3060	$1,113,794	45	8
7	3020	$1,040,657	52	9
7	3191	$1,003,298	56	10

वार्षिक निधि देने और वैश्विक रैंक में दक्षिण एशिया के शीर्ष मंडल

Zone	District	Annual Fund Total	Worldwide Rank in Annual Fund giving	Rank in South Asia in Annual Fund giving
7	3131	$917,836	15	1
4	3141	$756,932	24	2
4	3142	$432,731	75	3
7	3170	$405,550	84	4
4	3060	$378,455	100	5

रोटरी वर्ष 2023-24 के लिए दक्षिण-एशिया से धन संचयन समारोह की मुख्य विशेषताएं:

- भारत ने टीआरएफ में अपना अब तक का सबसे अधिक योगदान, कुल 31.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर दिए है और दुनिया भर में दूसरे सबसे बड़े योगदानकर्ता के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखी।
- रो ई मंडल 3141 TRF को कुल 4.1 मिलियन डॉलर के योगदान के साथ दुनिया में 1 रैंकिंग पर है।
- पहली बार भारत के पांच मंडलों ने 2 मिलियन यूएस डॉलर का आंकड़ा पार किया वहीं दस मंडलों ने 1 मिलियन यूएस डॉलर की सीमा को पार किया (कृपया नीचे दी गई सूची देखें)।
- दक्षिण एशिया से कुल 29 नए AKS सदस्य (स्तर परिवर्तन सहित) थे, जिसमें भारत से 27 AKS सदस्य थे।
- कुल मिलाकर 75 प्रतिशत क्लबों ने टीआरएफ में योगदान दिया; 11 मंडलों - 3055, 3141, 3142, 2982, 3220, 3100, 3240, 3020, 3131, 3132 और 3182 - ने 100 प्रतिशत गिविंग क्लब का दर्जा हासिल किया।
- दक्षिण एशिया ने 37 प्रतिशत पर अपना उच्चतम दाता प्रतिशत दर्ज किया जिसमें रो ई मंडल 3292 95 प्रतिशत दाता भागीदारी के साथ अग्रणी रहा इसके बाद रो ई मंडल 3060 और 3181 69 प्रतिशत दाता भागीदारी पर रहे।
- दक्षिण एशिया से इस सूची में कुल 614 नए प्रमुख दानकर्ताओं (स्तर परिवर्तन सहित) को जोड़ा गया जिससे इस क्षेत्र में कुल मिलाकर 7,000 से अधिक प्रमुख दाता हो गए हैं।
- दक्षिण एशिया से कुलीन पॉल हैरिस सोसाइटी की सदस्यता ने 362 नए सदस्यों का स्वागत किया जिससे यह संख्या बढ़कर 2,064 हो गई।

प्रत्येक रोटेरियन प्रत्येक साल

रोटरी फाउंडेशन के वार्षिक कोष के लिए आपका उपहार रोटरी सदस्यों को स्थानीय और वैश्विक स्तर पर सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम बनाता है। Annual Fund SHARE के लिए दान को अनुदान में बदल दिया जाता है जो परियोजनाओं, छात्रवृत्ति और अन्य पहलों का समर्थन करते है।

आज दें: *rotary.org/donate* पर

और अधिक जानें: *my.rotary.org/annual-fund* पर

आपके गवर्नर्स से मिलिए

वी मुत्तुकुमारन

चेतन देसाई
आईटी परामर्श, रोटरी क्लब बोरीवली,
रो ई मंडल 3141

क्लबों को जीवंत, अनूठा बनाना

उनका दृष्टिकोण क्लबों को जीवंत और अनूठा बनाना है ताकि वे *रोटरी के जादू* को आगे बढ़ा सकें। चेतन देसाई का लक्ष्य 700 नए सदस्यों को जोड़ना और 12 नए क्लबों को चार्टर करना है, जिससे जून 2025 तक उनकी संख्या क्रमशः 6,700 से अधिक और 130 से अधिक हो जाएगी।

प्रोजेक्ट वाइब्रेंट आंगनवाड़ी मुंबई से 100 किमी दूर जवाहर, मोखाडा इलाकों में आदिवासी बस्तियों में 436 बाल देखभाल केंद्रों को बदल देगा, जिससे 26,000 से अधिक बच्चों का जीवन प्रभावित होगा। ''सीएसआर और वैश्विक अनुदान दोनों द्वारा वित्त पोषित ₹6 करोड़ की परियोजना, सेविकाओं (शिक्षकों) को प्रशिक्षित करेगी और आंगनवाड़ी सुविधाओं का नवीनीकरण करेगी।''

दर्द रहित, शून्य-विकिरण अमेरिकी तकनीक के माध्यम से लगभग 1 लाख महिलाओं की स्तन कैंसर की जांच की जाएगी; 2,000 बाल हृदय शल्य चिकित्सा की योजना बनाई गई है; 1,000 सरकारी स्कूल शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा और 200 वृद्धाश्रमों को आवश्यक चीजें उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने क्लबों से सीएसआर-इंडिया अनुदान का उपयोग करने का आग्रह किया ताकि उन्हें टीआरएफ योगदान के रूप में पहचाना जा सके। टीआरएफ देने के लिए, उनका लक्ष्य 7 मिलियन डॉलर इकट्ठा करना है, और पहले 25 दिनों में, आठ रोटेरियन ने AKS सदस्य बनने का वादा किया है। 2003 में वह रोटरी में शामिल हुए।

एस विक्रमदत्त
शिक्षा, रोटरी क्लब डेरालकट्टे,
रो ई मंडल 3181

यज्ञांसि महापात्र
आउटडोर मीडिया, रोटरी क्लब भुवनेश्वर
तोशाल, रो ई मंडल 3262

एम राजनबाबू
निर्माण, रोटरी क्लब तिरुवन्नामलाई,
रो ई मंडल 3231

बुजुर्ग मरीजों के लिए चिकित्सा

भारतीय नौसेना के पूर्व मुख्य तकनीकी अधिकारी विक्रमदत्त को सामुदायिक कार्य करना अच्छा लगता है। वह याद करते हैं, 15 साल तक नौसेना में रहने और कई देशों की यात्रा करने के बाद, मैं 2010 में रोटरी की ओर आकर्षित हुआ, क्योंकि इसकी सामुदायिक सेवा, फ़ेलोशिप और अनुशासन ने मुझे आकर्षित किया।'' उन्हें अगले साल जून के अंत तक 300 नए सदस्यों को शामिल करने और छह नए क्लबों को नियुक्त करने का भरोसा है, जिससे उनकी संख्या क्रमश: 4,000 और 95 हो जाएगी।

उनकी पसंदीदा परियोजना, *संध्या सुरक्षा* (बुजुर्गों के लिए सुरक्षा), ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में लाइलाज बीमारी का सामना कर रहे कम से कम 1,000 बुजुर्ग मरीजों को दवाएं, रिक्लाइनर बेड, गतिशीलता सहायता और पश्चिमी शौचालय प्रदान कर रही है। ''हम 450 शैक्षणिक संस्थानों में सर्वाइकल कैंसर जागरूकता सत्र आयोजित कर रहे हैं। अगर वैक्सीन की कीमत कम होती है तो हम टीकाकरण शिविर भी लगाएंगे।'' रोटरी क्लब सुलिया विशेष बच्चों के लिए एक फिजियोथेरेपी केंद्र को चिकित्सा उपकरण (जीजी: ₹50 लाख) दान करेंगे; जबकि रोटरी क्लब पुत्तूर एक सरकारी अस्पताल के साथ संयुक्त रूप से मैमोग्राफी शिविर (जीजी: ₹35 लाख) आयोजित करेगा।

टीआरएफ देने के लिए उनका लक्ष्य 400,000 है।

गरीब विक्रेताओं के लिए कार्ट

मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है यही महापात्र का जीवन दर्शन है। 250 की शुद्ध सदस्यता वृद्धि का लक्ष्य रखते हुए, जिससे कर्मचारियों की संख्या 4,250 से अधिक हो जाएगी, ''मैं कम से कम 15 नए क्लब भी किराए पर लूंगा जो 117 क्लबों की वर्तमान ताकत में शामिल हो जाएंगे,'' वे कहते हैं।

मंडल वर्ष के दौरान 10-15 वैश्विक अनुदानों के लिए आवेदन करेगा। उन्होंने बरहामपुर के मीनाक्षी अस्पताल में एक डायलिसिस केंद्र (जीजी: ₹60 लाख) का उद्घाटन किया और ₹20 लाख के सीएसआर फंड के माध्यम से, लगभग 80 क्लब 300 से अधिक खुदरा विक्रेताओं को वेंडिंग कार्ट वितरित कर रहे हैं जो *प्रोजेक्ट स्वाबलंबी* (आत्मनिर्भरता) के तहत बीपीएल परिवारों से संबंधित हैं। शीघ्र ही बालासोर के सरकारी अस्पताल में ₹25 लाख के जीजी के माध्यम से एक पैथोलॉजी सेंटर स्थापित किया जाएगा।

ओडिशा के ग्रामीण इलाकों में लगभग 50 स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे। फाउंडेशन के लिए उनका लक्ष्य 250,000 डॉलर इकट्ठा करने का है। मेरी सेवा गतिविधि को और विस्तारित करने के लिए, वह 2008 में रोटरी में शामिल हुए। ''रोटरी में पीआरआईपी राजेंद्र साबू मेरे आदर्श हैं।''

मंडल नेताओं के लिए प्रशिक्षण

मिशन उत्कृष्टता राजनबाबू द्वारा चुनी गई जिला थीम है, क्योंकि ''हमारा ध्यान क्लब अध्यक्षों और जिला पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देने पर है ताकि वे अपनी जिम्मेदारियों को संभालने और अपने कर्तव्यों को निभाने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हों।''

नए सदस्यों को पेश करने वाले रोटेरियन को मान्यता दी जाएगी, और महानिदेशक 1,000 नए सदस्यों को शामिल करना चाहते हैं और 10 नए क्लबों को चार्टर करना चाहते हैं, जिससे उनकी संख्या क्रमशः 4,500 से अधिक और 104 हो जाएगी। वह बताते हैं, ''हमारा लक्ष्य सरकारी स्कूलों के लिए 20 शौचालय ब्लॉक बनाना और 50 हैंडवॉश स्टेशन स्थापित करना है, जिसके लिए हम या तो वैश्विक अनुदान के लिए आवेदन करेंगे या सीएसआर फंड का इस्तेमाल करेंगे।'' प्रत्येक क्लब *प्रोजेक्ट दिनमदिनम दिझ्म* (दैनिक योजना) के तहत सभी 365 दिनों में पौधे लगाएगा, और शहरी क्षेत्रों में मियावाकी वन बनाएगा।

लगभग 100 चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएंगे, और तीन क्लबों ने जीजी के माध्यम से डायलिसिस केंद्र स्थापित करने में रुचि दिखाई है। कम से कम 10 जीजी परियोजनाएं (₹50-60 लाख) प्रारूपण चरण में हैं। उनका लक्ष्य टीआरएफ के लिए 700,00 डॉलर देने का है। ''2005 में जब मैं रोटरी में शामिल हुआ, तब से फाउंडेशन परियोजनाएं मुझे सक्रिय रहने के लिए प्रेरित करती हैं।''

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

मंडल गतिविधियाँ

RID 2981

RID 3012

RID 3030

RID 3060

रोटरी क्लब नागापट्टिनम विंग्स
रो ई मंडल 2981

दिहाड़ी मजदूर वेंकटेश (44) को अपने घायल पैर के इलाज के लिए ₹25,000 की राशि दी गयी।

रोटरी क्लब सोनीपत मिडटाउन
रो ई मंडल 3012

दिल्ली सीमा, कुंडली और सोनीपत के पास 40 दृष्टिबाधित व्यक्तियों को सेंसर वाली सफेद छड़ी दान की गई।

RID 3020

रोटरी क्लब राजमुंदरी रिवर सिटी
रो ई मंडल 3020

पीडीजी भास्कर राम और पूर्व अध्यक्ष काशी विश्वेश्वर राव द्वारा उद्घाटन किए गए छह दिवसीय एक्यूप्रेशर शिविर में 500 से अधिक लोगों का इलाज किया गया।

रोटरी क्लब अमरावती
रो ई मंडल 3030

डॉ पंजाबराव देशमुख मेमोरियल मेडिकल कॉलेज में 100 से अधिक महिलाओं ने पैप स्मीयर परीक्षण कराया। रोटरी क्लब बुरहानपुर सहभागीदार रहे।

रोटरी क्लब वाधवान मेट्रो
रो ई मंडल 3060

प्रोजेक्ट अन्नपूर्णा के तहत सैकड़ों लोगों को भोजन एवं छाछ वितरित किया गया।

RID 3070

RID 3120

RID 3080

RID 3132

RID 3110

रोटरी क्लब जालंधर साउथ
रो ई मंडल 3070

कैपसंस फाउंडेशन की सी एस आर फंडिंग से बुधियाना गांव में एक वृद्धाश्रम में एक शौचालय ब्लॉक (₹90,000) बनाया गया था।

रोटरी क्लब नाहन सिरमौर हिल्स
रो ई मंडल 3080

हिमाचल प्रदेश के पुरबियन गांव के सरकारी प्राथमिक विद्यालय में छात्रों को स्वेटर और मोज़े वितरित किए गए।

रोटरी क्लब आगरा
रो ई मंडल 3110

आगरा मंडल जेल में 300 कैदियों, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे, के लिए एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया, दवाएं और चश्मे वितरित किए गए।

रोटरी क्लब प्रयागराज प्लैटिनम
रो ई मंडल 3120

विश्व प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस पर सड़क किनारे फल, सब्जी विक्रेताओं को रोटरी व्हील के साथ लगभग 5,000 कपड़े के थैले वितरित किए गए।

रोटरी क्लब पंढरपुर
रो ई मंडल 3132

पंढापुर आने वाले तीर्थयात्रियों को 1,000 से अधिक भोजन के पैकेट और बड़े पेपर बैग वितरित किए गए।

Rotary PEOPLE OF ACTION

विशेष बच्चों के लिए तिरुपति दर्शन

टीम रोटरी न्यूज़

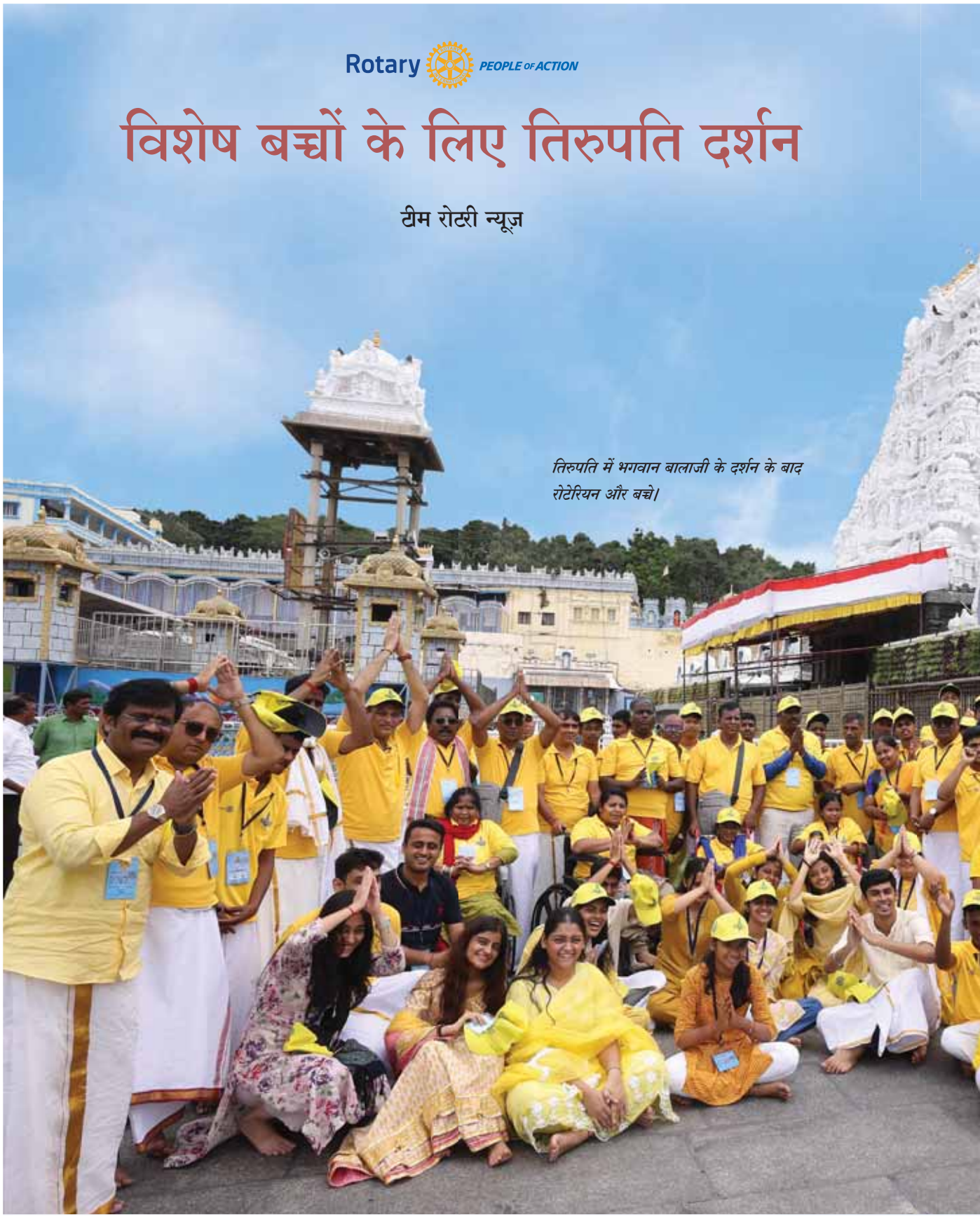

तिरुपति में भगवान बालाजी के दर्शन के बाद रोटेरियन और बच्चे।

दाएं: रो ई निदेशक अनिरुद्धा रॉयचौधरी चेन्नई में रेलवे स्टेशन पर बच्चों से बातचीत करते हुए।

प्रोजेक्ट श्री बालाजी दर्शन विद गॉड्स चिल्ड्रन के अंतर्गत रो ई मंडल 3233 द्वारा भगवान बालाजी के विशेष दर्शन के लिए चेन्नई से 1,000 से अधिक दिव्यांग बच्चों को एक चार्टर्ड ट्रेन में तिरुपति ले जाया गया।

तिरुपति के लिए इस विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाते हुए रो ई निदेशक अनिरुद्धा रायचौधरी ने मंडल गवर्नर महावीर चंद बोथरा द्वारा निर्देशित इस परियोजना के अध्यक्ष पंकज कांकरिया और उनकी टीम की सराहना करते हुए कहा, ''रो ई मंडल 3233 के टीम प्रयास की वजह से ही इतना बड़ा कार्यक्रम संभव हो पाया है।''

तमिलनाडु के मंत्री पी के शेखर बाबू चेन्नई के सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर सुबह इस ट्रेन को हरी झंडी

दाएं से: पीडीजी गण ताराचंद दुगर, एन नंदकुमार, आई एस ए के नाज़र, बाबू पेराम, एस मुत्तुपलनियप्पन, जी चंद्रमोहन और आर श्रीनिवासन।

डीजी महावीर बोथरा बच्चों को दोपहर का भोजन परोसते हुए।

दिखाने के अवसर पर मुख्य अतिथि थे। उनके साथ दक्षिणी रेलवे के मंडल प्रबंधक विश्वनाथ एरिया और अन्य अधिकारी भी थे। रेनीगुंटा रेलवे स्टेशन पर आंध्र प्रदेश के मंत्री अनम रामनारायण रेड्डी, तिरुपति के विधायक अरणी श्रीनिवासुलु, टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी श्यामला राव और राज्य के अन्य अधिकारियों ने बच्चों का स्वागत किया।

''बच्चों को 36 आंध्र प्रदेश राज्य सरकार की बसों द्वारा तिरुमाला ले जाया गया और उन्हें दोपहर में भगवान बालाजी के अच्छे दर्शन हुए जो स्थानीय सलाहकार समिति के अध्यक्ष शेखर रेड्डी और अन्य रोटेरियनों द्वारा की गई व्यवस्था के कारण संभव हो पाया जिन्होंने एलएसी के साथ समन्वय किया,'' डीजी बोथरा ने कहा।

चेन्नई की अरुसुवई कैटरिंग ने बच्चों को तीन बार का शानदार भोजन प्रदान किया। उन्हें एक स्मार्ट हैंडबैग, रोटरी के प्रतीक वाली पीले रंग की टी-शर्ट और भगवान बालाजी की एक तस्वीर, मिनरल वाटर, बिस्कुट और पेन एवं राइटिंग पैड भी दिए गए। रोटेरियन और डॉक्टरों ने बच्चों के साथ यात्रा की ताकि यात्रा के दौरान उनको किसी भी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

रो ई मंडल 3233 ने TTD में अन्नधनम को ₹1.51 लाख का दान दिया। ''विशेष बच्चों के साथ तिरुपति की यह रेल यात्रा हमेशा हमारे दिल में याद बनकर रहेगी,'' डीजी बोथरा ने आगे कहा।■

ओलंपिक भावना

जेसन कीसर

एक सदाबहार ओलंपिक स्वयंसेवक
खेलों और रोटरी में एकजुटता पाता है

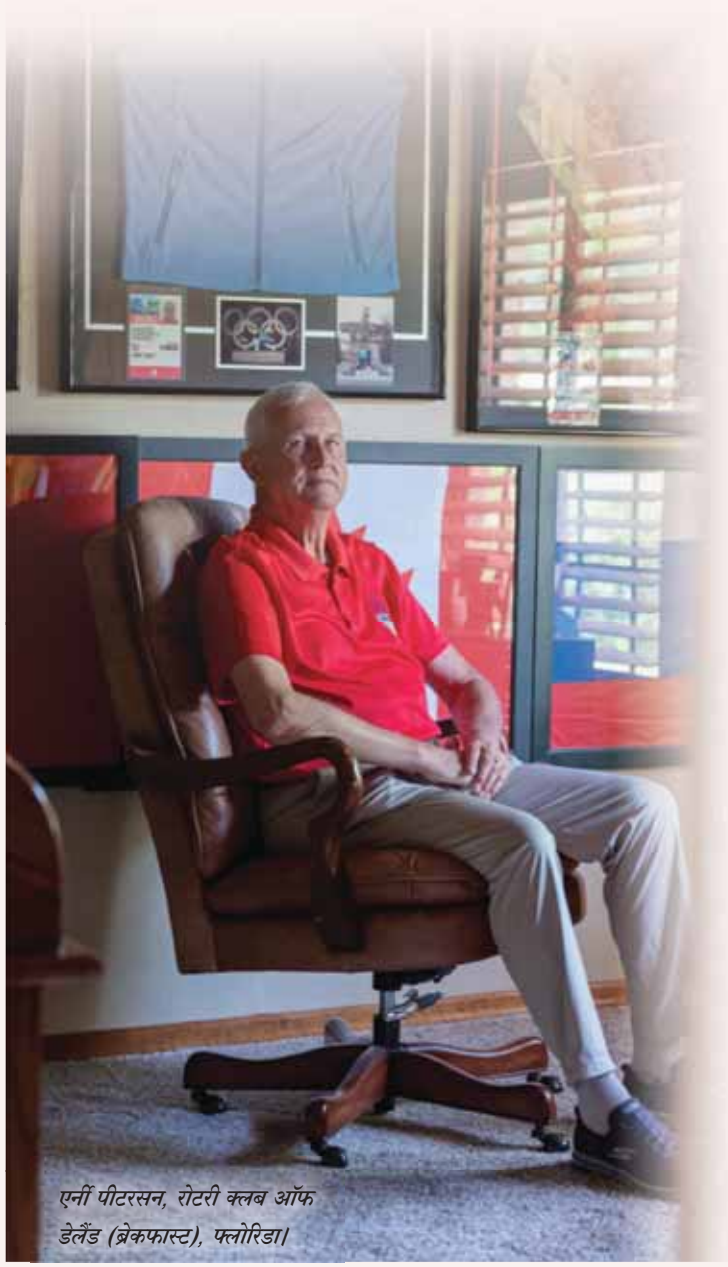

एर्नी पीटरसन, रोटरी क्लब ऑफ डेलैंड (ब्रेकफास्ट), फ्लोरिडा।

1950 के दशक में एक बच्चे के रूप में, एर्नी पीटरसन टीवी पर ओलंपिक देखते थे। ''मैं मोहित होकर खेल को देखता था और सोचता था, 'एक दिन इन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखना कितना अच्छा होगा।''' पेरिस में इस गर्मी में, पीटरसन ने एक स्वयंसेवक के रूप में अपने छठे ओलंपिक खेलों में भाग लिया। वह ऐसे शौकीन व्यक्तियों के एक चुनिंदा समूह का हिस्सा है जो टिकटों को लेने से लेकर दर्शकों को अपनी सीट खोजने में मदद करने तक सब कुछ करने के लिए खेलों में स्वेच्छा से सेवा देते हैं।

2002 के बाद से, डेलैंड, फ्लोरिडा, के एक सेवानिवृत्त संपत्ति मूल्यांकक पीटरसन ने साल्ट लेक सिटी, टोरिनो, वैंकूवर, सोची और रियो में खेलों में मदद की है, ज्यादातर मीडिया सहायक के रूप में जिसमें वे एथलीटों को खेलों के बाद साक्षात्कार के लिए ले जाते है। वह स्कीयर लिंडसे वॉन, तैराक माइकल फेल्प्स और स्नोबोर्डर शॉन व्हाइट सहित कई स्वर्ण पदक विजेताओं से मिले हैं, जिनकी एकाग्रता एवं तीव्रता पर वह आश्चर्यचकित हुए।

हालांकि, उनके सबसे यादगार क्षणों में से एक रूस के सोची में दो स्कीयरों को ढलान से नीचे आने के बाद अपनी मां को गले लगाते देखना था, जिनमें से एक ने स्वर्ण पदक जीता था और दूसरा चौथे या पांचवें स्थान पर रहा था, लेकिन उनके माता-पिता को दोनों पर समान रूप से गर्व था। ''उनके माता-पिता की प्रतिक्रिया से कोई यह नहीं बता सकता था कि किसने स्वर्ण जीता,'' वह कहते हैं। वह बहुत ही मार्मिक क्षण था।

इस साल, पीटरसन के साथ अब तक की सबसे अच्छी चीज़ हुई: उन्हें उद्घाटन समारोह एवं एफिल टॉवर के बगल में आउटडोर बीच वॉलीबॉल मैचों में काम करने का मौका मिला। और भाग्य का फिर से साथ मिला - जब उन्हें रहने के लिए जगह नहीं मिली, तो एक साथी रोटेरियन ने उनकी मेजबानी करने की पेशकश की। और यह पहली बार नहीं है; वह अन्य ओलंपिक में रोटेरियनों के साथ रहे और बदले में, फ्लोरिडा में उनकी मेजबानी भी की।

पीटरसन कहते हैं कि ओलंपिक और रोटरी में बहुत कुछ समान है: सांस्कृतिक आदान-प्रदान, अंतर्राष्ट्रीयता, और जैसन कीसर के शब्दों में कहे तो ''दुनिया के लिए कुछ अच्छा करने की इच्छा।''

©Rotary

इतिहास से मिले सबक

चीन पर एक पुरानी किताब पाठकों को यह दिखाकर चौंकाती है कि सत्ता कैसे काम करती है

संध्या राव

अंग्रेजी इतिहासकार लॉर्ड एक्टन ने इतिहास लिखने के संदर्भ में 1887 में चर्च ऑफ इंग्लैंड के बिशप क्रेयटन को लिखे एक पत्र में कहा: 'मैं आपके इस अधिनियम को स्वीकार नहीं कर सकता कि हमें पोप और किंग को अन्य पुरुषों के विपरीत इस अनुकूल धारणा के साथ आंकना चाहिए कि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया। यदि कोई धारणा है तो वो इन सत्ताधारकों के विपरीत है जो सत्ता के बढ़ने के साथ और भी मजबूत होती जाती है। ऐतिहासिक जिम्मेदारी को कानूनी जिम्मेदारी की कमी को पूरा करना होगा। सत्ता भ्रष्ट कर देती है और पूर्ण सत्ता पूरी तरह से भ्रष्ट कर देती है।'

ऐतिहासिक दस्तावेजों से पता चलता हैं कि कैसे निरंकुश सत्ता तानाशाही को जन्म देती है। सभ्यताएं आती हैं और चली जाती हैं, राजतंत्र शासन करते हैं और ढह जाते हैं, सरकारें जब अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाने लगती है तो हटा दी जाती है, नेताओं को उन समूहों, समुदायों, गांवों, कस्बों, शहरों, राष्ट्रों, क्षेत्रों से बाहर निकाल दिया जाता है जहाँ लोगों को उनके कार्य गलत और हरकतें अनुचित लगती हैं। हमारा हालिया इतिहास ऐसे अनेकों उदाहरणों से भरा हुआ है जिन्होंने परिवर्तन को जन्म दिया, चाहे वह बीट पीढ़ी के गीत हों, पोलैंड के गोदी मजदूरों द्वारा लोकतंत्र समर्थक प्रयास हो, अरब विरोध का उद्भव हो, काले कानूनों के खिलाफ किसानों का विरोध प्रदर्शन हो या हाल ही में बांग्लादेश में छात्रों का गुस्सा हो। सब की चाबी लोगों के हाथ में है।

ये सभी विचार मेरे मन में तब आए जब मैं *चाइना वेक्स: द स्ट्रगल फॉर द सोल ऑफ ए राइजिंग पावर* नामक एक बहुत मोटी किताब पढ़ रही थी। यह एक पुरानी किताब है जिसे 1994 में पहली बार पत्रकार निकोलस डी क्रिस्टोफ और शेरिल वुडन द्वारा प्रकाशित किया गया था। वे पत्रकारिता के लिए पुलित्जर जीतने वाले पहले विवाहित जोड़े थे, जब 1990 में उन्हें लोकतंत्र समर्थक छात्रों के आंदोलन और 1989 के तियाननमेन स्क्वायर विरोध प्रदर्शन पर उनकी रिपोर्टिंग के लिए मान्यता दी गई। यह किताब उस समय के चीन पर उनके अध्ययन और समझ पर आधारित है जब वह वो आर्थिक शक्ति बनने के लिए आगे बढ़ रहा था जो वो आज है; इसके साथ ही यह एक रोमांचक थ्रिलर की तरह लगती है क्योंकि यह एक सर्वसत्तावादी राज्य के शासन की व्याख्या करती है जिसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, सत्ता का दुरुपयोग, बेजुबानों का उत्पीड़न, किसानों की अधीनता... शामिल है। लेखकों ने वैकल्पिक अध्याय लिखे हैं जिसमें शेरिल वुडन के चीनी मूल के अमेरिकी ने उनके परिप्रेक्ष्य को एक अतिरिक्त, व्यक्तिगत आयाम दिया है।

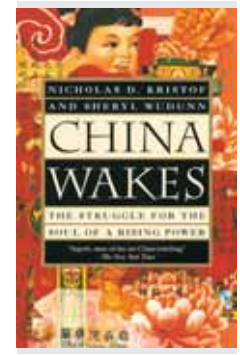

इस किताब को पढ़कर मुझे अप्रैल 2022 के वर्ड्सवर्ल्ड लेख की भी याद आ गई जिसका शीर्षक था 'बांग्लादेश के पचास साल', जिसमें तहमीमा अनम की एक काल्पनिक त्रयी का जिक्र था; जो बांग्लादेश की आज़ादी के बाद आईआईएम-कलकत्ता के तीन छात्रों द्वारा ढाका की सहज यात्रा पर आधारित एक किताब है; और सलिल त्रिपाठी का दूरदर्शी शीर्षक *द कर्नल हू वुड नॉट रिपेंट: द बांग्लादेश वॉर एंड इट्स अनक्वाइट लेगेसी।* इसे उद्धृत करते हुए: 'शीर्षक में... लेफ्टिनेंट कर्नल फारूक रहमान का संदर्भ है जिन्होंने 15 अगस्त, 1975 को शेख मुजीब के प्रति वफादार एक अर्धसैनिक बल *रोक्खी वाहिनी* को निरस्त्र करने के लिए अपनी कमान के तहत सेना की टैंक इकाई, बंगाल लांसर्स का नेतृत्व किया और उसके बाद शेख मुजीब और उनके परिवार को खत्म करने के लिए अधिकारियों और सैनिकों की एक टीम का नेतृत्व किया। केवल दो बेटियां, उनमें से एक वर्तमान प्रधान मंत्री शेख हसीना बच गईं क्योंकि वे उस समय विदेश में थीं।' खैर, अब हम सभी जानते हैं कि शेख हसीना बांग्लादेश से भाग गई है और हम में से कई लोगों ने बोंगो बंधु मुजीबुर रहमान की प्रतिमा को गिराए जाने के दृश्य को देखा हैं, सभी संभावनाओं में भीड़-उन्माद ही इसका कारण है। शायद इस किताब को पढ़ने का यह उचित समय है ताकि

आंशिक रूप से ही सही यह तो समझा जा सके कि बांग्लादेश में चल क्या रहा है और साथ ही इस पूरे क्षेत्र को भी समझा जा सके।

चीन के समकालीन इतिहास के दिलचस्प या जिज्ञासु पहलुओं को जानने की उम्मीद में ही मैंने शांतचित्त के साथ चाइना वेक्स को पढ़ना शुरू किया। हालाँकि मुझे जल्द ही ऐसे अनेक बिंदु मिले जिनके साथ मैं अपने भौगोलिक दायरे और उसके आसपास जो कुछ भी हुआ या हो रहा है, के साथ समानताएं देख सकती थी। इसने स्पष्ट शब्दों में यह बताया है कि सत्ता और पूर्ण सत्ता के संबंध में विभिन्न संदर्भों और संयोजनों में व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों रूपों में मनुष्य के कार्य करने के तरीकों में इतिहास खुद को दोहराता है। यह सिक्के के दोनों पहलुओं पर समान रूप से लागू होता है।

मैं आपसे आग्रह करती हूँ कि इस किताब के अंशों के कुछ नमूनों के आधार पर आप अपने निष्कर्ष निकालें।

यह अंश पृष्ठ 54 से है: मखेल शुरू होने के कुछ महीने पहले हमने स्टेडियम रोड के किनारे पर निर्माण होते देखा। हफ्तों बाद इस निर्माण ने आकार लेना शुरू किया और हमने एक मंच सेट की तरह एक सपाट सीमेंट की दीवार देखी... और अधिक सप्ताह बीतने के बाद इस दीवार को ग्रे रंग से रंगा गया और उसपर सफेद रेखाएं खींची गई यह दिखाने के लिए कि यह ईंटों से बनी है। घर अब पूरी तरह से छिप गए और इस सड़क से यह सेट एक बड़े आलीशान निवास की ईंट की दीवार जैसा दिखता था...

पृष्ठ 169 पर आप आधिकारिक तौर पर आयोजित यात्राओं के बारे में निम्नलिखित पढ़ते है: म...समय के साथ हमें यह स्पष्ट हो गया कि अधिकारी केवल वास्तविकता में हेरफेर नहीं करते। वे झूठ भी बोलते हैं जिन लोगों ने कभी चीन का दौरा नहीं किया उन्होंने इस देश का दौरा करने वालों की तुलना में अधिक सटीक रूप से वर्णन किया। अधिकांश महत्वपूर्ण रिपोर्टिंग... समय की कसौटी पर खरी उतरती है। लेकिन चीन जाने वाले यात्रियों ने इस बारे में बहुत बढ़ा-चढ़ा कर लिखा कि चीनी कम्यून्स के साथ कितने खुश थे और ये छवि अब कितनी अनुभवहीन और हास्यास्पद लगती हैं।फ

निकोलस डी क्रिस्टोफ और शेरिल वूडन, चाइना वेक्स के लेखक।

कुछ पन्नों बाद (175): मपार्टी किसानों से धन निकालती है और शहरवासियों को सब्सिडी देती है विशेषरूप से इस डर से कि कहीं असंतुष्ट शहरी श्रमिक विरोध करने के लिए सड़कों पर न उतर जाएं। यह तीसरी दुनिया की एक आम घटना है। यूरोप और उत्तरी अमेरिका में सरकारें किसानों को सब्सिडी देती हैं और उन्हें उत्पादन न करने के लिए भुगतान करती हैं या फिर उन्हें 'कई, दूध और गेहूं के लिए बाजार से अधिक कीमतों पर भुगतान करती हैं। चीन जैसे विकासशील देशों में सरकारें शहरी अशांति को लेकर चिंतित रहती हैं इसलिए वे किसानों को उनके कपास, कोको और चावल के लिए बाजार की कीमतों से कम भुगतान करती हैं ताकि शहरवासियों के लिए सस्ता भोजन सुनिश्चित किया जा सके।'

चुप्पी की साजिश के बारे में पढ़िए पेज 244-245 पर क्या लिखा है: 'चीन में खामोशी की इस संस्कृति के पीछे क्या था? किसी ने शासन के खिलाफ विरोध क्यों नहीं किया? अधिकांश प्रमुख बुद्धिजीवियों ने सार्वजनिक रूप से उस बात का समर्थन किया जिसकी उन्होंने निजी तौर पर निंदा की थी आम नागरिक भी इसमें बराबरी से दोषी है...

पश्चिम में, हमारे पास सार्वजनिक रूप से बोलने की सुविधा है कि हम क्या सोचते हैं। प्रतिकारक समझौतों के लिए मजबूर होने की अवधारणा को हम शायद ही समझते हैं। लेकिन चीन में हर कोई ये समझौता करता है और सवाल बस यह है कि इसकी सीमा कहाँ है।'

चाइना वेक्स देश की कहानी के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं पर नज़र डालता है, इस प्रकार पाठक को इस बात का तार्किक विश्लेषण मिलता है कि यह मानवाधिकार के मोर्चे पर अपने अनेक संदिग्ध कार्यों के साथ दुनिया का आर्थिक अग्रदूत कैसे बन गया। लेखक इसकी आर्थिक सफलताओं के लिए एक दिलचस्प व्याख्या प्रस्तुत करते हैं: मचीन का आर्थिक उछाल एक प्रकार की रासायनिक प्रतिक्रिया प्रतीत होता है। पहला घटक कन्फ्यूशियस विरासत था जिसने शिक्षा और बचत पर जोर दिया। फिर माओवादी क्रांति आई जिसने देश को एकजुट किया, जमींदोज हितों को तोड़कर भूमि को विभाजित किया और वित्तीय एवं मानव पूंजी की आपूर्ति की। तीसरा घटक था, देंग शियाओपिंग की अर्ध-पूंजीवादी नीतियां। इनमें से कोई भी कारक अपने आप में पर्याप्त नहीं था; संयोजन में वे विस्फोटक रहे हैं।फ

और पृष्ठ 445 पर इस किताब के अंत में कहीं लेखक लिखते हैं: 'प्राचीन यूनानी दार्शनिक हेराक्लिटस ने कहा था कि आप कभी भी एक ही नदी में दो बार कदम नहीं रख सकते। क्योंकि पानी बहता है इसलिए नदी हमेशा अलग होती है। हम 1988 में एक चीन में पहुंचे थे और हमने 1993 के अंत में एक बहुत ही अलग चीन को छोड़ा था। यह अधिक समृद्ध, स्वस्थ और अधिक आत्मविश्वासी था... जेलर अभी भी राजनीतिक कैदियों को प्रताड़ित करते हैं लेकिन अब परिवार के सदस्य शिकायत करते हैं और कभी-कभी प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करते हैं।'

चीन में खामोशी की इस संस्कृति के पीछे क्या था? किसी ने शासन के खिलाफ विरोध क्यों नहीं किया? अधिकांश प्रमुख बुद्धिजीवियों ने सार्वजनिक रूप से उस बात का समर्थन किया जिसकी उन्होंने निजी तौर पर निंदा की थी आम नागरिक भी इसमें बराबरी से दोषी है...

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

रोटरी क्लब सांगली को मिला नया एडमिन ब्लॉक

टीम रोटरी न्यूज़

1948 में गठित रोटरी क्लब सांगली, रो ई मंडल 3170 ने अपने प्लैटिनम जुबली वर्ष के समापन को चिह्नित किया, जिसमें डीजी नासिर बोरसदवाला और उद्योगपति विश्वास चितले ने ₹1.25 करोड़ की कुल लागत से एक नए प्रशासनिक ब्लॉक और एक पुनर्निर्मित स्विमिंग पूल का उद्घाटन किया। पूरी लागत सदस्यों के दान से पूरी की गई। क्लब के अध्यक्ष सलिल लिमये (2023-24) के नेतृत्व में, ''हमने महत्वपूर्ण वर्ष के दौरान समुदाय के लिए कई उल्लेखनीय परियोजनाएँ की हैं,'' पिछले अध्यक्ष बिपिन शेवाडे ने कहा।

यहां दशकों से क्लब द्वारा स्थापित की गई कुछ सुविधाएं और बनाए गए केंद्र हैं:

रिमांड होम (1952)

1952 में, एक चार्टर सदस्य, राजाभाऊ देसाई ने बेघर, अनाथ बच्चों को रहने के लिए एक घर किराए पर दिया, इस प्रकार वे उनके लिए पालक माता-पिता बन गए। पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''बाद में, रोटेरियन्स द्वारा धन जुटाया गया और अब यह 2.5 एकड़ परिसर में एक विशाल इमारत है जिसमें 200 से अधिक अनाथ बच्चों को आश्रय दिया गया है।''

1960 में, सांगली के पूर्व महाराजा, चिंतामनराव पटवर्धन के 71वें जन्मदिन को मनाने के लिए, रोटेरियन्स ने ₹1.11 लाख जुटाए, और पूर्व राजा के समान योगदान के साथ, डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी के माध्यम से एक वाणिज्य कॉलेज की स्थापना की गई। भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति एस राधाकृष्णन द्वारा उद्घाटन किया गया, चिंतामनराव कॉलेज ऑफ कॉमर्स अब यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों की पेशकश करने वाला उत्कृष्टता केंद्र है।

सतारा जिले के ताराडगांव गांव में पानी की लगातार कमी के कारण किसानों की दुर्दशा से प्रभावित होकर, क्लब के सक्रिय सदस्य चाफलकर बंधुओं ने एक सहकारी समिति के तहत एक लिफ्ट सिंचाई परियोजना का नेतृत्व किया, जो नीरा नदी से पानी की आपूर्ति करती थी। इस नीतीश लाहिड़ी सिंचाई परियोजना (1962) को रोटरी से सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड मिला, और हमने स्थानीय किसानों की सिंचाई जरूरतों को पूरा करने के लिए एक सीमेंट पाइप फैक्ट्री भी स्थापित की।

कैंसर रोगियों के इलाज के लिए, सिविल अस्पताल में कोबाल्ट थेरेपी के लिए एक गहरी एक्स-रे इकाई स्थापित की गई थी, जिसके सदस्यों ने 1970 में ₹10,000 से अधिक का दान दिया था।

टीआरएफ ट्रस्टी भरत पांड्या क्लब के प्लेटिनम जुबली समारोह के हिस्से के रूप में एक लड़की को सिलाई मशीन भेंट करते हुए। डीजीई अरुण भंडारे (दाएं से तीसरे), पीडीजी रविकिरण कुलकर्णी (बाएं से चौथे) और अरवाडे सनतकुमार वासुदेव (दाएं से दूसरे) भी चित्र में शामिल हैं।

रोटरी कॉम्प्लेक्स में एम ए परांजपे हेल्थ क्लब।

मिराज में एक विशेष संस्थान, रामभाऊ भिड़े बधिर और मूक विद्यालय की स्थापना की गई थी। 1972 में सांगली जिले का शहर, और 1974 में सांगली में डॉ शिरगांवकर ब्लड बैंक की स्थापना की गई थी। क्लब के पूर्व अध्यक्ष वाईएम परांजपे ने 1975 में ताराबाई परांजपे आई बैंक ट्रस्ट और रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना में मदद की थी।

रोटरी कॉम्प्लेक्स

अपने चार्टर के 25 वर्ष पूरे होने पर, 1974 में एक रोटरी सिल्वर जुबली ट्रस्ट का गठन किया गया, जिसने अपना स्वयं का रोटरी कॉम्प्लेक्स, एक सामुदायिक हॉल, खेल सुविधाओं, स्विमिंग पूल और एक सुंदर उद्यान के साथ एक बहुउद्देश्यीय परिसर बनाने का निर्णय लिया। सांगली नगर पालिका ने सिविल अस्पताल के पास 3.5 एकड़ जगह दान की, और 1983 में ₹75 लाख की लागत से एक मेगा रोटरी कॉम्प्लेक्स बनाया गया। शेवाडे ने कहा, ''परिसर में आधुनिक निस्पंदन संयंत्र वाला स्विमिंग पूल कई युवाओं को राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए प्रशिक्षित करने में मदद करता है। उद्यान और आसपास के परिदृश्य में 1,500 से अधिक पेड़ हैं।''

1980 के दशक के मध्य से कई सामुदायिक परियोजनाओं में तेजी आई, जैसे कवाथे एकंद गांव में श्मशान; रोटरी कॉम्प्लेक्स में डॉ एम ए परांजपे हेल्थ क्लब; दिव्यांग बच्चों के लाभ के लिए योग हॉल; ₹6.5 लाख की लागत से बना सामुदायिक भवन; स्वर्गीय महेश शाह द्वारा प्रायोजित एक हरा-भरा लॉन (₹5 लाख) जहां सामाजिक समारोह आयोजित किए जाते हैं, जिससे क्लब को मासिक आय होती है; जॉगिंग ट्रैक, पूर्व अध्यक्ष पी जी पुरोहित के परिवार के सदस्यों द्वारा प्रायोजित (₹1.25 लाख); जयपुर फुट सेंटर (उषामोहनी विकास पुनर्वास केंद्र) 2001 में मोहनीचंद्र देसाई (₹2.5 लाख) और सिल्वर जुबली ट्रस्ट के योगदान से। 1997 में क्लब ने 140 से अधिक व्यापारियों, व्यापारिक घरानों, कारीगरों और उद्यमियों के उत्पादों का प्रदर्शन करते हुए एक मेगा व्यापार मेले की मेजबानी की।

स्वर्ण जयंती परियोजना

स्वर्ण जयंती वर्ष (1998-99) के दौरान, ₹25 लाख की कुल लागत पर मैचिंग ग्रांट (एमजी) के तहत सवाली गांव में वंचित परिवारों के लिए कम लागत वाले घरों का निर्माण किया गया था। रोटरी क्लब सिंगापुर, कुचिंग सेंट्रल (मलेशिया), रैफल्स सिटी (सिंगापुर), नोवी (मिशिगन, यूएस), नैरोबी और टीआरएफ मैचिंग पार्टनर थे। बाबासाहेब चितले मेमोरियल ट्रस्ट (भीलावाड़ी मिराज सेरामिका के) के सहयोग से स्थापित एक वाटर एटीएम। रोटरी कॉम्प्लेक्स में, ₹5 में 20 लीटर पानी उपलब्ध कराया जाता है।

क्लब ने 2018 में जीजी के माध्यम से एक रोटरी स्किन बैंक की स्थापना की। रोटरी क्लब स्वीडन के एमजी के साथ जालिहाल गांव में ₹40 लाख की सोलर लाइटें लगाई गईं; जबकि छोटे एमजी ने स्कूलों में कंप्यूटर उपलब्ध कराने, पेयजल बूथ और वर्षा जल संचयन स्थापित करने और मोतियाबिंद सर्जरी करने में मदद की। जीजी के माध्यम से, 11 हैप्पी स्कूल पूरे किए गए, विवेकानंद अस्पताल में एक नवजात शिशु आईसीयू स्थापित किया गया, भिलावाड़ी शिक्षण संस्थान में कक्षा सुविधाओं को उन्नत किया गया और कोविड के इलाज के लिए उपकरण खरीदे गए।

दो साल(2022-24) में, क्लब ने ₹31 लाख की कुल लागत पर रोटरी क्लब ओमाहा मार्नी (नेब्रास्का, यूएस) के साथ साझेदारी में वैश्विक अनुदान के माध्यम से 1,000 लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ टीका लगाया। पीडीजी सनत कुमार अरवाडे, दिवंगत किशोर मगदुम और रविकिरण कुलकर्णी इस सांगली क्लब से हैं। रोटरी क्लब कोल्हापुर द्वारा प्रायोजित, सांगली क्लब में 154 सदस्य हैं, फरवरी 1949 में इसका चार्टर प्रस्तुत होने के बाद से 11 गुना की वृद्धि हुई है। ■

कज़ाख शिखर पर स्वतंत्रता दिवस का जश्न

टीम रोटरी न्यूज़

रोई मंडल 3100 की डीजीएन पायल गौर के नेतृत्व में रोई मंडल 3100 और 3141 के 87 रोटेरियन के लिए, यह कज़ाकिस्तान के अल्माटी में मध्य एशिया के सबसे बड़े स्की रिसॉर्ट शिम्बुलक में 77वें स्वतंत्रता दिवस और रोटरी फैलोशिप का दोहरा उत्सव था। यह आयोजन रोटरी के वैश्विक सौहार्द की भावना का प्रतीक बना। पायल याद करती हैं कि ''कज़ाख नागरिक भी भारतीय रोटेरियन के साथ इस जश्न में शामिल हुए जिन्होंने हमारा तिरंगा लहराकर और हमारा अभिवादन करके हमारा स्वतंत्रता दिवस मनाया। मनमोहक परिदृश्य में भारतीय तिरंगा फहराया गया था।'' ■

सदस्यता सारांश

स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

1 अगस्त 2024 तक

रो ई मंडल	रोटरी क्लब	रोटेरियनों की संख्या	महिला रोटेरियन (%)	रोटरेक्ट क्लब	रोटरेक्ट सदस्य	इंटरेक्ट क्लब	आरसीसी
2981	138	5,814	5.66	54	68	32	254
2982	91	3,845	5.44	26	328	88	187
3000	148	6,152	11.95	60	643	230	217
3011	138	5,179	30.97	61	1,125	196	41
3012	162	4,003	24.06	52	599	103	61
3020	84	4,939	8.16	32	626	114	351
3030	100	5,561	16.13	50	767	486	387
3040	98	2,321	14.26	32	506	55	214
3053	73	3,063	16.06	23	321	39	131
3055	82	3,310	12.63	42	650	52	379
3056	86	3,695	25.25	18	140	98	201
3060	102	4,960	15.58	48	1,800	70	146
3070	115	3,024	15.08	31	193	55	63
3080	109	4,241	12.97	53	1,351	168	127
3090	133	2,678	6.76	19	345	354	173
3100	114	2,203	10.67	13	57	35	151
3110	135	3,621	11.52	13	65	59	112
3120	89	3,667	15.82	36	399	28	56
3131	141	5,326	35.13	104	1,938	275	175
3132	96	3,757	14.08	25	293	108	217
3141	118	6,076	27.49	106	1,881	184	244
3142	113	3,835	22.37	51	1,478	115	99
3150	108	3,900	12.51	79	1,228	113	130
3160	79	2,512	9.83	24	103	95	82
3170	144	6,404	14.83	82	981	176	182
3181	89	3,621	10.80	37	364	89	122
3182	85	3,625	10.59	45	206	96	104
3191	93	3,108	18.28	63	1,535	136	36
3192	89	3,475	21.21	45	1,101	147	40
3201	169	6,521	9.66	94	1,369	104	95
3203	97	4,964	7.13	27	395	124	39
3204	81	2,611	7.85	18	80	14	13
3211	161	5,133	8.71	7	52	23	135
3212	122	4,514	10.48	78	390	205	153
3231	94	3,459	7.26	25	120	39	417
3233	86	2,797	16.95	39	1,016	46	63
3234	95	3,665	23.87	49	1,369	82	41
3240	99	3,480	16.49	34	520	47	243
3250	109	4,195	21.48	29	392	58	192
3261	108	3,463	25.04	17	90	26	45
3262	115	3,822	15.83	80	737	645	287
3291	141	3,710	26.85	NA	NA	83	762
India Total	**4,629**	**170,249**		**1,821**	**27,621**	**5,292**	**7,167**
3220	70	1,946	16.91	73	2,947	136	77
3271	108	1,413	20.17	101	404	275	28
0063 (3272)	85	1,132	21.02	47	293	23	49
0064 (3281)	283	5,838	18.09	190	1,016	118	214
0065 (3282)	148	2,961	9.32	166	1,132	24	47
3292	159	5,427	19.29	141	4,107	114	138
S Asia Total	**5,482**	**188,966**	**15.98**	**2,539**	**37,520**	**5,982**	**7,720**

शौक जो धरती पर बोझ नहीं डालते

प्रीति मेहरा

कुछ गतिविधियाँ ऐसी हैं जिनका आनंद आप प्रकृति को नुकसान पहुंचाए बिना ले सकते हैं।

गूगल के सह-संस्थापक लैरी पेज ने एक बार कहा था, ''आप कभी भी एक सपना नहीं खोते हैं,'' यह सिर्फ एक शौक के रूप में विकसित होता है, और यही उन लोगों के लिए होता है जो एक स्थायी जीवन शैली अपनाते हैं। उनके जीवन की तरह, उनके शौक भी ग्रह को नुकसान न पहुंचाने, अपने खाली समय में ऐसे काम करने की इच्छा से प्रेरित हैं जो पृथ्वी पर कर नहीं लगाते हैं और न ही कार्बन पदचिह्न छोड़ते हैं।

इस लेख को लिखने के लिए मुझे जिन तीन लोगों ने प्रेरित किया, वे तीन लोग हैं जिन्हें मैं वर्षों से करीब से जानता हूं। वे अपना सप्ताहांत ऐसे शौक पूरे करने में बिताते हैं जो अक्सर उन्हें घिसे-पिटे रास्ते से हटकर एक ऐसी दुनिया में ले जाता है जो जीवंत, रंगीन और प्रकृति के साथ पूर्ण सामंजस्य में है। इस जादुई दुनिया में भागने के लिए, वे किसी ट्रैवल एजेंट या पर्यटक गाइड की सेवाएं नहीं लेते हैं। वे बस अपने शहर के पड़ोस के पार्क या हरे-भरे स्थानों पर जाते हैं और खोज शुरू करते हैं।

दिल्ली में मेरे एक पड़ोसी को पक्षी देखना (Bird Watching) बहुत पसंद है। दूरबीन की एक जोड़ी और अपने कैमरे से लैस होकर वह सुबह-सुबह अपने बैग में नाश्ता और नींबू पानी लेकर अपनी साइकिल पर निकल पड़ता है। वह दक्षिण दिल्ली में अपने घर से कुछ किलोमीटर दूर किसी पार्क या ओखला पक्षी अभयारण्य तक साइकिल से जाता है और अपने पक्षी मित्रों को देखने और अपनी डायरी में कभी-कभार नोट्स लेने में घंटों बिताता है।

वह इसके साथ-साथ अपने दूसरे शौक में भी शामिल होता है जो पक्षी-दर्शन के साथ-साथ चलता है - फोटोग्राफी। उड़ते हुए पक्षियों की उनकी तस्वीरें, एक ही पंख वाले पक्षियों का एक साथ झुंड में आना और परिदृश्य की छवियां और दिल्ली की धुंधली सुबह में सूरज के अपने आप में आने पर आकाश के बदलते रंग परिवार और दोस्तों को बेदम कर देते हैं।

''जब मैं प्रकृति के साथ समय बिताता हूं, तो मैं अपनी सभी सांसारिक चिंताओं को भूल जाता हूं। मैं अपने व्यस्त जीवन को भूल जाता हूं और शांति की अनुभूति पाता हूं। यह बहुत आरामदायक है,'' वह कहते हैं। बहुत बार, सुखद सर्दियों के महीनों के दौरान केवल भूख की पीड़ा ही होती है जो उसे सामान पैक करने और दोपहर के भोजन के लिए साइकिल से घर जाने के लिए मजबूर करती है।

उनकी सूची में अगला काम ड्रोन फोटोग्राफी सीखना है, ताकि वह किसी भी तरह से छेड़छाड़ किए बिना प्रकृति की तस्वीरें ले सकें। वह कहते हैं, ''मैं अपने पैरों के निशान भी पीछे नहीं छोड़ूंगा।''

एक अन्य मित्र की खोज बहुत अलग है, लेकिन उसका उद्देश्य एक ही है - अपने खाली समय को अपनी रचनात्मकता में व्यस्त रखना और कचरे से कलाकृतियाँ तैयार करना। हां, उसने पिछले कुछ वर्षों से सिलाई करना शुरू कर दिया है और दोस्तों और परिवार से बेकार कपड़े इकट्ठा करती है और सबसे आकर्षक कुशन, रनर, एप्रन, जो कुछ भी वह मानती है कि वह दोबारा उपयोग में ला सकती है, उसे सिलती है। फिर वह हर कुछ महीनों में एक बार गेराज बिक्री की घोषणा करती है और उससे प्राप्त आय को एक चैरिटी में भेज देती है। ''मुझे यह अपसाइक्लिंग व्यायाम एक ऐसा शांत शौक लगता है, जिसमें बस बैठकर बेकार पड़े कपड़ों को अनोखे डिजाइनों में सिलना है, जिन्हें लोग अपने घरों को सजाने के लिए चुनते हैं। उनकी लागत कम है लेकिन मुझे बनाने, बेचने और किसी के जीवन में बदलाव लाने में बहुत खुशी मिलती है,'' वह कहती हैं।

उनकी रचनाएँ उनकी कॉलोनी में इतनी लोकप्रिय हैं कि लोग उन्हें देने के लिए कपड़े के पुराने टुकड़े, फटे दुपट्टे, ब्रोकेड बॉर्डर, पुराने बटन और कढ़ाई वाले टुकड़े इकट्ठा करते हैं और यह देखना पसंद करते हैं कि वह उनसे क्या बनाएंगी। उनमें से कुछ लोग वह जो पैदा करती है उसे वापस खरीद लेते हैं, वह भी अच्छे उद्देश्य के लिए।

फिर एक और दोस्त है जो अपना सप्ताहांत और ख़ाली समय अपनी छत पर बिताती है। उन्होंने इसके एक हिस्से को छायांकित कर दिया है और वे सभी जड़ी-बूटियाँ उगाती हैं जिन्हें आप अपनी रसोई में उपयोग करना चाहते हैं। उसके पास उनकी अच्छी किस्म है और उसके सभी दोस्त जानते हैं कि जब उन्हें किसी विशेष पत्ते की आवश्यकता हो तो कहाँ जाना है। उसके पास करी पत्ते का पौधा है, जिसकी पत्तियाँ उत्तम *सांबार* की सुगंध देती हैं; गर्मियों में विभिन्न चटनी और शीतल पेय के लिए पुदीना की पत्तियां; *कैरम* (अजवाइन) सूप और व्यंजनों में बहुत अच्छा है और पाचन के लिए अच्छा है; और निश्चित रूप से, उसके तुलसी के पौधे अलग दिखते हैं क्योंकि उसके पास बड़े टेराकोटा बर्तनों में कई पौधे हैं।

वास्तव में, उनका शौक सर्दियों में और भी अधिक बढ़ जाता है क्योंकि वह कुछ गमलों में *पालक* उगाती हैं। यह इतनी प्रचुर मात्रा में उगता है कि हम सभी को इससे बहुत लाभ होता है।

पिछले कुछ वर्षों में वह पर्यावरण के प्रति और भी जागरूक हो गई हैं और खुद ही खाद बनाना शुरू कर दिया है। इसके लिए उन्होंने अपने दोस्तों और पड़ोसियों से अनुरोध किया है कि वे अपने जैविक भोजन और पौधों के कचरे को बचाएं और इसे अपने घर के कंपोस्टिंग पिट के लिए दें। उन्होंने अब खाद बनाने की कला में महारत हासिल कर ली है और यहां तक कि उन्होंने अपनी कॉलोनी के रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के साथ भी अपनी विशेषज्ञता साझा की है, ताकि वे सामुदायिक खाद बनाने की गतिविधि को आगे बढ़ा सकें। ''मेरा शौक अब लगभग एक जुनून बन गया है। यह देखना बहुत संतुष्टिदायक है कि इतने सारे घर एक सामूहिक गतिविधि के रूप में अपने जैविक कचरे को खाद बनाते हैं और अपने वातावरण को हरा-भरा करने के लिए कुछ पौधे और जड़ी-बूटियाँ उगाने की कोशिश करते हैं। शौक छोटे पैमाने पर शुरू होते हैं लेकिन धीरे-धीरे बढ़ते हैं और आपके जीवन और ग्रह पर बड़ा बदलाव ला सकते हैं,'' वह कहती हैं।

मेरे तीन मित्र नियम के अपवाद नहीं हैं। शौक हम सभी के जीवन में एक भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा, अगर हम स्थायी हस्तक्षेप की मांग कर रही दुनिया में एक छोटा सा बदलाव लाते हुए खुद का आनंद लेने का एक शांत तरीका ढूंढते हैं, तो हमने अपना योगदान दिया होगा।

लेखिका एक वरिष्ठ पत्रकार हैं,
जो पर्यावरण के मुद्दों पर लिखती हैं।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

Mind your Ps and Qs

A Rotary alphabet soup SOS

If you've been part of the Rotary family for any amount of time, you've probably had a taste of the organisation's alphabet soup. Rotary loves its acronyms and abbreviations — a glossary for staff includes 118 of them! They can be helpful by eliminating longer words, reducing verbal clutter, and saving readers time. But acronyms can be confusing and unwelcoming to those less familiar with the Rotary lingo, so use them wisely and think twice before using them with the public.

Are you an acronyms ace? Take our quiz and find out.

1

If the RIP* was RIPE last year, what will they be next year?

A PRIP

B compost

*An acronym recently retired by Rotary.
Rest in peace, RIP.

P S: *Rotary News* discontinued the usage of 'RIP' 10 years ago.

2

Where are you likely to find a DGE?

A GETS

B GELS

C IA

D the hotel bar

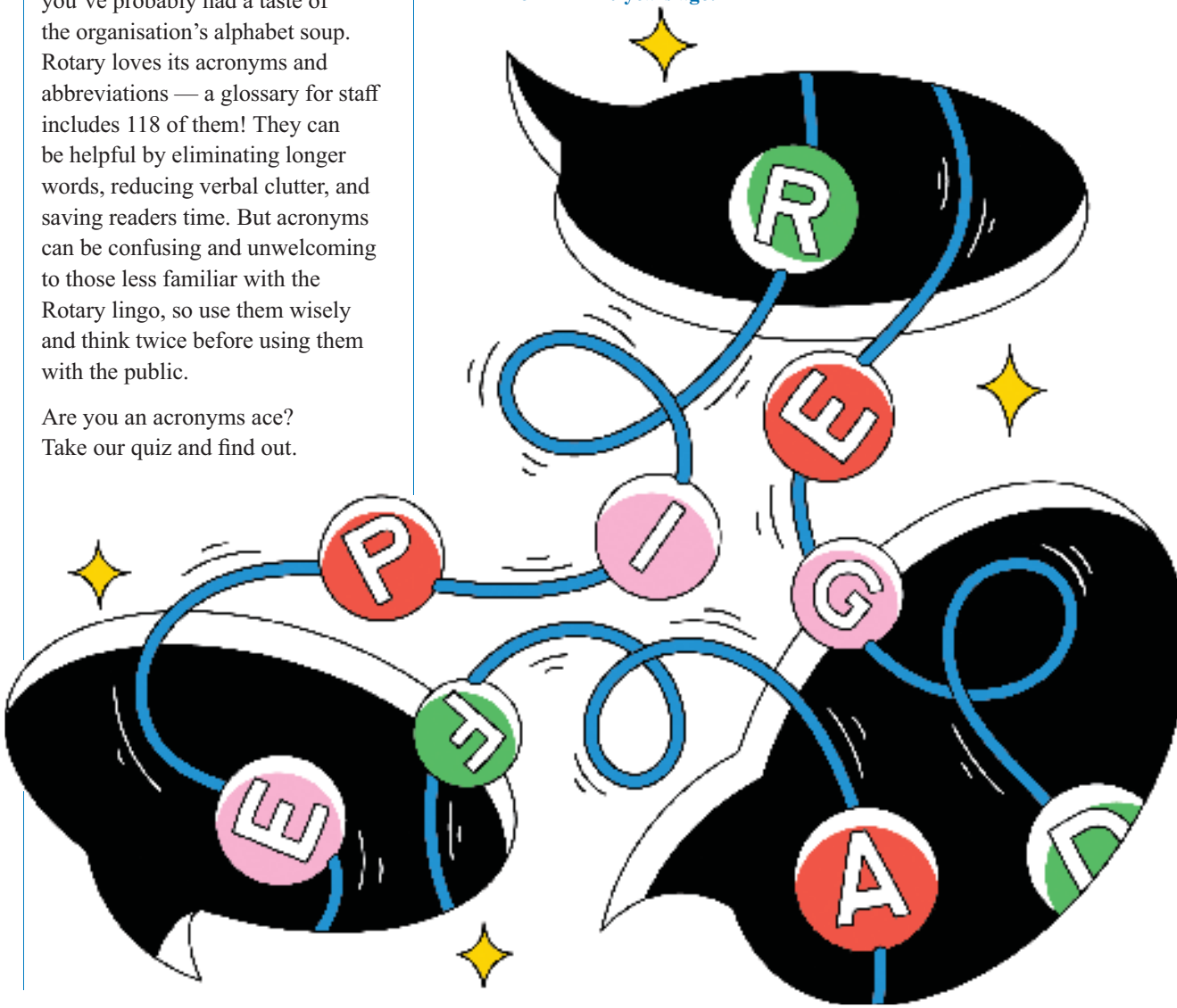

3

Which of the following acronyms is not related to The Rotary Foundation?

A PPP
B MD
C AF
D FOMO

4

GPS stands for:

A Global Positioning System
B Global Polio Sector
C Global Philanthropy Seminar
D Giant Panda Species

5

An RC, DMC and RRFC bump into their DGN at the airport and wonder if she is going to the CoL. Which city is she travelling to?

A Huh?
B Calgary
C Chicago
D This trip has nothing to do with Rotary — let her take a vacation already!

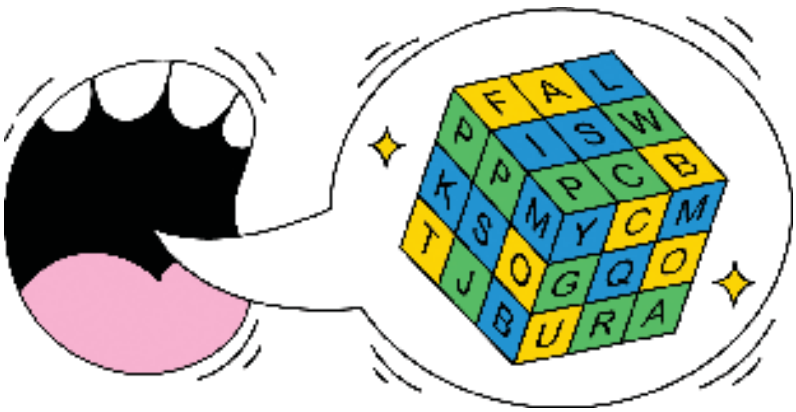

Rotary lingo dos and don'ts

DO
remember who your audience is when deciding if an acronym is appropriate

DON'T
overuse acronyms or abbreviations

DO
use the shorter version of a term instead of the acronym (for example, use "governor" instead of DG)

DON'T
use an acronym for a term mentioned only a few times in your text

DO
provide the full phrase at first reference with the abbreviation in parentheses

DON'T
include periods, except for "U.S."

ANSWER KEY

1: A The Rotary International president was Rotary International president-elect last year and will be past Rotary International president next year.
2: B and C The governors-elect learning seminar is the new name for what was formerly known as the governors-elect training seminar. Additional sessions for incoming governors take place at the International Assembly. (Though you might find some at the hotel bar too!)
3: D Fear of missing out. The others are PolioPlus Partners, Major Donor, and Annual Fund.
4: C Global Philanthropy Seminar
5: D District governors-nominee are not eligible to represent their district at the Council on Legislation, which is held in Chicago every three years. Representatives must have served a full term as district governor at the time of their election. (The other abbreviations stand for Rotary coordinator, district membership chair and regional Rotary Foundation coordinator.)

©Rotary

चलने के अनेक स्वास्थ्य लाभ

भरत और शालन सवुर

जीवन में कभी न कभी हर कोई असुरक्षित महसूस करता है। यहां तक कि अपनी सफलता के चरम पर भी, वे क्षितिज पर धुंधलके के प्रति अधिक जागरूक हो जाते हैं। उम्र बढ़ना और उस पर नकारात्मक प्रतिक्रिया देना एक नई पसंद का सामना करने के बजाय एक अलग चरण में जाने जैसा महसूस हो सकता है। यह तब होता है जब किसी को एहसास होता है कि गंतव्य तक पहुंचने की तुलना में यात्रा अधिक सुखद थी। घास अब उतनी हरी नहीं लगती जितनी कभी यौवन की दृष्टि उसे चित्रित करती थी। यह अवस्था और चिंता धीरे-धीरे बढ़ती है लेकिन तेजी से बढ़ सकती है। तनाव लड़ाई-या-उड़ान प्रतिक्रिया को ट्रिगर करता है, जिससे रक्तचाप, हृदय गति और मांसपेशियों में तनाव बढ़ जाता है। तनाव के शुरुआती लक्षणों में भूलने की बीमारी, थकान और परेशान नींद शामिल हैं।

कई बीमार रोगियों में समान लक्षण होते हैं, और डॉक्टर और आम आदमी समान रूप से निश्चित नहीं हो सकते हैं कि भूलने की बीमारी, थकान और परेशान नींद तनाव के कारण है। इसके अलावा, अधिकांश चिकित्सक तनाव से निपटने के लिए प्रशिक्षित या सुसज्जित नहीं हैं, शिकागो मेडिसिन, यूएसए में तनाव पाचन स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करता है, इस पर विशेषज्ञता रखने वाली एक नैदानिक शोधकर्ता एलिस बेंडेल बताती हैं।

फिर भी, प्रारंभिक तनाव मानसिक बीमारी का कारण है या स्थिति, यह मुद्दा नहीं है। क्योंकि, किसी भी मामले में, यह लंबे समय तक चलने वाला तनाव है जो इसे लंबे समय में गंभीर बना देता है। इसलिए, समय पर उठाया गया कदम, यानी पैदल चलना, नौ बचाता है। जैसा कि नीचे दिए गए दो फीट-परीक्षणित अध्ययन स्थापित करते हैं:

फ्रैंक हू, एमडी, पीएचडी, ने 40 से 70 वर्ष की उम्र की 70,000 महिला नर्सों की चलने की गति का अध्ययन करने के बाद अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के जर्नल में अपना सर्वेक्षण प्रकाशित किया। जो लोग सप्ताह के अधिकांश दिनों में कम से कम 30 तक मध्यम गति से

चले। मिनटों ने उनके सबसे आम स्ट्रोक के जोखिम को लगभग 20 प्रतिशत कम कर दिया। जो लोग तेज या बहुत तेज गति से चले, उन्होंने इसे घटाकर दोगुना कर दिया: लगभग 40 प्रतिशत।

इसी तरह, बोस्टन के ब्राइटन महिला अस्पताल की डॉ मिशेल होम्स द्वारा किए गए एक अध्ययन में 18 वर्षों तक 3,000 स्तन कैंसर रोगियों के स्वास्थ्य और व्यायाम की आदतों पर नज़र रखी गई। उन्होंने निष्कर्ष निकाला: ऐसी महिला मरीज़ जो सप्ताह में 3 से 5 घंटे तक चलती थीं, उनमें स्तन कैंसर से पीड़ित निष्क्रिय महिलाओं की तुलना में उनके निदान से बचने की संभावना 50 प्रतिशत अधिक थी।

आज, आइए हम मस्तिष्क या दिमाग पर ध्यान केंद्रित करें, जो शरीर को संचालित करता है। बायां हिस्सा हमारे मस्तिष्क का निष्पादन पक्ष है और अक्सर हमारे प्रतिवर्ती कार्यों की प्रेरक शक्ति मुख्य रूप से अचेतन या अवचेतन पर आधारित होती है। मस्तिष्क का बहुत कम उपयोग किया जाने वाला दाहिना भाग रचनात्मक, चिंतनशील है। यह दुर्लभ मामलों में अपने आप में आता है और खुद को तभी अभिव्यक्त करता है जब हम ऐसी स्थितियाँ बनाते हैं जो खुद को और सही मस्तिष्क को विशेष, मायावी समय और स्थान देती हैं।

लाल आंखों वाला पर्यटन

हम सभी ने पढ़ा है कि यात्रा करने से मन विस्तृत होता है। ज़रूर, ऐसा होता है लेकिन क्या यह आपको शरीर की बैटरी को रिचार्ज करने के लिए मानसिक स्थान और मनोवैज्ञानिक समय भी देता है? यदि यात्रा को केवल मीलों की दूरी तय करने (मुस्कान से नहीं) में मापा जाता है, तो बार-बार यात्रा करने वाला व्यक्ति जीत जाएगा। मैं ऐसे कई यात्रियों को जानता हूं। मैं उन्हें पर्यटक बाल्टी में रखूंगा। एक आँख घड़ी पर रखकर और दूसरी उसके टूरिस्ट कोच पर। मेरे लिए यह 'लाल आंखों वाला' पर्यटन है।

कम समय में जितना संभव हो सके उतने अधिक पर्यटक स्थलों को पैकेज करने के लिए तैयार किया गया एक जटिल कार्यक्रम धावकों और उन ममी-टूफ के लिए मज़ेदार है जो यह दावा करते हैं कि उन्होंने मवह सब कुछ देखा है जो देखने लायक था।फ किसी महाकाव्य फिल्म को फास्ट-फॉरवर्ड मोड में देखने जैसा शेड्यूल पर्यटन स्थलों की सतह पर घूमता है। पलक झपकते ही स्मारकों का धुंधला हो जाना। और यदि आपने तनाव से बचने के लिए इस छुट्टी की योजना बनाई है, तो आप फ्राइंग पैन से आग में कूद गए हैं। इससे तनाव मुक्त होने के लिए आपको फिर से एक और छुट्टी की आवश्यकता हो सकती है।

तनावमुक्ति की छुट्टियाँ

जैसे-जैसे आप बड़े और समझदार होते जाते हैं, यात्रा अधिक गहन होती जाती है। गति बदलती है और आप धीमी गति से चलना चाहते हैं और अपनी गति से यात्रा करना चाहते हैं, मीनाक्षी मेनन कहती हैं, जो अकेलेपन से निपटने पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्वास्थ्य सेवा से परे 60 से अधिक जनसांख्यिकीय की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक मोबाइल-एप्लिकेशन-जेनएस लॉन्च करने की योजना बना रही हैं। और व्यक्तिगत विकास को प्रोत्साहित करना। धीमी लेन में ड्राइव करें - अपने स्थल पर पहुंचने का रास्ता। और अपने गंतव्य में एक अलग आयाम जोड़ें: अवशोषण। मैं जगह का अनुभव प्राप्त करने के लिए पैदल चलने या साइकिल चलाने का सुझाव दूंगा। प्राचीन यात्री चला गया और वातावरण में डूब गया। उन्होंने लगभग हर उस चीज़ को गले लगाया जो उन्हें छूती थी। और अपने परिवेश, अपने लोगों, अपनी संस्कृति के साथ घर जैसा हो गया।

ऐसी महिला मरीज़ जो सप्ताह में 3 से 5 घंटे तक चलती थीं, उनमें स्तन कैंसर से पीड़ित निष्क्रिय महिलाओं की तुलना में उनके निदान से बचने की संभावना 50 प्रतिशत अधिक थी।

टहलने का मन नहीं है: अपने आप को मजबूर मत करें। बस कुछ कदम आगे बढ़ें और अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित करें। प्रत्येक साँस छोड़ने के लिए दो कदम उठाएँ और प्रत्येक साँस लेने के लिए दो कदम उठाएँ।

टहलने का मन नहीं है: अपने आप को मजबूर मत करें। बस कुछ कदम आगे बढ़ें और अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित करें। प्रत्येक साँस छोड़ने के लिए दो कदम उठाएँ और प्रत्येक साँस लेने के लिए दो कदम उठाएँ। यदि आपको ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो रही है, तो अपने आप से कहें कि आप ताजी हवा लेने के लिए चल रहे हैं। जब भी आप महसूस करें कि आपका मन भटक रहा है - आप चौंक जाएंगे कि ऐसा कितनी बार होता है - अपनी सांस लेने की प्रक्रिया जारी रखें और अपने आप से दोहराएं कि आप ताजी हवा लेने के लिए चल रहे हैं। यह आपके चलने में अद्भुत काम करता है। इस अभ्यास को अगले 20 से 60 मिनट तक जारी रखें। जैसे ही आपकी सांस आपके चलने की गति को बढ़ाती है, आपका बायां मस्तिष्क - शरीर की गतिविधियों की निगरानी करने वाला प्रतिवर्त-क्रिया वाला वातानुकूलित भाग बंद हो जाता है। और रचनात्मक, शायद ही कभी उपयोग किया जाने वाला दाहिना मस्तिष्क, जो रचनात्मक रूप से झुका हुआ है, सक्रिय हो जाता है। यह दाहिना भाग समस्या पर विचार करता है और समाधान प्रस्तुत करता है।

दुनिया के कुछ महानतम विचारकों, दार्शनिकों, कवियों, वैज्ञानिकों... ने अपने पैरों पर खड़ा होकर सोचा है।

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, *और* बी सिम्पली स्पिरिचुअल - यू आर नैचुरली डिवाइन *के लेखक है और फिटनेस फॉर लाइफ कार्यक्रम के शिक्षक है।*

मंडल गतिविधियाँ

RID 3142

RID 3191

RID 3170

RID 3201

रोटरी क्लब ठाणे रॉयल्स
रो ई मंडल 3142

रोटरी क्लब लोखंडवाला के सहयोग से अंधेरी पश्चिम के एक स्कूल में 280 छात्रों को नोटबुक और पाठ्यपुस्तकें वितरित की गईं।

रोटरी क्लब कारवार सीसाइड
रो ई मंडल 3170

क्लब के सदस्यों को रोज़मेरी के पौधे वितरित किये गये। पौधों की अच्छी देखभाल करने वाले सदस्यों के लिए विशेष पुरस्कारों की घोषणा की गई।

RID 3182

रोटरी क्लब मणिपाल टाउन
रो ई मंडल 3182

पूर्व अध्यक्ष गणेश नायक ने उडुपी के पास अपना घर बनाने के लिए एक परिवार को ₹3 लाख का दान दिया।

रोटरी क्लब बैंगलोर प्राइम
रो ई मंडल 3191

डीजी सतीश माधवन ने जयनगर के एक स्कूल में लगभग 290 छात्रों (₹1 लाख) को स्कूल किट वितरित कीं।

रोटरी क्लब कोचीन बीच साइड
रो ई मंडल 3201

पनांगड में एक प्रशामक देखभाल केंद्र के कैदियों को ₹20,000 का किराने का सामान दान किया गया।

RID 3203

RID 3250

RID 3211

RID 3291

RID 3212

रोटरी क्लब पोलाची रॉयल्ज़
रो ई मंडल 3203

चार आदिवासी बस्तियों में 300 आदिवासी लोगों और वन रेंजरों को टी-शर्ट और स्वेटर (₹80,000) दान किए गए।

रोटरी क्लब आंचल
रो ई मंडल 3211

कोल्लम जिले के मनालील येरूर गांव के एक स्कूल में 200 बच्चों को स्टेनलेस स्टील लंच प्लेट (₹25,000) दान किए गए।

रोटरी क्लब शिवकाशी डायमंड्स
रो ई मंडल 3212

आईपीडीजी मुत्तैया पिल्लई ने स्टैंडर्ड फायरवर्क्स, शिवकाशी के सीएसआर फंड के माध्यम से आठ महिला उद्यमियों को सिलाई मशीनें (₹1.1 लाख) दान कीं।

रोटरी क्लब जमशेदपुर वेस्ट
रो ई मंडल 3250

सड़क सुरक्षा पर बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। स्थानीय पुलिस, कोल्हान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन, टाटा स्टील और रोटरेक्टर्स सह-साझेदार थे।

रोटरी क्लब कलकत्ता कंकुरगाछी
रो ई मंडल 3291

पूर्व अध्यक्ष सुमिता लोध की स्मृति में सिंधु बांकुरा कॉलोनी में एक बस स्टैंड का उद्घाटन किया गया।

वी मुत्तुकुमारन द्वारा संकलित

रंग पोतना खुशियाँ फैलाना

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरेक्ट क्लब श्रीगंगानगर विज़नरीज़, रो ई मंडल 3090 के सदस्यों ने पेंटिंग शुरू करने के लिए कैनवास के सामने बैठे बच्चों के एक समूह को स्नेहपूर्ण मार्गदर्शन और प्रोत्साहन दिया। क्लब सचिव नंदिनी अरोड़ा कहती हैं, हमने बताया कि कैसे प्रत्येक रंग एक मनोदशा, एक भावना या एक कहानी हो सकता है। एक सदस्य ने नीले रंग के भंवर की ओर इशारा किया और पूछा, मयह रंग आपको क्या 'हसूस कराता है?' और चमकदार, दांतेदार मुस्कान वाले एक बच्चे ने उत्तर दिया, 'यह आकाश की तरह है, और यह मुझे शांति का एहसास कराता है!'

यह क्लब द्वारा राजस्थान के श्रीगंगानगर के एक स्थानीय गुरुद्वारे में विभिन्न अनाथालयों के 40 बच्चों के लिए आयोजित कलर्स ऑफ हैप्पीनेस नामक एक कार्यक्रम का हिस्सा था।

5 मीटर लंबा कैनवास और जीवंत ऐक्रेलिक पेंट प्रदान किए गए, जिससे बच्चों को अपनी रचनात्मकता व्यक्त करने और अपने मन को स्वतंत्र रूप से चित्रित करने की अनुमति मिली। ''कुछ बच्चे, आत्मविश्वास से भरे हुए, उत्सुकता से कैनवास पर रंग बिखेरने लगे। अन्य लोग, शुरू में शर्मीले थे, झिझक रहे थे, लेकिन हमने उन्हें कैनवास पर रंगीन हस्तचिह्न बनाते हुए इसमें शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। हमने उन्हें कला के चिकित्सीय लाभों के बारे में बताया और बताया कि कैसे रचनात्मकता तनाव को कम कर सकती है और खुशी ला सकती है,'' नंदिनी कहती हैं। उत्साह बढ़ाने के लिए, मजेदार खेलों का आयोजन किया गया और उपहार वितरित किए गए, जिससे उनका दिन और भी खास हो गया।

बाद में, रोटरेक्टर्स ने बच्चों को कैनवास के सामने एक समूह तस्वीर के लिए इकट्ठा किया। ''वे उन हिस्सों को दिखाने में व्यस्त थे जिन्हें उन्होंने चित्रित किया था, प्रत्येक को अपना काम दिखाने में गर्व था। इतना कि हमें तस्वीर के लिए पोज़ देने से पहले उनके ख़त्म होने का इंतज़ार करना पड़ा,'' वह मुस्कुराती हैं। ■

एक बच्चे को पेंटिंग बनाने में मदद करती एक रोटरेक्टर।

इमिग्रेशन संघर्ष

LBW

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

जीवन आश्चर्यों से भरा हो सकता है और इनमें से कुछ बहुत सुखद भी हो सकते हैं। पिछले महीने जिनेवा हवाई अड्डे पर जब मैंने अपना पासपोर्ट आप्रवास अधिकारी को सौंप दिया तो उन्होंने धाराप्रवाह हिंदी में बात करना शुरू कर दिया। जब मैंने उनसे पूछा कि ऐसा कैसे तो उन्होंने बताया कि वे 'हिंदुस्तान' में कई साल बिता चुके हैं। उनके लहजे से मैं कह सकता हूँ कि वो अफगानिस्तान से होंगे। लेकिन मैंने उनसे पूछा नहीं क्योंकि यह अशिष्टता होती। उनका मैत्रीपूर्ण व्यवहार आमतौर पर आप्रवास अधिकारियों के गंभीर रवैये के एकदम विपरीत था। यह सभी सरकारों की अमित्रतापूर्ण आप्रवास नीतियों को दर्शाता है।

उदाहरण के लिए जब मैं दिल्ली वापस लौटा तो इमिग्रेशन काउंटर पर मौजूद व्यक्ति ने मुझसे मेरा बोर्डिंग कार्ड मांगा। मैंने कहा कि मैं इसे विमान में भूल गया। फिर मैंने उससे पूछा कि उसे इसकी आवश्यकता क्यों है। उसने कहा कि उसे फ्लाइट नंबर चेक करना है। मैंने उसे उस एयरलाइन का नाम बताया जो अभी-अभी ही उतरी थी। हम उससे जांच कर सकते हैं, मैंने कहा। पर वह नहीं माना और बोला कि उसे कार्ड ही देखना है। फिर मैंने उसे फ्लाइट का नंबर बताया और उसने मुझे अंदर जाने दिया - मेरे अपने देश में। मेरी जेब में उस एयरलाइन का एक चॉकलेट बार था जिसे मैंने उसे देने की कोशिश की। आखिरकार, वह मेरे बड़े बेटे से थोड़ा ही बड़ा था और शायद 12 घंटे से ड्यूटी पर था। मुझे बाद में एहसास हुआ कि उसके लिए फ्लाइट नंबर लिखना आवश्यक था। मैंने जिस भी अन्य देश का दौरा किया वहाँ ऐसी आवश्यकता नहीं थी। लेकिन उनके पास आपको भयभीत करने के अन्य तरीके होते हैं।

कुल मिलाकर मैं कभी भी ऐसे किसी आप्रवास अधिकारी से नहीं मिला जो सख्त न हो। यहाँ तक कि ऊपर मैंने जिस हिन्दी बोलने वाले व्यक्ति का जिक्र किया था वो भी शायद इतना दोस्ताना इसलिए था क्योंकि वह बाहर जाने वाले मार्ग पर मेरा पासपोर्ट चेक कर रहा था। जब आप जा ही रहे हो तो फिर जांच की क्या आवश्यकता है? लेकिन ज्यादातर देश ऐसा करते हैं।

फिर आते है अंग्रेज। ओह, हाँ अंग्रेज! वे बिल्कुल अलग वर्ग में आते हैं। वे चाहते हैं कि आप ट्रांजिट वीजा लें भले ही आप किसी अन्य कनेक्टिंग फ्लाइट से ही क्यों न जा रहे हों। यह 20 साल या उससे भी ज्यादा समय से एक आवश्यकता है। 2006 में मुझे, मेरी पत्नी और मेरे बेटे को दिल्ली से ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट लेने की इजाजत नहीं दी गई क्योंकि हमारे पास यह ट्रांजिट वीजा नहीं था। हमें किसी ने भी इसकी आवश्यकता के बारे में नहीं बताया था। हम केवल हीथ्रो से होते हुए दूसरी उड़ान लेकर पेरिस जाने वाले थे जहाँ मेरा भाई नौकरी करता था। और क्या आपको पता है? यह ट्रांजिट वीजा केवल अश्वेत लोगों के लिए ही आवश्यक था - जिनके पास वैध अमेरिकी वीजा हो उनके लिए भी यह आवश्यक नहीं था। मूल रूप से आपको हीथ्रो में शौचालय का उपयोग करने के विशेषाधिकार के लिए अंग्रेजी सरकार को भुगतान करना होगा। और वह इस बात पर बहुत सारा पैसा इकट्ठा करते है। इसलिए हमने फिर कभी ब्रिटेन न जाने का फैसला किया।

लेकिन इस साल मेरी एक भतीजी जिसने ब्रिटिश नागरिकता ले ली है, ने हमें वहाँ आने के लिए राजी किया। चूंकि हम उससे बहुत प्यार करते हैं इसलिए हमने उसे हाँ कह दिया और दो वीजा प्राप्त करने के लिए बहुत बड़ी राशि का भुगतान किया। मैंने सोचा था कि शायद इतना पर्याप्त होगा। लेकिन मैं गलत था। जिनेवा में चेक-इन के दौरान हमें हमारे दस्तावेजों को सत्यापित करवाना पड़ा। उस सत्यापन के बिना हमें बोर्डिंग कार्ड नहीं मिल सकता था। यह मुख्य रूप से बहुत ही थकाऊ प्रक्रिया है क्योंकि सत्यापन करने वाले किसी भी आधुनिक तकनीक का उपयोग नहीं करते। वे भी काफी अक्षम थे। वे बहुत धीरे-धीरे हाथ से सब कुछ नीचे रखते हैं। यह पूरी तरह से अनावश्यक है और कुछ देशों के लोगों को परेशान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह नस्लवाद है लेकिन अंग्रेज इसे कभी स्वीकार नहीं करेंगे। जाहिर सी बात है।

मैंने एक बार भारतीय विदेश सेवा के एक अधिकारी से पूछा कि हमने कभी परस्पर आदान-प्रदान के चलते उनके साथ भी ऐसा ही व्यवहार क्यों नहीं किया। सोचो उस आदमी ने क्या कहा। *अतिथि देवो भवा।* ■

LIVE AT KOCHI

MARK MALONEY

ROTARY FOUNDATION TRUSTEE CHAIR

ROTARY INTERNATIONAL PRESIDENT 2019-20

24TH SEPTEMBER AT 05:00 PM

HOTEL LE MERIDIEN, KOCHI

Adv.N Sundaravadivelu
District Governor 3201

Rtn.Dr.Suresh Babu
District Governor 3203

Rtn.Dr.Santhosh Sreedhar
District Governor 3204

Rtn.Sudhi Jabbar
District Governor 3211

Rtn.Meerankhan Salim
District Governor 3212

Dr. Bharat Pandya
TRF Trustee

PDG Sunil K Zachariah
Chairman

PDG TR Vijayakumar
Secretary

PDG Jose Chacko
Treasurer

REGISTER NOW

More Info:
Rtn.Susheel Aswani
Registration Chair
+91 93888 33800

***REGISTRATION CHARGES**

Till 15 September
INR 2500

From 16 to 21 September
INR 2750

From 22 September
INR 3000

*includes dinner

JOINTLY ORGANISED BY ROTARY DISTRICTS 3201 | 3203 | 3204 | 3211 | 3212

ADVT.

Registered No. TN/CCN/359/2024-2026 | Total number of pages in this monthly
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP 421/24-26 | issue, including cover, 84. Price: ₹40
Regd with RNI TNHIN/2001/05271. Rotary Samachar Published 1st week of every month. Posted at Egmore RMS Patrika Channel. Date of posting: 6–12 every month.

Rotary
District 3212

THE MAGIC OF ROTARY

DREDGING

The mission of 'Dredging'

To improve the sustainability of the Ponds in villages around Virudhunagar.

In modern days, the expansion of villages and towns are inevitable. Due to the modernisation and new construction activities, all the streams leading to the ponds are blocked due to the disposal of the construction debris. All the villagers are distressed to this unexpected assault on their livelihood and existence.

Dredging is the removal of sediments and debris from the bottom of water bodies.

Benefits of dredging the ponds:

Channelizes the flow of water into the waterbodies. • Removes unwanted nutrients from the sediment, thereby improving water quality. • Prevents the development of harmful algae blooms, which are toxic to humans and pets. • Increases waterbody volume and depth, reviving the agriculture and cattle-rearing activities, which consequently uplifts the economic well-being of the villagers.

With persistent and determined efforts, the following five water bodies have so far been rejuvenated and they are receiving input of rainwater through the streams that have been opened up:

Name of the tank	Village	Area of the tank	Storage Capacity	No.of Beneficiaries	Cost of the Dredging
Villipathiri Kanmai	Villipathiri	1.4 Acres	0.75 Million cft	5000	Rs. 1.2 lakhs
Aranmanai Kanmai	Pandian Nagar	1.8 Acres	1.19 Million cft	3500	Rs. 1.5 lakhs
Solai kavundan patti Kanmai	Solai kavundan patti	1.2 Acres	0.63 Million cft	4000	Rs. 0.8 lakhs
Raja Oorani	Rosalpatti	2.2 Acres	1.16 Million cft	3000	Rs. 1.8 lakhs
Kadambankulam	Soolakarai	2.34 Acres	1.34 Million cft	7000	Rs. 2.0 lakhs

This is a progressing project and Rotary Club of Virudhunagar is determined to take up the dredging of all the water bodies in and around Virudhunagar and also monitor the upscaling of water bodies.

Rtn. MAPR Krishnamoorthy
Rotary Project Chairman

IDHAYAM
PROMISE OF HEALTH AND HAPPINESS

Rotary Club of Virudhunagar
Lions club of Virudhunagar
JCI Virudhunagar Happy

LEKHA ads Sep 24/ Rotary/BW

ADVT.